नवरात्र
महानवमी आज

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

*   www.lagatar.in   रांची, शुक्रवार 11 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 09, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 183   आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

हाई रेजव्यूलेशन से युक्त होगा ड्रोन, तस्वीर और वीडियो होगी क्लीयर

देसी ड्रोन से होगी ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की निगरानी

- फाइनल की जा रही है टेंडर की प्रक्रिया

रवि भारती।रांची

ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की निगरानी देसी ड्रोन से होगी. टेंडर की शर्तों के अनुसार योजनाओं की निगरानी के लिए विदेशी ड्रोन का उपयोग नहीं करना होगा. खास कर मनरेगा के तहत संचालित योजनाओं का अनुश्रवण और निरीक्षण ड्रोन टेक्नोलॉजी के माध्यम से किया जाएगा. इस तकनीक का उपयोग राज्य के सभी जिलों में होगा। इस योजना का उद्देश्य ड्रोन आधारित सेवाओं का उपयोग करके चल रहे कार्यों की निगरानी करना है. साथ ही पूर्ण कार्य का निरीक्षण, पूर्ण कार्यों का प्रभाव का मूल्यांकन, विशेष निरीक्षण और कार्य की व्यवस्थित और वैज्ञानिक योजना के विस्तृत दायरे को देखना है.

हर टीम के पास एक समय पर कई ड्रोन होने चाहिए : योजनाओं की निगरानी के लिए प्रत्येक टीम के पास समय पर कई ड्रोन और संबंधित सहायक उपकरण होने चाहिए. न्यूनतम 30 से 45 मिनट की निरंतर रिकॉर्डिंग सुनिश्चित होनी चाहिए. ड्रोन को फिर से निर्बाध रूप से उड़ान भरने के लिए 3 से 4 घंटे के भीतर तैयार होना चाहिए. ड्रोन उच्च रिज़ॉल्यूशन छवियों और वीडियो के साथ वस्तुओं को स्पष्ट रूप से कैप्चर करने में सक्षम होना चाहिए. सेंसर में 30 एक्स ऑप्टिकल ज़ूम विकल्प उपलब्ध होना चाहिए. वीडियो रिकॉर्डिंग का डेटा एचडी वीडियो फॉर्मेट में स्पष्ट और शार्प होना चाहिए. वीडियो में दिनांक, समय और निर्देशांक की मुहर होनी चाहिए. उड़ान की स्थिति (पोजीशन होल्ड फ़ंक्शन) को बनाए रखने में सक्षम होना चाहिए.

योजनाओं के कार्यों को देखा जा सकेगा लाइव : उच्च गुणवत्ता वाली इमेजरी और स्थलाकृतिक डेटा को कैप्चर करने के लिए सर्वेक्षणों से मिले इनपुट के आधारल पर रिपोर्ट तैयार की जाएगी. योजनाओं की कार्यप्रगति को लाइव प्रस्तुत करने के लिए तैयार डेटा भंडारण सुविधा के साथ एक सहज विज़ुअलाइज़ेशन डैशबोर्ड का विकास किया जाएगा. निगरानी डेटा और मानचित्रण जानकारी भी दी जाएगी. डैशबोर्ड को आवश्यकता के अनुसार डिजाइन किया जाएगा (सी) विज़ुअलाइज़ेशन के लिए ड्रोन से एकत्र किए गए डेटा के निर्बाध हस्तांतरण की अनुमति देने के लिए डेटा अपलोडिंग कार्यक्षमता का एकीकरण किया जाएगा.

इन चीजों का लगेगा पता

- क्षेत्र की 3 डी मैपिंग, जिसमें लंबाई और क्षेत्र की माप, वॉल्यूमेट्रिक विश्लेषण (कार्यों के मामले में) जैसी गणना का पता लगेगा.
- भू-संदर्भित छवियों को कैप्चर करके बनाई गई संपत्तियों का हो सकेगा आकलन.
- कार्य परिसंपत्ति के खिलाफ शिकायतों की जांच के लिए ड्रोन का उपयोग किया जाएगा.
- कार्य स्थल पर मौजूद श्रमिकों की संख्या का भी पता चल सकेगा.

11 जिलों में पोस्टिंग चाहने वाले जवानों के पास मौका, करें ऑनलाइन आवेदन

संवाददाता।रांची

झारखंड पुलिसकर्मियों के पास 11 जिलों में काम करने का सुनहरा अवसर है. इच्छुक पुलिसकर्मी इन जिलों में काम करने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी किया है. जारी आदेश के मुताबिक, रांची, धनबाद, जमशेदपुर, बोकारो, हजारीबाग, रामगढ़, कोडरमा, देवघर, सरायकेला, दुमका और गिरिडीह में सिपाही और हवलदार को पदस्थापित किया जाना है. जो पुलिसकर्मी इन जगहों पर जाने को इच्छुक हैं वो नीचे दिये गये क्यूआर कोड लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं.

ऑनलाइन आवेदन में देनी होगी ये जानकारियां : पदनाम और नाम, वर्तमान में पदस्थापित जिला, मोबाइल नंबर, जन्म तिथि, जेंडर, गृह जिला, नियुक्ति तिथि, सेवानिवृत्ति की तिथि, किस जिले में नियुक्त हुए, पिछली पांच पोस्टिंग की जानकारी, कोई बीमारी हो तो उसकी जानकारी और तबादले के लिए जिले की सूची.

छठ महापर्व पर जारी होगी मंईयां योजना की चौथी किस्त

विशेष संवाददाता।रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड की महिलाओं-बहनों को सम्मान देने के लिए 'झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' की शुरुआत की है. इस योजना के तहत राज्य की महिलाओं के खातों में अब तक तीन किस्तें आ चुकी हैं. सीएम हेमंत ने पहली किस्त रक्षाबंधन, दूसरी किस्त करम पर्व और तीसरी किस्त नवरात्रि के अवसर पर जारी कर दी है. वहीं अब मंईयां सम्मान योजना की चौथी किस्त छठ महापर्व पर जारी की जाएगी. इसकी जानकारी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक्स हैंडल पर शेयर की है. उन्होंने कहा कि मुझे अत्यंत हर्ष है कि हमने 51 लाख बहनों के खातों में मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना की तीसरी किस्त जारी की है. छठ पूजा के पावन अवसर पर चौथी किस्त भी आप तक पहुंच जाएगी. यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि हमारी बहनों के सशक्तीकरण की दृढ़ प्रतिज्ञा है. मैं आप सभी को विश्वास दिलाता हूं कि हर झारखंडवासी की उन्नति ही हमारा लक्ष्य है. हमने शुरुआत की है, पर यह केवल आरंभ है.

जेल से लौट कर पिछले तीन माह में हमने काफी तेजी से कार्य किया है और आगे हम इस गति को और तेज करेंगे. हम सब मिल कर झारखंड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करेंगे. यह मेरा संकल्प है, आप सबसे हमारा वादा है.

विस चुनाव: इंडिया गठबंधन का खाका तैयार, 14 के बाद तस्वीर हो जाएगी साफ

कौन कितनी सीटों पर लड़ेगा चलेगी हेमंत की मर्जी

- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कल्पना के साथ सीट शेयरिंग का फार्मूला कांग्रेस को सौंपा
- निर्णायक दौर की बातचीत में शामिल होंगे तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य भी

कौशल आनंद।रांची

आगामी झारखंड विधानसभा के लिए इंडिया गठबंधन के सीट शेयरिंग का खाका तैयार कर लिया गया है. मुख्यमंत्री और झामुमो कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने इसे कांग्रेस नेतृत्व को सौंप दिया है. बीते दिवस दिल्ली में करीब एक से डेढ़ घंटे की बातचीत नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वेणुगोपाल के साथ हेमंत सोरेन की बातचीत हुई. इसमें एक-एक सीट पर गहन मंथन किया गया. बातचीत में ये भी प्रमुख बिंदु रहा कि कोई खास सीट या कम लेना कोई फैक्टर नहीं होना चाहिए, जीत कैसे सुनिश्चित होगी, उस पर सभी दलों को फोकस किया जाना चाहिए. इसलिए उसी सीट को टॉरगेट किया जाए, जिसमें 80 प्रतिशत से ऊपर जीतने की स्थिति में हैं. मिली जानकारी के अनुसार एक और दौर की बातचीत होगी, जिसमें राजद नेता तेजस्वी यादव और माले महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य शामिल होंगे. इसके बाद फाइनल रूप से 14 अक्टूबर के बाद सीटों का ऐलान कर दिया जाएगा. सीटों के ऐलान के बाद सभी दल अपने-अपने स्तर से प्रत्याशियों का ऐलान शुरू करेंगे.

सूत्रों के मुताबिक हरियाणा चुनाव में पराजय का मुंह देखने वाली कांग्रेस बहुत फूंक-फूंक कर कदम बढ़ा रही है. वह बहुत ज्यादा बार्गेनिंग की स्थिति में खुद को नहीं पा रही है. ऐसे में वह झारखंड के चुनाव में झामुमो को बड़ा भाई मान कर उसकी हर सलाह पर गौर करेगी. कांग्रेस का भी मानना है कि ज्यादा सीटें लेने से ज्यादा जरूरी है, सीटें जीतना. हेमंत सोरेन ने भी सलाह दी है कि सीटों को लेकर किसी भी तरह की खींचतान से गलत मैसेज जाएगा. अच्छा होगा कि जो जहां मजबूत हो, वहां से चुनाव लड़े. ज्यादा सीटों पर लड़ने से ज्यादा महत्वपूर्ण है, ज्यादा सीटें जीत कर झारखंड में फिर से सरकार बनाना. माना जा रहा है कि इंडिया गठबंधन में सीटों का बंटवारे में सीएम हेमंत सोरेन की ही चलेगी. और हेमंत सोरेन के ही चेहरे पर इंडिया ब्लॉक मैदान में जाएगा.

झामुमो ने अपनी सीटों को कांग्रेस के समक्ष रखा

झामुमो ने अपनी ओर से जिन सीटों मजबूत है, उसका आंकड़ा कांग्रेस नेताओं के समक्ष रखा. इसमें झामुमो की सीटिंग सीटों के अलावा और कई सीटें भी शामिल हैं. इनमें तीन से पांच नई सीटें भी शामिल हैं, जिन पर पिछली बार कांग्रेस और राजद चुनाव लड़ चुके हैं. झामुमो कांग्रेस को मांडू और पोड़ैयाहाट सीट देने को तैयार हो गई है. पोड़ैयाहाट से पिछली बार झाविमो की ओर से चुनाव लड़े सीटिंग विधायक प्रदीप यादव एवं भाजपा से चुनाव लड़े मांडू के जेपी पटेल शामिल हैं. झामुमो पलामू की कुछ सीटों पर अपनी दावेदारी प्रस्तुत की है. मगर ये कौन-सी सीटें है, इसका खुलासा अभी नहीं हो पाया है.

कांग्रेस भी अपनी ओर से तैयार करेगी अपनी सीटों का खाका

सीएम हेमंत सोरेन के सभी सुझावों को कांग्रेस ने वस्तुतः मान लिया है. इस पर अपनी सहमति भी प्रदान कर दी है. कांग्रेस नेतृत्व ने अपने प्रदेश नेतृत्व से एक सप्ताह में पक्की जीत वाली सीटों का खाका तैयार करके दिल्ली रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया है. चूंकि वर्तमान प्रभारी गुलाम अहमद मीर अभी जम्मू-काश्मीर मे नई सरकार के गठन तक व्यस्त रहेंगे, इसलिए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और प्रदेश सह प्रभारियों को होमवर्क पूरी करने का निर्देश दिया गया है. प्रदेश नेतृत्व से रिपोर्ट मिल जाने के बाद कांग्रेस अपनी ओर से सीटों की दावेदारी झामुमो के समक्ष प्रस्तुत करेगी.

राजद के साथ ही साथ माले को संतुष्ट करना होगी बड़ी चुनौती

झामुमो-कांग्रेस इसी फार्मूले को राजद और माले के समक्ष भी रखेंगे. उन्हें भी जीत की अधिक संभावना वाली सीटों का खाका तैयार करने का संदेश पहुंचाया जा रहा है. चूंकि मार्क्सवादी समन्वय समिति का विलय माले में हो चुका है. इसलिए माले की दावेदारी भी बढ़ गई है. मगर गठबंधन की ओर से माले को दो से तीन सीट ही देने के मूड में है, जिसमें विनोद सिंह की सीट बगोदर और अरूप चटर्जी की सीट निरसा शामिल हैं. एक और सीट इधर-उधर मैनेज की जा सकती है. राजद को पिछली बार की तरह सात नहीं, बल्कि पांच सीटें दी जा सकती है. अब राजद और माले इसके लिए तैयार होगी या नहीं, यह समय बताएगा.

सूचना आयुक्त की नियुक्ति न होने पर अधिकार मंच ने जताई चिंता

संवाददाता।रांची

जन सूचना अधिकार मंच रांची के संयोजक मोहम्मद अकरम राशिद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर झारखंड राज्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति नही होने पर चिंता जताई है. उन्होंने कहा की झारखंड राज्य सूचना आयोग में सुनवाई पूरी तरह से ठप है. वजह झारखंड में सूचना आयुक्तों का नहीं होना है. सरकार पिछले चार साल में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति नहीं कर पाई है. 12 अक्टूबर को सूचना अधिकार स्थापना दिवस के रूप में पूरे देश में मानिए जाता है. लेकिन झारखंड राज्य की सरकार है कि मौलिक अधिकार का हनन कर रही है. पिछले चार साल में सरकार मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति नहीं कर पाई. जिस कारण झारखंड राज्य सूचना आयोग में 20 हजार से भी अधिक मामले सुनवाई के लिए पेंडिंग हैं.

उन्होंने कहा सूचना आयोग की नियुक्ति में हुई देरी पर चिंता व्यक्त करते हैं. पिछले 4 वर्षों से इस महत्वपूर्ण संस्था की नियुक्ति नहीं होना न केवल नागरिकों के अधिकारों का हनन है, बल्कि यह लोकतंत्र की मूल भावना के विरुद्ध भी है. उन्होंने सरकार से आग्रह करते हैं कि वह इस मामले में तत्काल ध्यान दे और सूचना आयोग की नियुक्ति की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करे. यह न केवल नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि यह लोकतंत्र की मजबूती के लिए भी जरूरी है.

राज्यपाल ने रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया

संवाददाता।रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने प्रतिष्ठित उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया है. कहा है कि उनके निधन की सूचना से मन अत्यंत व्यथित है. उन्होंने उद्योग, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्रों में अपने दूरदर्शी और निःस्वार्थ योगदान से देश को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं. उनकी दूरदर्शिता और नेतृत्व के कारण भारत ने न केवल व्यापारिक व उद्योग जगत में, बल्कि सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी विश्वस्तरीय पहचान बनाई. रतन टाटा की विनम्रता और परोपकार की भावना सदियों तक प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी. उनका निधन देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है. उनका व्यक्तित्व और उनका निस्वार्थ समाज सेवा का दृष्टिकोण सदैव अविस्मरणीय रहेगा.

उनके निधन से देश ने एक महान व्यक्तित्व और अनमोल रत्न खो दिया है. ईश्वर से प्रार्थना है कि रतन टाटा के परिवारजनों और उनके अनगिनत प्रशंसकों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें.

एक दिन का रहा राजकीय शोक

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रतन टाटा के निधन पर शोक जताया

संवाददाता।रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने देश के सुप्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है. बुधवार की देर रात को ही मुख्यमंत्री सोरेन ने रतन टाटा के असामयिक निधन पर एक दिन का राजकीय शोक की घोषणा भी की. मुख्यमंत्री ने दुःख एवं संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि रतन टाटा देश के अनमोल रत्न थे. उन्होंने उद्योग जगत के साथ-साथ समाजसेवा एवं परोपकार के क्षेत्र में देश और दुनिया में अपनी अमिट छाप छोड़ी है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है. वे एक सच्चे राष्ट्रवादी थे. उनका जीवन उपलब्धियों से भरा रहा है. उद्योगपति रतन टाटा एक-एक देशवासियों केदिलों में राज करते थे. उनका निधन राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति है. ईश्वर इस पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें.

किरण पासी को पशुपालन निदेशक का अतिरिक्त प्रभार

रांची। राज्य सरकार ने दो आइएएस अफसरों का तबादला किया है. इसमें समाज कल्याण निदेशक किरण पासी को पशुपालन निदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. वहीं निदेशक पशुपालन के पद पर पदस्थापित आदित्य रंजन को सूचना प्रौद्योगिकी का निदेशक बनाते हुए माध्यमिक शिक्षा निदेशक का भी अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया.

चंदनक्यारी और हुसैनाबाद सीट को लेकर अब तक फंसा है पेंच

एनडीए में दो सीटों को लेकर भाजपा-आजसू के बीच झकझूमर

- काम नहीं आ रहा सुदेश महतो का प्रेशर पॉलिटिक्स

रवि भारती।रांची

एनडीए में दो सीटों को लेकर भाजपा और आजसू के बीच झकझूमर चल रहा है. चंदनक्यारी और हुसैनाबाद सीट पर अब तक पेंच फंसा हुआ है. इसपर आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो का प्रेशर पॉलिटिक्स भी काम नहीं आ रहा है. इसकी वजह यह है कि चंदनक्यारी भाजपा की सीटिंग सीट है. यहां से नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी लगातार दो बार 2014 और 2019 में चुनाव जीत चुके हैं, जबकि आजसू नेता और पूर्व मंत्री उमाकांत रजक ने 2009 में इस जीत पर जीत हासिल की थी. उमाकांत रजक हर हाल में इस सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं. वहीं अमर बाउरी अपनी टिकट कंफर्म मान रहे हैं. जानकारी के अनुसार, टिकट नहीं मिलने की स्थिति में उमाकांत रजक दूसरे दल के टिकट से चुनाव लड़ सकते हैं.

पिछले तीन चुनाव में नेक टू नेक फाइट रही : चंदनक्यारी में पिछले तीन चुनावों में नेक टू नेक फाइट रही है. 2009 में उमाकांत रजक ने अमर बाउरी को पटखनी दी थी. उमाकांत को 36,620 वोट मिले थे, जबकि अमर बाउरी को 33,103 वोट मिले थे. 2014 में अमर बाउरी ने उमाकांत को शिकस्त दी थी. इस समय अमर बाउरी को 81,925 वोट मिले थे, जबकि उमाकांत रजक को 47,761 वोट मिले थे. 2019 के चुनाव में अमर कुमार बाउरी को 67,739 वोट मिले थे, जबकि उमाकांत रजक 58,528 वोट लेकर दूसरे नंबर पर रहे.

चंदनकियारी विधानसभा सीट 1967 में अस्तित्व में आया था. इस सीट से पहली बार निर्दलीय एसबी बाउरी ने जीत हासिल की थी. 1972, 1977 और 1985 में कांग्रेस ने सीट जीती थी. जबकि 1990 और 2019 में बीजेपी को और 2000 और 2005 में जेएमएम को जीत मिली. इस सीट से हारू रजवार तीन बार, दुर्गा चरण दास, गौर हरिजन और अमर बाउरी ने दो-दो बार जीत हासिल की.

कमलेश सिंह ने बिगाड़ा हुसैनाबाद सीट का गणित

कमलेश सिंह के भाजपा में शामिल होने के बाद वहां का गणित गड़बड़ा गया है. आजसू के शिवपूजन मेहता यहां से चुनाव लड़ने की जुगत में हैं. कमलेश सिंह के भाजपा में शामिल होने के बाद माना जा रहा है कि भाजपा इस सीट से कमलेश सिंह पर ही दांव खेलेगी. इंडिया ब्लॉक की तरफ से यह सीट राष्ट्रीय जनता दल के खाते में जा सकती है. वहीं एनडीए गठबंधन की तरफ से कौन लड़ेगा चुनाव इसकी तस्वीर साफ नहीं हो रही है. हुसैनाबाद विधानसभा सीट चित्तौड़गढ़ के नाम से भी जाना जाता है.

गोगो दीदी योजना की स्वीकार्यता देख कर हेमंत बौखला गए : बाबूलाल

- अफसरों के जरिये भाजपा कार्यकर्ताओं को कर रहे हैं डराने-धमकाने का प्रयास

प्रमुख संवाददाता।रांची

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि राज्य की महिलाओं के बीच गोगो दीदी योजना की स्वीकार्यता को देखकर सीएम हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन बौखलाहट में हैं. हेमंत सोरेन गोगो दीदी योजना का दुष्प्रचार कर रहे हैं. सरकारी अधिकारियों के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं को डराने धमकाने का प्रयास कर रहे हैं. भाजपा कार्यकर्ता हेमंत की गीदड़भभकी से डरने वाले नहीं हैं. उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि पिछले 5 सालों में जनता के साथ झूठा वादा करने वाले हेमंत को झारखंड की जनता करारा जवाब देगी.

सरकार बनते ही भाजपा पंच प्रण करेगी लागू : भाजपा के पंच प्रण की घोषणा से भी हेमंत सोरेन हताशा में हैं. झारखंड के युवाओं को नौकरी के लिए तरसाने वाले, मौत के मुंह में सुलाने वाले हेमंत अपनी निश्चित हार देख कर बौखला चुके हैं.

झारखंड में भाजपा की सरकार बनते ही अपने पंच प्रण को लागू करेगी, जनता से किए हर वादे को पूरा करेगी. भाजपा की सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में ही गोगो दीदी योजना के तहत झारखंड की हर महिला के बैंक खाते में हर महीने की 11 तारीख को 2,100 रुपए तक की वित्तीय सहायता पर मुहर लगाई जाएगी. भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिससे नवंबर 2025 तक 1.5 लाख भर्तियां पूरी होंगी. वार्षिक परीक्षा कैलेंडर भी जारी जाएगा. प्रत्येक साल एक लाख रोजगार का सृजन किया जाएगा.

दशहरा, दीपावली एवं छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं, बधाई

सुखमनी देवी

पंचायत समिति सदस्य ग्राम पंचायत नरौली, कैरो प्रखंड, लोहरदगा

जन शिकायतों के लिए वाट्स ऐप नंबर जारी

रांची। जन शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए पुलिस मुख्यालय स्तर से एक वाट्सएप नंबर (8809692001) जारी किया गया है. इसके नोडल पदाधिकारी पुलिस मुख्यालय के पीजी शाखा के डीएसपी होंगे. डीएसपी को इस व्हाट्सएप नंबर पर जो भी जन शिकायतें प्राप्त होगी, उसका एक अलग से पंजी बनाने और संबंधित जिला व इकाई को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजने का निर्देश दिया गया है. पुलिस ने राज्य के सभी जिलों में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया था. डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर इस कार्यक्रम की शुरुआत 10 सितंबर से हुई थी. कार्यक्रम में 18 मुख्य मुद्दों पर आम जनता की समस्या सुनी गयी थी.

दशहरा, दीपावली एवं छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं, बधाई

प्रवीण साहू

समाजसेवी

कैरो, लोहरदगा

विस चुनाव 2024 झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा अब तक उतार चुका है 20 प्रत्याशी

जयराम महतो ने जारी की 14 प्रत्याशियों की दूसरी सूची

विशेष संवाददाता।रांची

प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी करते जयराम महतो व अन्य.

जयराम महतो की पार्टी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है. गुरुवार को जारी दूसरी लिस्ट में 14 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा हुई है. मोर्चा के संसदीय बोर्ड की स्वीकृति के बाद प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की गई है. इससे पहले 3 अक्टूबर को जयराम महतो ने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी.

पहली लिस्ट में 6 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया गया था, जिसमें पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो के डुमरी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की घोषणा की गई थी.

पहली लिस्ट के प्रत्याशी

विधानसभा	उम्मीदवार
डुमरी	जयराम महतो
सरायकेला	प्रेम मार्डी
राजमहल	मोतीलाल सरकार
जमुआ	सलीन कुमार दास
तमाड़	दमयंती मुंडा
पोटका	प्रीति राज

दूसरी लिस्ट के प्रत्याशी

विधानसभा	उम्मीदवार
मांडर	गुणा भगत
टुंडी	मोतीलाल महतो
धनवार	राजेश रतन
कोडरमा	मनोज कुमार यादव
बरही	कृष्णा यादव
बरकट्ठा	महेंद्र मंडल
हजारीबाग	उदय मेहता
डाल्टेनगंज	अनिकेत मेहता
गोड्डा	परिमल ठाकुर
गांडेय	अकील अख्तर
धनबाद	सपन कुमार मोदक
खरसावां	पंडू राम हेब्रू
सिंदरी	उषा देवी
बोकारो	सरोज कुमारी

www.lagatar.in रांची, शुक्रवार 11 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 09, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 183 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रतन टाटा के अंतिम दर्शन करने उमड़ा सैलाब, गृह मंत्री से अंबानी तक देने पहुंचे आखिरी विदाई

वर्ली श्मशान घाट में अंतिम संस्कार

पंचतत्व में विलीन हुए रतन टाटा, थम गई मुंबई, आंखें नम, उमड़ा जनसैलाब

आखिरी सफर पर निकला देश का 'अनमोल रतन'

एजेंसियां। मुंबई

दिग्गज कारोबारी रतन टाटा का पार्थिव शरीर गुरुवार की शाम पंचतत्व में विलीन हो गया. मुंबई के वर्ली श्मशान पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया. इससे पहले उनकी पार्थिव देह को अंतिम दर्शनों के लिए नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स हॉल में रखा गया, जहां नामी हस्तियों ने उनके अंतिम दर्शन किए. बता दें कि टाटा संस के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा का 86 साल की उम्र में बुधवार रात को निधन हो गया था.

रतन टाटा के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए मुंबईकरों का जनसैलाब उमड़ पड़ा. हर आंख नम थीं. सभी अपने अनमोल रतन की अच्छाइयों की ही चर्चा कर रहा था. रतन टाटा के अंतिम संस्कार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पीयूष गोयल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कांग्रेस नेता और पूर्व सीएम सुशील कुमार शिंदे सहित अन्य लोग भी मौजूद थे. श्मशान घाट पर मौजूद एक पुजारी ने बताया कि अंतिम संस्कार पारसी परंपरा के अनुसार किया गया. उन्होंने बताया कि अंतिम संस्कार के बाद दक्षिण मुंबई के कोलाबा में दिवंगत उद्योगपति के बंगले में तीन दिनों तक अनुष्ठान किए जाएंगे.

टाटा सन्स के अध्यक्ष ने दोहराया संकल्प

टाटा संस के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन ने एक बयान में कहा कि हम रतन को दुख के साथ विदाई दे रहे हैं, जो असाधारण थे, जिनके योगदान ने न केवल टाटा को बल्कि राष्ट्र के ताने-बाने को आकार दिया. हमारे लिए टाटा अध्यक्ष से कहीं बढ कर थे. वह गुरु, मार्गदर्शक व मित्र थे.उत्कृष्टता, अखंडता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता के साथ उनके नेतृत्व में समूह ने अपने नैतिक मानदंडों पर हमेशा सच्चे रहते हुए वैश्विक पदचिह्न का विस्तार किया. शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक, उन्होंने गहरी छाप छोड़ी,जिसका लाभ आने वाली पीढ़ियों को मिलेगा. पूरे टाटा परिवार की ओर से मैं उनके प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं. उनकी विरासत हमें प्रेरित करती रहेगी, क्योंकि हम उनके सिद्धांतों को बनाए रखने का हम सब हमेशा प्रयास करते रहेंगे.

अब कौन संभालेगा टाटा समूह

रतन टाटा के निधन के बाद अब चर्चा यह है कि उनकी विरासत कौन संभालेगा. रतन टाटा ने अपना वारिस नहीं बनाया. ऐसे में ट्रस्ट के ट्रस्टियों में से ही अध्यक्ष चुना जाएगा. समूह के दो मुख्य मुख्य ट्रस्ट हैं- सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट. दोनों की संयुक्त रूप से मूल कंपनी टाटा संस में करीब 52% हिस्सेदारी है. टाटा संस समूह की कंपनियों का संचालन करता है. दोनों ट्रस्टों में 13 ट्रस्टी हैं. इनमें से कई लोग दोनों में हैं. इनमें पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह, वेणु श्रीनिवासन, रतन टाटा के सौतेले भाई और ट्रेंट के चेयरमैन नोएल टाटा, व्यवसाई मेहली मिस्त्री और डेरियस खंबाटा के नाम हैं. ट्रस्ट के प्रमुख का चुनाव ट्रस्टियों में से बहुमत से होता है. विजय सिंह और वेणु श्रीनिवास इन दोनों ट्रस्टों के उपाध्यक्ष हैं. लेकिन दोनों के प्रमुख चुने जाने की संभावना कम है. जिस व्यक्ति को टाटा ट्रस्ट का प्रमुख बनाए जाने की अधिक संभावना है, वो हैं 67 साल के नोएल टाटा. नोएल की नियुक्ति से पारसी भी खुश होंगे. रतन टाटा पारसी थे. यह भी तय होगा कि एक पारसी ही इस समूह को संभाले. सच यह है कि सिर्फ पारसियों ने ही ट्रस्ट की कमान संभाली है. टाटा का कार्यकाल पूरा होने के बाद माना जाता था कि नोएल चेयरमैन बनेंगे. लेकिन साइरस मिस्त्री को बैठाया गया. साइरस के निकाले जाने के बाद कमान टीसीएस के सीईओ एन चंद्रशेखरन ने संभाली. नोएल और रतन टाटा कभी एक साथ नजर नहीं आए. हालांकि रतन टाटा के अंतिम दिनों में नोएल से उनके रिश्ते काफी मधुर हो गए थे.

छुट्टी की सूचना

दुर्गापूजा एवं विजयादशमी के उपलक्ष्य में शुभम संदेश का कार्यालय 11-12 अक्टूबर (शुक्रवार और शनिवार) को बंद रहेगा. अतः झारखंड, देश और दुनिया की खबरें जानने के लिए लगातार.इन पर लॉग इन करें. अखबार का अगला अंक 14 अक्टूबर (सोमवार) को आपके हाथों आएगा. शुभम संदेश परिवार की तरफ से सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं और शुभेच्छुओं को दुर्गापूजा और विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं. - **संपादक**

सर्राफा

सोना (बिक्री)	70,500
चांदी (किलो)	92,000

ब्रीफ खबरें

दिल्ली में विधायक निधि बढ़ाकर 15 करोड़ रुपए

नयी दिल्ली। दिल्ली कैबिनेट ने गुरुवार को विधायक फंड की राशि 10 करोड़ से बढ़ाकर 15 करोड़ रुपए करने का फैसला किया है. अब दिल्ली में हर विधायक को विकास कार्यों के लिए सालाना 15 करोड़ मिलेंगे, जो देश के बाकी राज्यों से कई गुना ज्यादा है. कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए सीएम आतिशी ने कहा कि विधायक फंड लोकतंत्र में महत्वपूर्ण होता है. इससे विधायक अपने क्षेत्र में छोटे-बड़े विकास कार्य करवा सकते हैं.

राफेल नडाल ने टेनिस को कहा- अलविदा

वारसा। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने गुरुवार को टेनिस से संन्यास लेने का एलान कर दिया. नडाल के नाम पुरुष एकल वर्ग में 22 ग्रैंडस्लैम खिताब हैं. उनसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम सिर्फ सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने जीते हैं.

-खेल पेज भी देखें

हिज्ब-उत-तहरीर पर केंद्र ने लगाया प्रतिबंध

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने 1953 में इस्लामी कट्टरपंथी समूह हिज्ब-उत-तहरीर को प्रतिबंधित संगठन घोषित किया है. साथ ही सरकार ने कहा है कि इस कट्टरपंथी समूह का उद्देश्य इस्लामिक राज्य की स्थापना करना है.एक अधिसूचना में, गृह मंत्रालय ने कहा कि एचयूटी भोले-भाले युवाओं को आतंकी संगठनों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ आतंकी गतिविधियों के लिए धन जुटाने में शामिल है.

सीएम हेमंत सोरेन ने फिर मांगा राज्य का बकाया 1 लाख 36 करोड़ रुपया, कहा

भीख नहीं हक मांग रहे

कौशल आनंद। रांची

सीएम हेमंत सोरेन ने फिर बकाया को लेकर झारखंड के भाजपा नेताओं पर बड़ा हमला बोला है. उन्होंने गुरुवार को अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट किया है. कहा कि क्या आपने कभी सोचा है कि किसी भाजपा नेता ने राज्यवासियों का बकाया 1 लाख 36 हज़ार करोड़ रुपया क्यों नहीं मांगा? झारखंड ने पिछले तीन लोकसभा चुनावों में 12/14, 12/14, 9/14 सांसद भाजपा को जिताए. फिर भी उन्होंने हम झारखंडियों का हक क्यों नहीं मांगा? मुझे एक बोगस मामले में जेल में डाला गया. क्योंकि वे मुझे चुप कराना चाहते हैं. वे चाहते हैं कि मैं अपना हक मांगना छोड़ दूं.मुझे वापस जेल में डाल दें, तब भी मैं मरते दम तक संघर्ष करूंगा और हक़ मांगूगा.

सोरेन ने कहा कि आज झारखंड में उन्होंने केंद्र से लेकर राज्य तक अपनी पूरी शक्ति लगा रखी है, ताकि किसी तरह मुझे रास्ते से हटा सकें और फिर झारखंडियों का हक मार लें. हम न भीख मांग रहे, न किसी अन्य राज्य की तरह विशेष पैकेज. हम तो सिर्फ अपना हक़ मांग रहे हैं. हेमंत आगे कहते हैं कि इसलिए आज मुझे अपने वीर झारखंडियों का साथ चाहिए. अगर आप आज अपना हक नहीं मांगेंगे, तो हमारे पैसों से दूसरे राज्यों को विशेष पैकेज मिलेगा और आप खाली हाथ रह जाएंगे. आज आवाज उठाइए. अपने अधिकारों के लिए खड़े होइए. झारखंड का भविष्य आपके हाथों में है.

- तीन लोकसभा चुनाव में भाजपा के 12-12 सांसद तक जीते, मगर क्यों नही दिलवा सके झारखंडियों का बकाया
- जेल में डालकर मुझे चुप कराना चाहते हैं, मगर हम मरते दम तक संघर्ष करते रहेंगे, हमें झारखंडियों का सहयोग चाहिए
- मेरे झारखंडियों अपने अधिकारों के लिए खड़े हो जाइए, झारखंड का भविष्य आपके हाथों में है

शुभम संदेश की खबर को हेमंत ने पोस्ट कर साधा केंद्र पर निशाना

दुर्गापूजा की खुशी पर भारी पड़ी महंगाई : रिजर्व बैंक ने नहीं किया रेपो रेट में कोई बदलाव
दाल-आटे में लगी आग, होम लोन ईएमआई में कमी नहीं
हर तरह के वाहनों की बिक्री में बड़ी गिरावट
सभी श्रेणियों में गिरावट

इधर हेमंत सोरेन ने शुभम संदेश में छपी खबर '**आटे-दाल में लगी आग, होम लोन ईएमआई में कमी नहीं**' को एक्स हैंडल पर पोस्ट करके कहा कि पिछले कुछ वर्षों में केंद्र की नीतियों ने देश के आम नागरिकों को गहरे संकट में डाल दिया है. आम आदमी की कमर टूट गई है, जबकि कुछ चुनिंदा उद्योगपतियों को करोड़ों की रियायतें मिल रही हैं. महंगाई आसमान छू रही है, रोजगार के अवसर की मांग बढ़ रही है, पर छोटे उद्यमियों को कर्ज नहीं मिल रहा. सरकारी संपत्तियों का कौड़ियों के भाव बेचा जाना चिंताजनक है.

सीएम का केंद्र सरकार को सुझाव

- **आर्थिक नीतियों में सुधार कर छोटे व्यवसाय, छोटे दुकानदारों को सहयोग करें (सिर्फ़ बड़े उद्योगपतियों के बड़े रिटेल चेन को नहीं) , किसानों की एमएसपी समेत अन्य मांगों पर ध्यान दें.**
- शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीबी उन्मूलन में निवेश बढ़ाना. ख़ास कर के शिक्षा में बजट कटौती की जगह और ज़्यादा इन्वेस्टमेंट की जरूरत है. स्वास्थ्य में अबुआ स्वास्थ्य जैसे क्रांतिकारी फैसले लेने की जरूरत है.
- **संतुलित विकास - पर्यावरण और ग्रामीण-शहरी समानता. जंगल बचेगा, तो बचेंगे वरना भीषण गर्मी, बरसात, पर्यावरण नुकसान हमें नेस्तानाबूत कर देंगे. हसदेव जैसे जंगल को कटने से बचाना था.**
- आदिवासी- दलितों - पिछड़ों पर अन्याय बंद कर उन्हें मुख्यधारा में जोड़ने के लिए खुले दिल से नीतियां बनाने की जरूरत है, ताकि वे देश को और आगे ले कर जा सकें.

बढ़ी रार : हरियाणा की हार पर कांग्रेस में मंथन

राहुल ने हुड्डा को सुनाई खरी-खरी

जांच के लिए पार्टी बनाएगी फैक्ट फाइंडिंग कमेटी

एजेंसियां। नयी दिल्ली

हरियाणा की अप्रत्याशित हार को लेकर कांग्रेस अब तक पचा नहीं सकी है. यही नहीं इसे लेकर शीर्ष स्तर पर मंथन चल रहा है और आनेवाले समय में यदि कुछ नेताओं के खिलाफ ऐक्शन हो जाए, तो कोई हैरानी वाली बात नहीं होगी. सूत्रों के अनुसार गुरुवार को इस संबंध में दिल्ली में एक बैठक भी की गई. इस मीटिंग में कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे भी मौजूद थे. बैठक में भूपिंदर सिंह हुड्डा भी आए थे. उनके सामने ही राहुल गांधी ने कहा, कुछ लोगों ने पार्टी की जगह निजी हितों को ज्यादा प्राथमिकता दी. यही नहीं हार के कारणों की पड़ताल के लिए कांग्रेस ने फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के गठन का फैसला लिया है. माना जा रहा है कि राहुल गांधी की यह बात भूपिंदर सिंह हुड्डा को संदेश देने के लिए ही थी. खास बात यह है कि इस बैठक में भूपिंदर सिंह हुड्डा को तो हरियाणा से बुलाया गया, लेकिन कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला नहीं थे. इससे साफ था कि राहुल गांधी सीधे हुड्डा को ही संदेश देना चाहते थे. इसी के चलते उन्होंने सैलजा और सुरजेवाला को बैठक में नहीं बुलाया. राहुल गांधी ने कहा कि पार्टी जगह निजी हितों को ज्यादा प्राथमिकता दी गई. प्रदेश अध्यक्ष उदयभान भी इस दौरान मौजूद थे. पार्टी सूत्रों ने कहा कि राहुल गांधी इस बात से बहुत नाराज हैं कि आखिर कैसे कांग्रेस ने जीती जिताई बाजी को हरा दिया. राहुल गांधी के इस रवैए से माना जा रहा है कि आनेवाले दिनों में भूपिंदर सिंह हुड्डा जैसे बड़े नेताओं पर ही ऐक्शन हो सकता है. इसकी वजह यह है कि भूपिंदर सिंह हुड्डा अकेले ही पूरी कमान संभाले हुए थे. कुमारी सैलजा से उनके मतभेद साफ थे और मंच शेयर तक करने के लिए दोनों तैयार नहीं थे. दरअसल चर्चा तेज है कि हुड्डा ने कमलनाथ की तरह ही काम किया, जैसे मध्य प्रदेश में वही अकेले कमान संभाले हुए थे. उसी तरह हुड्डा ने भी किसी अन्य को मौका नहीं दिया और गुटबाजी साफ दिख रही थी. हार की यह भी एक वजह है. आनेवाले दिनों में इसके चलते भूपिंदर सिंह हुड्डा के खिलाफ कुछ ऐक्शन भी हो सकता है.

बैठक में शामिल हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता और हरियाणा चुनाव के लिए पार्टी पर्यवेक्षक अजय माकन ने कहा कि एग्जिट पोल और एग्जेक्ट रिजल्ट बिल्कुल उलट हैं, जिसकी समीक्षा होगी.

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की भूमिका पर पार्टी के अंदर ही मतभेद है, इस पर भी मंथन हुआ. माकन ने कहा, हरियाणा के नतीजे अप्रत्याशित हैं. चुनाव के एग्जिट पोल और रिजल्ट में जमीन-आसमान का अंतर है. हमने चुनाव परिणाम से जुड़ी अलग-अलग वजहों की चर्चा की है. चुनाव आयोग से लेकर आपसी मतभेद पर भी बात हुई, जिसके ऊपर हम आगे और कार्रवाई करेंगे. बैठक में खरगे और राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत, कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन जैसे वरिष्ठ नेता मौजूद रहे. प्रभारी दीपक बाबरिया बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े.

मल्लिकार्जुन खरगे के घर पर हुई बैठक में बोले राहुल- चुनावों में निजी हित को ऊपर रखा गया

राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कुमारी शैलजा का फाइल फोटो.

सब शरीक-ए-जुर्म हैं...

झारखंड विधानसभा में नियुक्ति घोटाले जी जांच अब सीबीआई करेगी. यह आदेश हाईकोर्ट ने दिया है. यह आदेश एक जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद आया है. लेकिन जांच रुकवाने के प्रयास शुरू हो गये हैं. खबर है कि झाखंड विधानसभा ने हाईकोर्ट के आदेश के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. इस मामले में राज्य सरकार भी प्रतिवादी है. लेकिन उसकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं है. अलबत्ता विधानसभा का मानना है कि नियुक्ति घोटाले की सीबीआई जांच की जरूरत नहीं है. इस मामले में दो आयोग बनाये गये थे. आयोग की रिपोर्ट के आलोक में कार्रवाई चल ही रही है. यह भी कि हाईकोर्ट का आदेश विधायिका के विशेषाधिकार का उल्लंघन जैसा है. सवाल यह है कि विधानसभा ने अवैध नियुक्तियों की जांच के लिए बने आयोगों की रिपोर्ट पर कृत कार्रवाई से न्यायालय को अवगत क्यों नहीं कराया ? यह भी कि उसने यह क्यों नहीं बताया कि कार्रवाई कब तक हो जाएगी ? वैसे भी हमारी विधानसभाएं निर्णय लेने में लेट-लतीफी का रिकॉर्ड बनाती रही हैं. जहां तक विधानसभा प्राधिकार के विशेषाधिकार की बात है यह मामला अधिकार क्षेत्र का नहीं है. यह भ्रष्टाचार का मामला है और भ्रष्टाचार की जांच रोकने के लिए कोई भी प्राधिकार अपने विशेषाधिकार की आड़ नहीं ले सकता है. हाईकोर्ट को अब भी लग रहा है कि उसके आदेश के अनुपालन में राज्य सरकार और विधानसभा अड़ंगा लगा सकती है. इसलिए उसने सीबीआई से कहा है कि यदि प्रतिवादी सहयोग न करें तो शिकायत लेकर मेरे पास आइए.

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

दुष्यंत कुमार ने लिखा है इस सिरे से उस सिरे तक सब शरीक-ए-जुर्म हैं, कुछ जमानत पर रिहा हैं, कुछ अदालत से फरार. इस प्रकरण में भी यही हुआ है. सभी विधानसभाएं और राज्य सरकारें इस घोटाले से अवगत होते हुए भी कार्रवाई न करने के बहाने ढूंढ़ती रही हैं. ऐसा नहीं है कि इस घोटाले की भनक सरकार और विधायकों को देर से लगी. विधानसभा में नियुक्ति घोटाला मीडिया की सुर्खियां रहा है. सूचनाधिकार कार्यकर्ताओं ने भी इसे उठाया था. सूचना आयोग में भी इस मामले में सुनवाई हुई थी. भारी दबाव के बाद इस मामले की जांच के लिए आयोग बना भी, तो उसे सहयोग नहीं मिला. उसका कार्यकाल भी बढ़ाया गया. वर्ष 2018 में रिपोर्ट आई और कार्रवाई की अनुशंसा की गई, तो रिपोर्ट की फाइल दाखिल दफ्तर कर दी गयी. दरअसल आयोग बनाये ही जाते हैं किसी मामले को अटकाने, भटकाने और लटकाने के लिए. आयोगों के पास कानूनी अधिकार नहीं होते हैं. उनका दायित्व केवल रिपोर्ट देना भर होता है. कार्रवाई तो उस प्राधिकार को करनी होती है जो आयोग गठित करता है. इस मामले में पहले आयोग (जस्टिस लोकनाथ प्रसाद) को तो विधानसभा के अधिकारियों ने ही इतना तंग किया कि उन्होंने इस्तीफा दे दिया. फिर हाईकोर्ट में जनहित याचिका के कारण दूसरे आयोग की रिपार्ट में त्रुटियां निकाल कर नया आयोग बना दिया गया और उसने किसी तरह की कार्रवाई नहीं करने की अनुशंसा कर दी. इस आयोग का गठन महाधिवक्ता के परामर्श पर किया गया था. समझदार को इशारा ही काफी होता है. इसमें भी घोटाला हुआ. दूसरे आयोग (जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद) ने अपनी रिपोर्ट के साथ कुछ एनेक्सचर भी लगाये थे. वे एनेक्सचर तीसरे आयोग (जस्टिस एजे मुखोपाध्याय) को दिये ही नहीं गये. इसकी भी पोल हाईकोर्ट में खुल गई है. बार-बार नोटिस दिये जाने के बावजूद दोनों आयोगों की रिपोर्ट हाईकोर्ट में तब दाखिल की गयी जब कोर्ट को चेतावनी देनी पड़ी.

इस कलंक कथा का श्रीगणेश नैतिकता के उदधि विधानसभा के पहले अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी ने किया. वह ऐसे महानुभाव हैं जो सौ-दो सौ ग्राम नैतिकता अपनी जेब में लिए चलते हैं और उसे यत्र-तत्र-सर्वत्र ऐसे छिड़कते चलते हैं जैसे किसी जलसे में गुलाब जल छिड़का जाता है. सुभाषित तो उनके कंठ से अनवरत फूटते रहते हैं. वह खांडवप्रस्थ को इंद्रप्रस्थ बनाने की संकल्पनावाले गिरोह के नाहर थे. उन्होंने किया क्या ? उन्होंने 214 लोगों को बहाल कर दिया, निहायत अपारदर्शी तरीके से.

- शेष पेज 11 पर

साहित्य का नोबेल पुरस्कार द. कोरिया की हेन कांग को

एजेंसी। जेनेवा

दक्षिण कोरियाई लेखिका हेन कांग को 2024 के साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया. उनके गहन काव्यात्मक गद्य के लिए उनको यह पुरस्कार मिला है.

उनकी किताबों में 'द वेजिटेरियन, द व्हाइट बुक, ह्यूमन एक्ट्स और ग्रीक लेसन्स शामिल हैं. नोबेल पुरस्कार से सम्मानित हेन कांग का जन्म 1970 में दक्षिण कोरियाई शहर ग्वांगजू में हुआ था. 9 साल की उम्र में वह अपने परिवार के साथ सियोल चले गए थे. वह एक साहित्यिक पृष्ठभूमि से आती हैं और उनके पिता एक प्रतिष्ठित उपन्यासकार हैं.

अपने लेखन के साथ-साथ, उन्होंने खुद को कला और संगीत के लिए भी समर्पित कर दिया है. नोबेल पुरस्कार विजेता हेन कांग की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल उपन्यास ''द वेजिटेरियन'' 2015 में आई. तीन भागों में लिखी गई यह पुस्तक उन हिंसक परिणामों को चित्रित करती है.

1993 में हेन कांग ने 'मुनक गवा साहो' साहित्य और समाज के शीतकालीन अंक में 'विंटर इन सियोल' सहित पांच कविताएं प्रकाशित करके एक कवि के रूप में अपनी साहित्यिक शुरुआत की थी. उन्होंने अगले वर्ष जीत हासिल करके एक उपन्यासकार के रूप में अपना करियर शुरू किया. 1995 में अपना पहला लघु कहानी संग्रह येओसु (मुन्जी पब्लिशिंग कंपनी) शीर्षक से प्रकाशित किया. आर्ट्स काउंसिल कोरिया के समर्थन से 1998 में तीन महीने के लिए आयोवा विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय लेखन कार्यक्रम में भाग लिया था.

दुर्गापूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

राजकुमार/मनोज। निरसा

शारदीय नवरात्र की गुरुवार को निरसा क्षेत्र के सभी दुर्गापूजा पंडालों मे ढोल-नगाड़े के साथ पूजा हुई. श्रद्धालुओं की सुबह से पूजा व पुष्पांजलि के लिए भीड़ लगी रही. राजा कोलियरी में भव्य पंडाल बनाया गया है. मेला भी लगाया गया है, जहां सभी जमकर खरीदारी कर रहे हैं.वहीं निरसा बाजार दुर्गा व काली मंदिर, खुदिया सेंट्रल पुल साईडिंग, चापापुर कोलियरी, लखीमाता कोलियरी मे भव्य पंडाल बनाया गया है. साथ ही पोद्दारडीह में भी भव्य पंडाल बनाया गया है. मैथन क्षेत्र के एरिया 6, एरिया 4 व एरिया 3 में भव्य पंडाल बनाया गया है जो श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है. एयारकुंड में सप्ताहव्यापी मेला का आयोजन किया गया है. पंडालों में भक्ति संगीत एवं भजन बजने से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया. बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है.

गोविंदपुर पंडाल में कर्ण-अुर्जन के बीच युद्ध का दृश्य

महाभारत युद्ध की पर बना गोविंदपुर ऊपर बाजार पंडाल गोविंदपुर, (फोटो)। श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति ऊपर बाजार इस वर्ष 115 वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है# समिति जिले के सर्वोत्तम पंडाल का खिताब भी हासिल कर चुकी है. हर बार यह जिलास्तरीय पंडालों की होड़ में बनी रहती है. इस बार भी अपनी भव्यता के कारण यह पंडाल चर्चे में है. इस बार की थीम महाभारत के कर्ण एवं अर्जुन युद्ध पर आधारित है. पंडाल के प्रवेशद्वार पर ही रथ पर सवार दोनों योद्धा युद्ध के लिए आमने-सामने तैयार मिल जाएंगे. भगवान श्री कृष्ण का अर्जुन के सारथी के रूप में दर्शन किया जा सकता है1 सीप और चटाई से बना यह पंडाल इतना आकर्षक और भव्य है. मुख्य पुजारी आशीष मुखर्जी की देखरेख में ऊपर बाजार की पूजा विशुद्ध वैष्णवी है. यहां लगने वाले मेला का अलग ही आकर्षक है. मेला में बच्चों के लिए खेल-तमाशे से लेकर गृहिणियों के लिए घरेलू सामान भी मिल जाते हैं. नवमी को यहां 108 कन्याओं का पूजन किया जाता है. नवमी एवं दशमी को प्रसाद के रूप में खिचड़ी का वितरण किया जाता है. आकर्षक विद्युत सज्जा अलग ही रंग बिखेर रहा है. वॉलिंटियर्स की सक्रियता से यहां छेड़छाड़ की शिकायतें कभी नहीं मिली हैं. पूजा समिति एवं वॉलिंटियर्स की का उत्साह ही इसे अव्वल बनता है.

आदिमानव की विकास यात्रा : गोविंदपुर पंडाल के बाहर आदिमानव की विकास यात्रा को मूर्तिकारों ने जिस तरह दर्शाया है, उसे श्रद्धालु खूब पसंद कर रहे हैं. आदिमानव किस तरह जंगली जानवरों का शिकार करते थे और फिर जश्न मानते थे, किस तरह लकड़ियों को रगड़कर आग उत्पन्न करते थे, किस तरह कुटीर उद्योग चलाते थे, किस तरह हल चलाते थे, किस तरह वृक्षों से फल तोड़ते थे आदि दृश्य लोगों को रोमांचित करते हैं. अपने पूर्वजों के संघर्ष को देखकर लोग कल्पनालोक में खो जाते हैं. मिट्टी से बनी ये सारी मूर्तियां विद्युत चालित हैं.

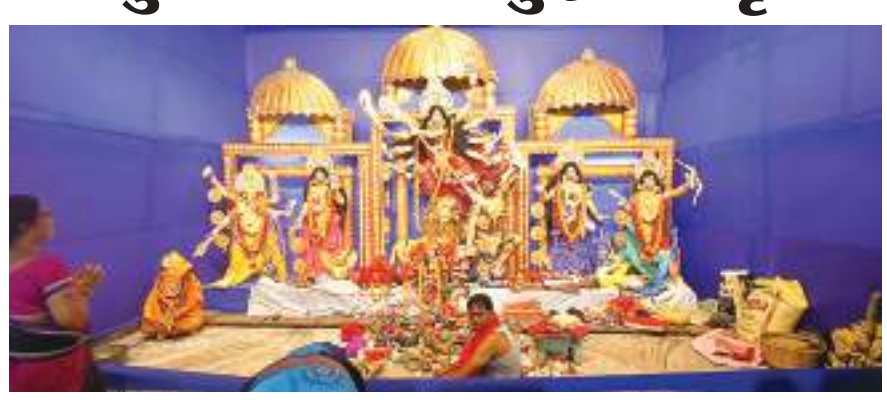

शक्ति मंदिर में 1 लाख श्रद्धालुओं ने माथा टेका

मां के जयकारे से शहर गुंजायमान, अहले सुबह से भक्तों की कतार

धनबाद । शारदीय नवरात्र के महाअष्टमी को माता के दर्शन और पुष्पांजलि को लेकर जोड़ाफाटक स्थित शक्ति मंदिर में गुरुवार को एक लाख श्रद्धालुओं ने माथा टेका. श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रबंधन कमिटी, मंदिर कमिटी व सेवादार कमिटियों द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे. रात्रि 2 बजे से ही जोड़ाफाटक रोड जय माता दी के जयकारे से गुंजायमान हो गया. मंदिर के समीप भक्तों की लंबी कतार लगी. सुबह पांच बजे मंदिर का पट खुलते ही श्रद्धालुओं ने धैर्य के साथ मंदिर में प्रवेश कर माता का दर्शन किए. माता के दरबार में हाजिरी देकर सुखमय जीवन की कामना की. श्री श्री भगवती जागरण कमिटी द्वारा सभी श्रद्धालुओं को खीर का भोग वितरण किया जा रहा था. महाअष्टमी के मौके पर श्री श्री भगवती जागरण कमिटी धनबाद के द्वारा पूरे विधि विधान से कन्या पूजन भी किया गया.जिसमें यजमान रूप किशोर टंडन, उनकी धर्मपत्नी ,उपाध्यक्ष राजीव सचीदेव, कोषाध्यक्ष बिपिन अरोड़ा ,संयुक्त सचिव सुरेंद्र अरोड़ा, राहुल भंडारी, दिनेश पूरी, रवि गंडोत्रा,ब्रजेश मिश्रा, गौरव अरोड़ा ,करनव बाली आदि उपस्थित थे. कमिटी के संयुक्त सचिव सुरेंद्र अरोड़ा ने बताया कि मंदिर के स्थापना के समय से ही अष्टमी के दिन कन्या पूजन की जाती है.क्योंकि नवरात्रि में कन्या पूजन का विशेष महत्व होता है. जिसमें नौ कन्याओं को नौ देवियों के रूप में एक बालक को भैरव के रूप में पूजा जाता है. इससे माता रानी प्रसन्न होती है और सुख-समृद्धि, धन-संपदा का आशीर्वाद देती है. कन्या पूजन करने से परिवार के सभी सदस्यों के बीच प्रेम भाव बना रहता है और सभी सदस्यों की तरक्की होती है. उन्होंने कहा जिस प्रकार मां की पूजा भैरव के बिना पूर्ण नहीं होती, उसी तरह कन्या-पूजन के समय एक बालक को भी भोजन कराना बहुत जरूरी होता है. इस दौरान सुरेंद्र अरोड़ा ने श्रद्धालुओं से मंदिर प्रांगण में जेवरात और अधिक पैसे ना लेकर आने की अपील की.

नवरात्रि में शक्ति मंदिर में आरती का समय इस प्रकार है.
मंगल आरती प्रातः 05:15 बजे
प्रातः कालीन आरती- 07 बजे
विश्राम आरती - 11 बजे
संध्या आरती - 06 बजे
शयन आरती रात्रि - 08 बजे

पूजा पंडालों में पहुंचीं रागिनी सिंह

नवरात्रि के शुभ अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह ने झरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ऐना भगतडीह, बर्फ कॉल चंडी मंदिर, काली मंदिर गोल्डन पहाड़ी, साउथ तीसरा गोल्डन पहाड़ी, गोलकडीह मोड, जयरामपुर कोलियरी दुर्गा मंदिर, बागड़ीगी कोलियरी लोदना मोड स्थित दुर्गा मंडप में मां दुर्गा के दर्शन एवं पूजा अर्चना कर परिवार समेत समस्त कोयलांचल वासियों के लिए आशीर्वाद मांगा.

विधायक ने किया ए ब्लॉक पूजा पंडाल का उद्घाटन

भूली। भूली ए ब्लॉक दुर्गा पूजा पंडाल का धनबाद विधायक राज सिन्हा ने विधिवत उद्घाटन फीता काटकर किया. ए ब्लॉक पूजा कमिटी के पूर्व पदाधिकारी को श्रद्धांजलि सभा दिया गया. पूजा के दौरान विधायक राज सिंह पूरे विधानसभा क्षेत्र में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की. इससे पूर्व पूजा कमेटी द्वारा विधायक सुखराम उरांव समेत अन्य अतिथियों को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया. मौके पर अध्यक्ष अजीत सिन्हा, उपाध्यक्ष आकाश वाल्मीकि, रिक्की श्रीवास्तव, सचिव मोनू पांडेय, उपसचिव पंकज सिंह, रोशन कुमार, सुजीत सिन्हा, धर्मवीर सिंह, कोषाध्यक्ष रविशंकर तिवारी, उप कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार एवं रोहन श्रीवास्तव, अंकेक्षक सत्येंद्र श्रीवास्तव उर्फ नानका भैया, मंडप एवं पूजा प्रभारी अमर मित्रा एवं बिल्टू बनर्जी, मीडिया प्रभारी सौरभ पांडेय, दिनेश झा, अंबर कलश तिवारी, विजय सिन्हा, विश्वजीत सिन्हा, संयोजक कैलाश गुप्ता, मुख्य संरक्षक संकट मोचन पांडेय, सतीश सिंह (श्याम नगर) एवं दिलीप झा, वरिष्ठ संरक्षक गजेंद्र प्रताप सिंह एसएन सिंह, वशिष्ठ पांडेय, मुन्ना पांडेय, ललन पांडेय अंजनी ओझा, शत्रुधन ओझा, राजबली तिवारी, अजय श्रीवास्तव, रमेश सिंह, सतीश सिंह, सीता साव (श्याम नगर), मेला कमेटी धनजी यादव उर्फ सेठ आदि मौजूद थे.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | धनबाद, शुक्रवार 11 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 09, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 183 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

अंतिम विदा भारत के रतन

यातायात व्यवस्था में हांफी पुलिस, शहर में जाम ही जाम

अब रणनीति बदल रही पुलिस, जाम से निजात को कवायद

संवाददाता। धनबाद

दुर्गा पूजा के दौरान धनबाद पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती यातायात व्यवस्था को सुचारू रखना है. इस चुनौती को पार पाने में धनबाद पुलिस भीड़भाड़ के पहले ही दिन हांफ गई. पूरे शहर में जाम का नजारा रहा. खासकर एलसी रोड से लेकर सरायढेला तक वाहनों की रफ्तार काफी धीमी रही. बावजूद इसके खुद सिटी एसपी और यातायात डीएसपी ने यातायात पर मोर्चा संभाल रखा था. सप्तमी को जाम और उसके कारणों की बारीकी से पड़ताल करने के बाद यातायात में कई आवश्यक सुधार किए गए हैं. साथ ही जवानों को भी कई दिशा-निर्देश दिए गए हैं.

डीएसपी ने दिए जवानों को विशेष निर्देश

दुर्गा पूजा के दौरान जिले में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए धनबाद पुलिस ने विशेष तैयारी की है. जिले में ट्रैफिक कंट्रोल करने के लिए जिला पुलिस बल, जैप व ट्रैफिक के करीब ढाई सौ से ज्यादा जवानों व पदाधिकारियों की तैनाती विभिन्न ड्राप गेट एवं प्रमुख स्थलों पर की गई है. पूजा के दौरान धनबाद में यातायात व्यवस्था को बेहतर व सुगम बनाने के उद्देश्य से आज ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह द्वारा सभी जवानों को ब्रीफ किया गया. ब्रीफिंग के दौरान जवानों को विशेष दिशानिर्देश दिए गए. इसके अनुपालन के तहत यातायात नियमों का सख्ती से पालन करते हुए निर्धारित रूट एवं सभी ड्राप गेट पर यातायात को निर्बाध सुचारु रखने का निर्देश दिया गया.

पुलिस सक्रिय, फिर भी कट रही है जेब

धनबाद : धनबाद में दुर्गा पूजा के दौरान भीड़भाड़ का फायदा उठाने के लिए चोरों की जमात भी सक्रिय हो गई है. इनमें महिला चोरों का भी गिरोह शामिल है. जो भीड़भाड़ का फायदा उठाकर महिलाओं के पर्स, जेवर और मोबाइल आदि की चोरी कर रहा है. शक्ति मंदिर में ही चार महिलाओं के साथ वारदात हो गई. दो महिलाओं के पर्स गायब हो गए, जबकि दो महिलाओं के मोबाइल गायब होने की बात कही जा रही है.

- मोबाइल, जेवरात, पर्स उड़ाने में महिला गिरोह भी सक्रिय

ऐसे में पुलिस व पूजा समिति की तरफ से अपील की जा रही है कि भीड़-भाड़ में संदिग्ध गतिविधि वाली महिलाओं पर नजर पड़ते ही पुलिस को खबर दी जाए. मेले में कीमती जेवरात पहन कर न घूमें. इसके अलावा मोबाइल व अन्य कीमती सामानों की स्वयं हिफाजत करें और सावधानी पूर्वक मेले में घूमें.

ब्रीफ खबरें

पदुगोड़ा पंचायत में स्वच्छता अभियान

महुदा : दशहरा के पावन अवसर पर पदुगोड़ा पंचायत अन्तर्गत महुदा बजार में मुखिया महेश कुमार पटवारी द्वारा अपने निजी मद से मजदूरी देकर स्वच्छता अभियान चलाया गया. इस अवसर पर मुख्य सड़क के किनारे गन्दगी के अंबार की साफ सफाई की गई. सड़क को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाया ताकि दुर्गा मन्दिर में पूजा के लिए जाने वाले भक्तों को किसी भी तरह परेशानी का सामना नहीं करना पड़े. मुखिया के इस नेक कार्य का लोग प्रशंसा कर रहे हैं. मौके पर रिता पटवारी, नमन कुमार पटवारी, दिनेश कुमार पटवारी, संजय कुमार दास, तुलसी दास, भोला दास आदि सहयोग कर रहे थे.

अवैध शराब के साथ दो गिरफ्तार

तोपचांची : बुधवार की रात तोपचांची पुलिस ने गोमो-तोपचांची मार्ग से अवैध शराब की बड़ी खेप पकड़ी है. पुलिस ने 36 बॉटल बीयर और 48 बॉटल अंग्रेजी शराब जप्त की और दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है. मामला तोपचांची थाना कांड संख्या 127/24 में दर्ज किया गया है और दोनों अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है. भेज गए दोनों अभियुक्तों में मनोज कुमार दास और भोला दास है. पुलिस ने बताया कि यह अवैध शराब की खेप क्षेत्र में अवैध रूप से बेचने के लिए लाई गई थी.

वैज्ञानिक मुकेश दसौंधी को ग्रामीणों ने किया सम्मानित

गोविंदपुर । किस्टोपुर दुर्गा मंदिर परिसर में गुरुवार को एक समारोह आयोजित कर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर से पीएचडी की डिग्री प्राप्त करने वाले वैज्ञानिक मुकेश दसौंधी को सम्मानित किया गया. प्राइवेट शिक्षक अश्विनी दसौंधी के पुत्र मुकेश अभी इजराइल में वैज्ञानिक हैं. ग्रामीणों ने कहा कि मुकेश ने गांव का नाम रोशन किया है और पूरे क्षेत्र का पहला वैज्ञानिक एवं पीएचडी डिग्रीधारी है. मौके पर पूर्व प्रधानाध्यापक नवल किशोर सिंह चौधरी, मथन चंद्र दसौंधी, सुभाष चंद्र दसौंधी, समरेश चौधरी, विमल दसोंधी, खगेन चौधरीआदि मौजूद थे.

झारखंड की 70 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी जेएलकेएम : जयराम महतो

सिंदरी प्रत्याशी की घोषणा के साथ ही विरोध शुरू, संगठन सचिव ने कहा लड़ेंगे चुनाव

संवाददाता। धनबाद

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सुप्रीमो जयराम महतो ने गुरुवार को धनबाद परिसदन में प्रेस वार्ता आयोजित कर झारखंड के 14 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी के नामों की घोषणा कर दी. जयराम ने मांडर विधानसभा से गुना भगत को मैदान में उतारा है. टुंडी से मोतीलाल महतो, राज धनवार से राजदेश रतन, कोडरमा से मनोज कुमार यादव, बरही से कृष्णा यादव, बरकट्ठा से महेंद्र प्रसाद मंडल, हजारीबाग से उदय मेहता, डाल्टेनगंज से अनिकेत मेहता, गोड्डा से परिमल ठाकुर, गांडेय से अकील अख्तर उर्फ रिजवान, धनबाद से सपन कुमार मोदक, खरसावां से पांडु राम हिबुरु, सिन्दरी से उषा देवी एवं बोकारो से सरोज कुमारी को मैदान में उतारा है. जयराम ने कहा कि झारखंड के 70 सीटों पर अपना उम्मीदवार उतारेंगे. सभी सीटों पर प्रत्याशी के नामों की घोषणा दुर्गापूजा की दशमी तक कर दिया जाएगा. मौके पर जयराम ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में सभी जाति धर्म को साथ लेकर चलने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि आज घोषित 14 प्रत्याशियों में आठ वर्गों के लोग मौजूद हैं. सिन्दरी से प्रत्याशी घोषित होते ही पार्टी के भीतर ही विरोध का स्वर प्रखर हो गया. सिन्दरी विधानसभा से उषा देवी के नाम की घोषणा हुई. इस घोषणा के साथ ही धनबाद परिसदन के ही मुख्य दरवाजे पर जेएलकेएम के संगठन सचिव शंकर महतो ने विरोध कर दिया.

शंकर ने कहा कि लोकसभा चुनाव में पार्टी विरोधी कार्य करने वाली उषा देवी को टिकट देना दुर्भाग्यपूर्ण है. वह पिछले चार दिनों से जयराम से संपर्क करने की कोशिश कर रहे थे. इसके बावजूद संपर्क नहीं हो सका. शंकर महतो ने कहा कि वह पार्टी के अन्य समर्थकों के साथ पार्टी के पद से इस्तीफा देकर सिन्दरी विधानसभा से चुनाव लड़ेंगे. उन्होंने कहा कि भाषा आंदोलन के समय से ही वह जयराम के साथ है. ऐसे में उनकी अनदेखी करना सरासर गलत है. उन्होंने दावा किया कि उनके साथ पांच सौ समर्थक पार्टी से इस्तीफा देकर चुनाव में उनका साथ देंगे.

लोकसभा चुनाव की गलती को नहीं दुहराएंगे

जेएलकेएम सुप्रीमो जयराम महतो ने कहा कि लोकसभा चुनाव उनका पहला चुनाव था. लोकसभा में हुई गलती को विधानसभा चुनाव में नहीं दुहराएंगे. उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में वह सिर्फ कार्यक्रम ही करते रह गए. अनुभव की कमी होने के कारण बूथ स्तर पर ध्यान नहीं दिया जा सका. कार्यक्रमों में ही इतना व्यस्त रह गए कि चुनावी रणनीति पर विचार विमर्श भी नहीं किया जा सका. आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी किसी तरह की गलती नहीं करना चाहती है. पार्टी के प्रत्याशियों को प्रचार के लिए ज्यादा से ज्यादा समय मिल सके. इसीलिए उम्मीदवार के नाम की घोषणा सबसे पहले की जा रही है.

बाघमारा में जुल्म की इंतहा

प्रेस वार्ता के दौरान जयराम महतो ने कहा कि बाघमारा में जुल्म की इंतहा हो रही है. बिना किसी का नाम लिए उन्होंने कहा कि बाघमारा इस बार उनकी पार्टी के लिए काफी अहम सीट रहेगी. जैसा कि जयराम ने पहले ही घोषणा कर दिया है कि वह दो विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे. उन्होंने कहा कि डुमरी के अलावा गोमिया, मांडू, बेरमो और बाघमारा में से किसी विधानसभा क्षेत्र से वह चुनाव लड़ेंगे. बताते चलें कि पूर्व में जयराम ने सांसद ढुल्लू महतो के खिलाफ बाघमारा में ही जमकर आग उगला था. बाघमारा में पार्टी ने लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन किया था. इस कारण माना जा रहा है कि बाघमारा सीट से जयराम ताल ठोंक सकते हैं.

निगम के पिकअप वैन की चपेट में आकर बच्ची की मौत

दुर्गा पूजा की बख्शीश की रकम देने जा रही थी

खास बातें

- गुस्साए लोगों ने किया सड़क जाम
- पुलिस ने समझा-बुझा कर मामला कराया शांत

संवाददाता। कतरास

रामकनाली ओपी अंतर्गत रामकनाली बीसीसीएल कार्यालय के समीप नगर निगम के कचरा उठाने वाले पिकप वैन की चपेट में आने से शाहीद अंसारी के ग्यारह वर्षीय बच्ची की मौत हो गई. घटना के बाद लोगों ने वाहन को रोक दिया साथ ही बच्ची को उठा कर आनन-फानन में अस्पताल ले गए. जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद से मृतका की मां का रो-रो कर बुरा हाल था.इधर घटना से गुस्साए लोगों ने सड़कों पर ईंट पत्थर रख कर रामकनाली पचगढी मुख्य मार्ग बाधित कर दिया. खबर पाकर पहुंचे रामकनाली ओपी प्रभारी मंगल प्रसाद कुजूर ने आक्रोशितों को समझने बुझाने का प्रयास किया लेकिन लोग मानने को तैयार नहीं हो रहे थे.

बताया जाता है कि रोजाना की तरह बुधवार को भी नगर निगम की कचरा ढोनेवाला पिकप वाहन कचरा उठाने के रामकनाली पहुंचा और वाहन चालक ने दुर्गा पूजा को लेकर लोगों से बख्शीश की मांग की. बख्शीश का पैसा देने के बच्ची सड़क के एक छोर से दूसरे छोर जाने लगी. तभी वह पिकअप वाहन के चक्के के नीचे आ गई और वाहन ने उसे बुरी तरह कुचल दिया. आनन-फानन में परिजनों ने उसे घायलावस्था में स्थानीय नर्सिंग लाया,जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने वाहन और उसके चालक को हिरासत में ले लिया है. घटना से गुस्साए ग्रामीण रामकनाली ओपी पहुंचकर हंगामा करते हुए उचित कार्रवाई की मांग करने लगे और सड़क जाम कर दिया. हालांकि बाद ओपी प्रभारी ने लोगों को आश्वासन दिया है कि घटना को लेकर उचित कार्रवाई करते हुए बच्ची के परिजन को सरकारी प्रावधान के अनुसार उचित मुआवजा दिलाया जाएगा.

अधेड़ का शव बरामद हत्या की आशंका

संवाददाता। साहिबगंज

बोरियो थाना क्षेत्र के खैरवा पंचायत के बिंदरी बंदर कोला के मंगला पहाड़िया उम्र 40 नामक व्यक्ति की लाश पुलिस ने गुरुवार की सुबह डुमरिया लेगो टोला सड़क किनारे झाड़ी से बरामद किया. मृतक की पत्नी गांगी पहाड़िन ने बताया कि उसका पति मंगला पहाड़िया बोरियो बाजार बच्चे का सामान खरीदने के लिए बुधवार की दोपहर करीब दो बजे घर से निकला था. उसके पास पॉकेट में एक हजार रुपए था. गांगी ने बताया कि बाजार से बच्चे का सामान लेकर लौटने के क्रम में डुमरिया इलेवन स्टार क्लब की ओर से आयोजित फुटबॉल मैच देखने लगा. मृतक रात भर घर नहीं लौटा. सुबह ग्रामीणों ने डुमरिया लेगो टोला से एक किलोमीटर पीछे सड़क किनारे झाड़ी में एक व्यक्ति की लाश देख कर सूचना दी. उधर, घटना की सूचना मिलते ही बोरियो थाना प्रभारी पंकज वर्मा मौके पर पहुंच कर मामले की छानबीन की.

पुलिस के अनुसार मृतक मंगला पहाड़िया के सर पर चोट का निशान है. अंदेशा है कि डंडा व पत्थर से मार कर उसकी हत्या की गई होगी. मृतक की पत्नी गांगी पहाड़िन ने बताया कि उसके पति बांस का कारोबार करता था. बांस काट कर साइकिल पर लाद कर बोरियो हाट लाकर बेचता था. गांव में बांस काटने को लेकर ग्रामीणों से झगड़ा भी हुआ था.

पुलिस ने कोयला मुहाने को कराया बंद

निरसा/ चिरकुंडा : चिरकुंडा थाना क्षेत्र के डुमरीजोड़ जंगल मे चिरकुण्डा थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक रामजी राय ने बीसीसीएल एरिया बारह के सहयोग से गुरुवार को लगभग आधा दर्जन अवैध कोयला मुहाने की डोजरिंग जेसीबी मशीन से कराई . उक्त सभी अवैध मुहाने से कोयला चोरों द्वारा अवैध कोयला निकाला जाता था.चिरकुण्डा थाना प्रभारी रामजी राय ने बताया कि एसएसपी के निर्देश पर क्षेत्र में अवैध उत्खनन स्थल को पूर्णतः बंद करवा जा रहा है. क्षेत्र में किसी प्रकार की अवैध कार्य या व्यापार को फलने फूलने नहीं दिया जायेगा यदि कोई प्रयास करता है तो उस पर कानूनी करवाई कर उसे जेल भेजा जायेगा. मौके पर चिरकुंडा थाना के जवान के अलावा बीसीसीएल एरिया 12 के अधिकारी व सुरक्षा कर्मी उपस्थित थे.

भाकपा माले आदिवासी मोर्चा ने जयराम का पुतला फूंका

खास बातें

- जयराम निम्न मानसिकता का व्यक्ति : देवा मराण्डी
- सरना धर्म के अपमान पर भड़का आदिवासी समाज

संवाददाता। मैथन

निरसा क्षेत्र के मुगमा मोड़ में गुरुवार को भाकपा माले आदिवासी मोर्चा ने सरना धर्म का अपमान किये जाने के विरोध में आदिवासी समाज के लोगों ने जेबीकेएसएस प्रमुख जयराम महतो का पुतला फूंका. इस दौरान आक्रोशित आदिवासी समाज के लोगों ने जयराम महतो मुर्दाबाद, जयराम महतो होश में आओ, हमसे जो टकरायेगा चूर चूर हो जाएगा, आदिवासियों का अपमान करना बंद करो, आदिवासी एकता जिंदाबाद आदि नारे लगाकर अपनी भड़ास निकाली.

मौके पर आदिवासी मोर्चा के महासचिव देवा मराण्डी ने कहा कि जयराम महतो अपने आप को ज्ञानी समझते हैं और संविधान की किताब लेकर घूमते-फिरते हैं, लेकिन उन्हें संविधान की कुछ ज्ञान नहीं है. वे संर्कीण एवं निम्न मानसिकता वाले हैं1 देवघर में जो उन्होंने किया, उससे यह साबित होता है कि वे ज्ञानी नहीं निम्न मानसिकता के हैं. जयराम महतो ने देवघर में हमारे धर्म के गमछा को अपने पैरों के नीचे रख कर भाषण दिया है, जो उनका घटिया मानसिकता व राजनीति को दर्शाता है. जिस गमछा को लेकर हमलोग सरना धर्म की पूजा करते है. उसपर पैर रख कर जयराम महतो ने भाषण दिया है. इससे पूरे झारखंड के आदिवासी समाज के आस्था पर गहरा चोट लगी है. इस घृणित कार्य का आदिवासी समाज पुरजोर विरोध करते हैं. जिसके तहत आज आदिवासी समाज द्वारा झारखंड के विभिन्न जिलों व गांवों में उनका पुतला दहन किया जा रहा है. पुतला दहन कार्यक्रम में निरसा विधानसभा क्षेत्र के बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग उपस्थित थे.

सड़क दुर्घटना में पश्चिम बंगाल का युवक जख्मी

तोपचांचीः तोपचांची थाना क्षेत्र अंतर्गत हटिया मैदान स्थित नेशनल हाईवे के समीप बाइक सवार युवक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. बाइक सवार युवक बिहार से पश्चिम बंगाल जा रहे थे. युवक की शिनाख्त रौनक कुमार पश्चिम बंगाल हुगली निवासी के रुप में हुई है. घटना में युवक को गर्दन में गंभीर चोट आई है. घटना के घटनास्थल पहुंचे तोपचांची पुलिस गंभीर रूप से जख्मी युवक को साहोबहियार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया. जहां बेहतर इलाज के लिए धनबाद स्थित एसएनएमएमसीएच अस्पताल रेफर कर दिया गया. जख्मी युवक की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है. घटना के बाद तोपचांची पुलिस दुर्घटनाग्रस्त बाइक को कब्जे में लेकर जांच-पड़ताल में जुट गई है.

कतरास राजा पूर्णेन्दु नारायण सिंह व रामधन पाल के संयुक्त प्रयास से हुआ था पुनर्निर्माण

सिपाही विद्रोह से पूर्व हुई थी तोपचांची दुर्गा मंदिर की स्थापना

अक्षय चौबे । तोपचांची

धनबाद जिले से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित तोपचांची दुर्गा मंदिर का इतिहास काफी पुराना है. मंदिर की स्थापना 1857 के सिपाही विद्रोह से पहले हुई थी. उस वक्त मंदिर में दुर्गा मां की प्रतिमा स्थापित कर रामधन पाल ने की थी. बाद में कतरास के राजा पूर्णेन्दु नारायण सिंह व रामधन पाल के संयुक्त प्रयास से दुर्गा मंदिर व काली मंदिर का निर्माण करवाया गया. राजा प्रथा समाप्त होने के बाद तोपचांची दुर्गा मंदिर को रामधन पाल के वंशजों ने मंदिर को सोलह आना (सार्वजनिक) को सौंप दिया. तोपचांची दुर्गा मंदिर को सार्वजनिक दुर्गा मंदिर के नाम से जाना जाता है. मंदिर में प्रत्येक साल मां की प्रतिमा स्थापित कर दुर्गा पूजा बड़ी धूमधाम से मनाई जाती है.

1995 में बनकर तैयार हुआ भव्य मंदिर

ग्रामीणों ने मंदिर का जीर्णोद्धार सन 1990 में शुरू किया था जो 1995 में भव्य मंदिर बन कर तैयार हो गया. सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में अष्टमी और नवमी को धनबाद, बोकारो, गिरीडीह तथा अन्य जिलों से श्रद्धालु भतुआ व बकरा बलि देने आते हैं. मंदिर में बांग्ला रीति-रिवाज से पूजा अर्चना की जाती है.

अब 101 फीट का मंदिर

2023 में मंदिर को पुनः जीर्णोद्धार करने का फैसला लिया गया जो 2024 में मंदिर 101 फीट का भव्य मंदिर बन कर तैयार हो गया. नेशनल हाईवे में स्थित यह दुर्गा मंदिर सबसे ऊंची मंदिर में से एक है. इस वर्ष भी मंदिर में भव्य दुर्गा पूजा की तैयारी चल रही है. मां की प्रतिमा स्थापित कर दुर्गा पूजा भव्य तरीके से मई जाएगी.

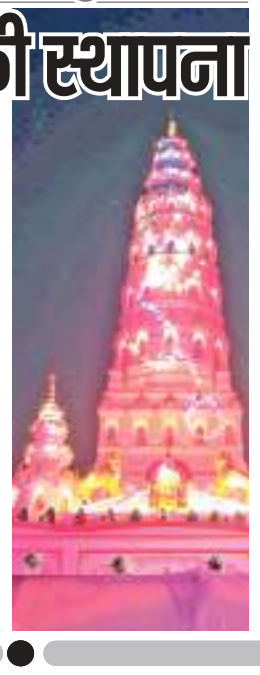

किसान चौक पर सड़क दुर्घटना में युवक घायल

धनबाद । बरवाअड्डा किसान चौक के पास गुरुवार की देर शाम सड़क दुर्घटना में विजय रजवार नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. विजय (27 बर्ष) जेलगोड़ा निवासी बताया जा रहा है. मौके पर पहुंचे ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स के संस्थापक गौतम मंडल आनन फानन में उसे अपनी गाड़ी में सवार कर एसएनएमएमसीएच ले गए. गौतम के साथ चिरंजित मंडल, रणजीत मंडल, पप्पू मंडल भी मौजूद थे. अस्पताल में विजय का इलाज चल रहा है. गौतम ने बताया कि दुर्गापूजा के कारण स्टील गेट में काफी जाम लगी हुई थी. बड़ी मुश्किल से घायल को अस्पताल लेकर भर्ती कराया गया है.

रिटायर्ड पशु चिकित्सक के खाते से साइबर ठग ने उड़ाए तीस लाख

- सेवानिवृत्त पशु शल्य चिकित्सक डॉ उमाकांत सिंह को बनाया निशाना

संवाददाता। गोड्डा।

साइबर ठगी करने वाले गिरोह ने एक बड़ी घटना को अंजाम देते हुए तीस लाख रुपए की ठगी कर लिया. मामला गोड्डा जिला में सेवानिवृत हुए पशु शल्य चिकित्सक डॉ उमाकांत सिंह से जुड़ा हुआ है. उमाकांत सिंह के सरकारी सेवा से रिटायर्ड होने के बाद अपने पेंशन सहित अन्य लाभ को प्राप्त करने के लिए विभाग से संपर्क में थे और रांची कार्यालय से फोन करके जानकारी प्राप्त किया करते थे. इसी क्रम में साइबर ठगी करने वालों को इसकी भनक मिल गई और उन्होंने डॉक्टर का मोबाइल हैक कर चिकित्सक को फोन करते हुए बताया कि आपका पेंशन के साथ सारी सारा पैसा भेज दिया गया है. इसका डिटेल्स जानने के लिए योनो एप पर पासवर्ड डालकर चेक कर लें.

पशु चिकित्सक पूरी बात समझ नहीं पाए और वैसा ही करते चले गए. कुछ ही मिनटों में सेवानिवृति के उपरांत प्राप्त सारी राशि करीब तीस लाख रुपया ठग के हाथो में चला गया था. जबतक इसकी सूचना बैंक को देते सारा खेल समाप्त हो चुका था. भाग दौड़ कर नगर थाना में शिकायत किया. मामले को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है. इस घटना के बाद लोग सकते में हैं.

ब्रीफ खबरें

विधायक राज ने किया चार योजनाओं का उद्घाटन

केंदुआ। भाजपा विधायक राज सिन्हा ने गुरुवार को 17.39 लाख रुपये की लागत से निर्मित चार योजनाओं का उद्घाटन किया. विधायक मद से गोपीनाथडीह में 3.69 लाख से सामुदायिक भवन का जीर्णोद्धार,लालपुर में दुर्गा मंदिर के निकट 4.30 लाख से शेड का निर्माण,साउथ बलिहारी में 5.40 लाख से शेड व चार लाख रुपये की लागत से न्यू प्राइमरी स्कूल से मैदान तक चार सौ फीट लंबे सड़क का निर्माण कराया गया. विधायक ने नवमी के दिन मुनिडीह, बालूडीह, गोपीनाथडीह, लालपुर में मां दुर्गा की पूजा अर्चना की. लालपुर में महिलाओं ने स्थानीय समस्याओं से विधायक को अवगत कराते हुए निदान की मांग की.इस अवसर पर उन्होंने सभी को दुर्गा पूजा की शुभकामना दी. कहा कि जनता ने विधायक बनाकर सेवा का मौका दिया है.

अश्रुपूरित नेत्रों से रतन टाटा को श्रद्धांजलि

▪ एमपीएल में शोक की लहर

संवाददाता। मैथन

मानवीयता एवं दयालुता के प्रतिमूर्ति रतन टाटा के निधन पर में गुरुवार को एमपीएल में आयोजित शोक सभा में अधिकारियों एवं कर्मियों ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी तथा उनके जीवन मूल्य पर प्रकाश डालते हुए उनके निधन को राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया. वक्ताओं ने कहा रतन टाटा की लोकप्रियता बेमिसाल है. वह चिरकाल तक लोगों के दिलों में रहेंगे1 राष्ट्र के निर्माण में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता. उनका मानना था मानवता से बड़ी कोई दौलत नहीं है. एमपीएल के सीईओ एवं चीफ ईस्टर्न रीजन जेनरेशन विजयंत रंजन ने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि भारत ने रतन नवल टाटा के रुप में एक रत्न को खो दिया है. सत्यनिष्ठ, कर्तव्यनिष्ठ, व्यापार में नवाचार के अग्रदूत और महान परोपकारी रतन नवल टाटा का दुनिया को अलविदा कर देना देश के लिए बड़ी क्षति है. वे एक असाधारण व्यक्ति थे, जिनके अतुलनीय योगदान से टाटा समूह ने शिखर छुआ और राष्ट्र समृद्ध हुआ हुआ. भारतीय उद्योग जगत के इस दिग्गज को भारतीय अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग में उनके महत्वपूर्ण योगदान के साथ ही परोपकार के लिए सदैव याद किया जाएगा. उनका जाना न सिर्फ एमपीएल (टाटा पावर) बल्कि टाटा समूह में हम सभी के लिए गहरी एवं व्यक्तिगत क्षति है. श्रद्धेय टाटा केवल उधोगपति, असाधारण ऊधमी ही नहीं थे, बल्कि एक दूरदर्शी नेता, परोपकारी और मानवता के प्रतीक थे. सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता, उनका विनम्र व्यवहार वास्तव में चिरकाल तक लोगों के जेहन में रहेगा. रंजन ने कहा कि उनका मूल्य, एकता, करूणा और उत्कृष्टता हम सब को सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा. उनके द्वारा छोड़ी गयी विरासत को संरक्षित करने और संजोने का दायित्व हम सभी को निभाना है. श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में एमपीएल के वरीय अधिकारी सुधाकर टंडन, डीके गंगवाल, संजय कुमार, काजल कुमार सिंह, मेदुरी रतैया, संजीव सिन्हा, दुर्गेश शर्मा, रुपेश सिंह, अमित पाल, शेखर मिश्रा, सुनील कुमार सिंह, अजय कुमार, शंभु कुमार, हेमलता सहित अनेक अधिकारियों एवं कर्मी शामिल हैं.

टाटा स्टील के झरिया डिवीजन ने रतन टाटा को दी श्रद्धांजलि

धनबाद। टाटा स्टील के झरिया डिवीजन ने गुरुवार को दिवंगत पद्म विभूषण रतन एन टाटा को श्रद्धांजलि दी. आज जनरल मैनेजर ऑफिस लॉन में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई .इस अवसर पर संजय रजोरिया (जेनरल मैनेजर, झरिया डिवीजन), सुनीता रजोरिया, नरेंद्र कुमार गुप्ता (चीफ, जामाडोबा), विकास कुमार (चीफ, सिजुआ ग्रुप), संतोष महतो (क्षेत्रीय सचिव, राष्ट्रीय कोलियरी मज़दूर यूनियन), यूनियन के अधिकारीगण, कंपनी के कर्मचारी, वेंडर पार्टनर्स, उनके परिवारजन और समुदाय के सदस्य शामिल हुए. लगभग 400 लोगों ने जेनरल मैनेजर और सिजुआ ग्रुप ऑफिस में एकत्र होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की .इस अवसर पर संजय रजोरिया ने रतन टाटा की अद्वितीय दूरदृष्टि और भारतीय उद्योग में उनके अविस्मरणीय योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रतन टाटा की दूरदर्शिता ने न केवल टाटा समूह को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, बल्कि पूरे भारतीय व्यापार जगत को एक नई दिशा दी. उनके निधन से उत्पन्न हुई

अपूरणीय क्षति को शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल है. उनके महत्वपूर्ण योगदानों को याद करते हुए राष्ट्र, समाज और मानवता के प्रति उनके अद्वितीय योगदान को सम्मानित करने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया.

> रतन टाटा के निधन से देश और समाज को अपूरणीय क्षति हुई है रतन टाटा ने अपना पूरा जीवन देश के लिए समर्पित किया और अपनी कंपनी को वैश्विक स्तर पर पहुंचाया उन्होंने अपनी आय का 60% से अधिक दान में दिया, जिससे लाखों गरीब लोगों को मदद मिली ,उनकी व्यवसायिक क्षमताओं ने टाटा समूह को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया और इसे एक वैश्विक ब्रांड बनाया साथीसाथ उन्होंने व्यवसाय में नैतिकता और पारदर्शिता का पालन किया, जिससे वे एक आदर्श व्यवसायी बन गए परंतु इसके साथ उन्होंने देश के प्रति भी अपनी प्रतिबद्धता दिखाई और इसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उन्होंने गरीबों की मदद के लिए कई परोपकारी कार्य किए और उनकी स्थिति सुधारने में मदद की.
>
> **लोकेश अग्रवाल**
> **महासचिव, बैंक मोड़ चैंबर**

महुदा : माता को बारी लाने पुरनाबंध पहुंचा राजपरिवार

संवाददाता। महुदा

तेलमोचो रामनगरगढ़ स्थित दुर्गा मंदिर में गुरुवार की सुबह दुर्गा पूजा की सप्तमी को माता को बारी लाने के लिए राजपरिवार दर्जनों ग्रामीणों के साथ पुरनाबांध पहुंचे. तालाब के तट पर पुजारियों द्वारा माता दुर्गा का आह्वान के साथ पूजा अर्चना की गई. यजमान के रूप में राज परिवार के उतराधिकारी पूर्व जिप सदस्य मुरारी मोहन सिंह, उनकी पत्नी तेलमोचो पैक्स के पूर्व अध्यक्ष जगदम्बा सिंह, पैक्स प्रबन्धक मानस मोहन सिंह उनकी पत्नी पूर्व पंसस अनुरागिनी सिंह, कुनाल सिंह एवं माधव सिंह ने विधि विधान से पूजा अर्चना किया. इस संबंध में आचार्य विपिन कुमार पाण्डेय एवं पुरोहित गोपाल ने बताया कि कोला बाउ को स्थापित करने से पहले उन्हें तालाब में स्नान कराया जाता है. दुर्गा पूजा के रस्मों में कोला बाऊ स्नान प्रमुख है. इसके लिए केले के पौधे को अपराजिता समेत अन्य विभिन्न आठ पौधों के साथ पीले धागे से बांधकर स्नान कराया जायेगा. पारंपरिक लाल, सफेद साड़ी पहनाकर पालकी पर बिठाकर मंदिर लाया जाता है. कोला बाउ जिसे नवपत्रिका भी कहते हैं. इस दौरान हर्षोउल्लास के भक्तगण ढोल, नगाड़े बजाकर माता का जय जयकारा लगा रहे थे. इस मौके पर राज परिवार के सदस्यगण, तेलमोचो सोलह आना समिति एवं पुजारी तालाब से घट में जल लेकर आते हैं. मंदिर में माता का आह्वान करते हैं.

14 अक्टूबर की सुबह तक कार्यरत रहेगा कंट्रोल रूम

7 जोनल दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति

संवाददाता। धनबाद

दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण व हर्षोल्लास के साथ संपन्न कराने के लिए जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन तथा अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) पीयूष सिन्हा ने जिले को कतरास, धनबाद, चिरकुंडा, तोपचांची, झरिया, गोविंदपुर एवं टुंडी ज़ोन में बांटा है. सभी जोन में जोनल दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी तथा सभी 31 थाना व 22 ओपी में पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी मौजूद रहेंगे. साथ ही रावण दहन कार्यक्रम स्थल पर भी दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है. दुर्गा पूजा के अवसर पर जिला नियंत्रण कक्ष 10 अक्टूबर को सुबह 6 बजे से 14 अक्टूबर के सुबह 6:00 बजे तक कार्यरत रहेगा. एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा जिला नियंत्रण कक्ष के संपूर्ण प्रभार में रहेंगे. जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या 0326 - 2311217, 0326 - 2311807, 112 एवं 100 है.सभी 31 थाना व 23 ओपी में रहेंगे दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी :धनबाद, बैंक मोड़, सरायढेला, धनसार, झरिया, जोरापोखर, सुदामडीह, पाथरडीह, तिसरा, सिंदरी, बलियापुर, केंदुआडीह, पुटकी, लोयाबाद, जोगता, कतरास, राजगंज, महुदा, मधुबन, बरोरा, तेतुलमारी, बाघमारा, तोपचांची, हरिहरपुर, बरवाअड्डा, गोविंदपुर, टुंडी, पुर्वी टुंडी, मनियाडीह, निरसा, चिरकुंडा थाना तथा भूली ओपी, घनुआडीह, बोर्रागढ़, भौंरा, लोदना, अलखडीहा, गौशाला, मुनिडीह, भागाबांध, अंगारपथरा, कपूरिया, रामकनाली, गोंदुडीह, खरखरी, ईस्ट बसुरिया, सोनारडीह, धर्माबांध, कालूबथान, कुमारधुबी, मैथन, गलफरबाड़ी, खरखरी, भाटडीह एवं पंचेत ओपी के लिए पुलिस पदाधिकारियों के साथ साथ दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है. वहीं धनबाद थाना, बैंक मोड़, सरायढेला, घनसार, केंदुआडीह, लोयाबाद, जोगता, पुटकी, झरिया, जोरापोखर, तिसरा, सिंदरी, निरसा, चिरकुंडा, गोविंदपुर, बरवाअड्डा, टुंडी, बाघमारा, महुदा, तोपचांची, हरिहरपुर एवं कतरास थाना क्षेत्र में विशेष निगरानी रखी जाएगी.रावण दहन कार्यक्रम स्थल पर रहेंगे दंडाधिकारी :रावण दहन कार्यक्रम के दौरान बरवाअड्डा, बलियापुर, सिंदरी, हरिहरपुर, गौशाला, भूली, मालकेरा (कतरास) तथा सुदामडीह थाना क्षेत्र में पुलिस पदाधिकारियों के साथ दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है. दुर्गा पूजा के अवसर पर पुलिस का मोटरसाइकिल दस्ता भी लगातार भ्रमणशील रहेगा.

आसनसोल

वार्ड नंबर 64 में तृणमूल पार्षद पूनम देवी ने किया पूजा पंडाल का उद्घाटन

संवाददाता। बराकर

आसनसोल नगर निगम के वार्ड नंबर 64 में जनकपुरा सेवा समिति और गोरखा सेवा समिति द्वारा आयोजित एलसी सार्वजनिन दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन तृणमूल पार्षद और समाजसेवी संजय नोनिया ने फीता काटकर और माँ भगवती की विधिवत पूजा करके किया. इस दौरान रंगारंग कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था. उद्घाटन के बाद सभी अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर स्थानीय तृणमूल पार्षद पूनम देवी, पूर्व पार्षद कृष्णा प्रसाद, तृणमूल नेता और समाजसेवी बिनोद साव, पूजा कमिटी के सचिव गौतम दास, सह-सचिव अजित सिंह, अध्यक्ष रतन भट्टाचार्य, कोषाध्यक्ष रवि यादव, राजा प्रसाद, सौरव यादव, संतोष बहादुर सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे. तृणमूल पार्षद संजय नोनिया ने पूजा पंडाल के आयोजकों को अभिनंदन जताते हुए कहा कि वह खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं कि उन्हें मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रण मिला.
उन्होंने कमिटी के तमाम सदस्यों को दुर्गोत्सव के शुभ अवसर पर ढेर सारी शुभकामनाएं दीं और शिल्पांचल वासियों के लिए माँ दुर्गा से शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण दुर्गोत्सव की प्रार्थना की.

ब्रीफ खबरें

गावां पुलिस ने की अवैध शराब भट्टी ध्वस्त

गावां (गिरिडीह)। दुर्गापूजा को लेकर पुलिस ने गुरुवार को अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया. अभियान के दौरान पुलिस ने गदर में एक अवैध शराब भट्टी को ध्वस्त किया तथा भट्टी में मौजूद करीब ढाई सौ किलो जावा-महुआ व बीस लीटर देशी शराब को नष्ट कर दिया. इस दौरान पुलिस को देख भट्टी में मौजूद लोग भाग निकले. थाना प्रभारी महेश चंद्र ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी अभियान लगातार जारी रहेगा.

बिरने में ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

गावां (गिरिडीह)। गावां प्रखंड के बिरने पंचायत के रविदास टोला में भाजपा नेता सह पूर्व मुखिया राजकुमार यादव के प्रयास से नया ट्रांस्फार्मर लगवाया गया. जिसका उद्घाटन राजकुमार यादव एवं इंद्रदेव यादव ने संयुक्त रूप से किया. मौके पर राजकुमार यादव ने भाजपा के गोगो दीदी योजना की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि भाजपा ने माता बहनों के लिए गोगो दीदी योजना शुरू करने की घोषणा की है. जिसके तहत राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर महिलाओं को प्रतिमाह 11 तारीख को डीबीटी के माध्यम से 2100 रुपये दिया जाएंगे. मौके पर संजय पासवान, विजय मोदी, अनिल राम उपस्थित थे.

800 किलो जावा महुआ 100 लीटर शराब जब्त

बोकारो। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश एवं सहायक आयुक्त उत्पाद के मार्ग दर्शन में आगामी विधानसभा चुनाव एवं दुर्गा पूजा को देखते हुए जिला उत्पाद टीम ने बीएस सिटी थाना अंतर्गत जटान टोला में छापेमारी अभियान चलाया. विधिवत तलाशी क्रम में 800 किलो जावा महुआ एवं अवैध चुलाई शराब 100 लीटर बरामद किया. छापेमारी के क्रम में फरार अभियुक्तों पर उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के आधार पर अभियोग दर्ज किया गया है. छापेमारी टीम में निरीक्षक उत्पाद विजय पाल, अवर निरीक्षक सदर सह तेनुघाट सन्नी विवेक तिर्की, अवर निरीक्षक बेरमो सह चंद्रपुरा महेश दास सहित गृह रक्षक बल शामिल थे.

800 वर्षो से भी अधिक समय से बारकोप में हो रही है मां दुर्गा की पूजा

खेतोरी राजघराना ने ही शुरुआत की थी दुर्गा पूजा, 1200 ई में महाराज देवब्रहम ने बनवाया था मंदिर

खास बातें

- बंगला पद्धति से होती है मां दुर्गा की प्रतिमा का निर्माण
- जिउतिया पर्व के बाद ही शुरू हो जाता है मूर्ति निर्माण

जितेन्द्र दुबे। गोड्डा

बारकोप स्टेट की दुर्गा पूजा इस इलाके में काफी प्रसिद्ध रही है. पथरगामा प्रखंड मुख्यालय से करीब आठ किमी दूर बारकोप स्टेट का यह क्षेत्र झारखंड के गोड्डा जिला में स्थित एक प्राचीन राज्य रहा था, जो काफी समृद्ध था. बिहार के भागलपुर, मुंगेर, बांका से लेकर दुमका, गोड्डा सब बारकोप स्टेट का ही हिस्सा था. 1200 ई में प्रसिद्ध खेतोरी राजघराना के द्वारा दुर्गा पूजा की शुरुआत की गई थी. बारकोप स्टेट की पूजा आसपास के क्षेत्र के साथ-साथ बिहार एवं अन्य स्थानों में काफी प्रचलित थी. आठ सौ साल से भी अधिक समय से मां दुर्गा की पूजा तांत्रिक और वैदिक पद्धति से खेतौरी राजवंश के वंशज द्वारा कुलदेवी के रूप में की जा रही है. वंशज बताते हैं कि महाराजा देवब्रह्म के समय मंदिर का निर्माण करवाया गया था लेकिन पूजा पहले से ही किया जा रहा था. मां की प्रतिमा का निर्माण बंगला पद्धति से किया जाता है. पूजा की सारी परंपरा उसी वक्त में तय किए गए तरीके से किया जाता है. मूर्ति का निर्माण जिउतिया पर्व के बाद महिलाओं द्वारा लाई गयी मिट्टी से आरंभ की जाती है. प्रतिमा का निर्माण बगल के खरियानी गांव के एक ही परिवार द्वारा पीढ़ी दर पीढ़ी किया जा रहा है. बारकोप मंदिर की प्रसिद्धि के कारण यहां अगल बगल से सर्वाधिक भीड़ जुटती है. सप्तमी पूजा को छरहा देने के लिए काफी संख्या में महिलाएं बारकोप पहुंचती हैं. मिट्टी के बर्तन में दूध, सिंदूर, जल से छरहा देने की परंपरा है. अष्टमी को डालिया डाली चढ़ाने बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं. नवमी पूजा को बकरे की बलि दी जाती है एवं दशमी तिथि को विधि-विधान के साथ मां दुर्गा की भव्य आरती कर बगल के जलाशय में कंधे पर प्रतिमा को लाकर विसर्जन कर दिया जाता है. दुर्गा पूजा को लेकर बारकोप में मेला भी लगता है, जिसमें खेल तमाशा वाले भी पहुंचते हैं.

बाबूलाल ने धनवार विधानसभा क्षेत्र के कई पूजा पंडालों का किया भ्रमण

माता के समक्ष मत्था टेक प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

संवाददाता। (गिरिडीह)।

पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने महाष्टमी के दिन अपने धनवार विधानसभा क्षेत्र के कई पूजा पंडालों का भ्रमण कर माँ दुर्गा का आशीर्वाद लिया.

बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को अपने पैतृक आवास कोदईबांक पर थे. जहां से वे अपने कार्यकर्ताओं के साथ तिसरी गांवा के विभिन्न पूजा पंडालों के भ्रमण पर निकले. सर्वप्रथम बाबूलाल ने चंदौरी स्थित पूजा पंडाल का दर्शन किया. जिसके बाद वे तिसरी के सार्वजनिक दुर्गा मंडप पहुंचे. जहां उन्होंने माता के समक्ष मत्था टेक पूरे प्रदेश की सुख-समृद्धि और 2024 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत की कामना की.

वहीं वे गुमगी, बरवाडीह, पपीलो समेत कई पंडालों के भ्रमण के बाद गावां के लिए निकल गए. गावां में भी उन्होंने कई पूजा पंडालों का भ्रमण किया. इस दौरान उन्होंने लोगों से शांतिपूर्वक पूजा मनाने की अपील की. बताते चलें कि तिसरी प्रखंड मुख्यालय स्थित सार्वजनिक दुर्गा मंडप में 100 वर्षों से अधिक समय से पूजा हो रही है. प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य पंडाल बनवाया गया है, जिसे देखने भारी संख्या में लोगों का जुटान हो रहा है.

मौके पर भाजपा नेता रामचंद्र ठाकुर, उदय साव, मनोज यादव, सोनू हेम्ब्रम, सुनील शर्मा, अनिल साव, संदीप शर्मा, नागो यादव, बालेश्वर राय, अनिल राय, चन्दन शर्मा, दिनेश विश्वकर्मा, प्रमोद गुप्ता, बबलू यादव, नरेश यादव, महेश यादव समेत कई लोग मौजूद थे.

तेजस राजधानी को सांसद, विधायक ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संवाददाता। साहेबगंज

गुरुवार को साहिबगंज स्टेशन से आनंद बिहार तेजस राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन को दो मिनट रुक कर रवाना किया और साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन का दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे के अलावा साहिबगंज स्टेशन पर राजमहल के विधायक अनंत ओझा ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को साहिबगंज से रवाना किया.

वहीं गाड़ी संख्या 13428 अप साहेबगंज-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस सुबह 5 बजकर 20 मिनट में साहिबगंज स्टेशन से नियमित रूप से चलेगी. यह ट्रेन साहिबगंज, सकरिगली, तीनपहाड़, बरहरवा, पाकुड़, रामपुरहाट, बोलपुर, शांतिनिकेतन, बर्द्धमान, बंडेल रूकते हुए हावड़ा दोपहर 12 बजकर 35 मिनट में पंहुचेगी और हावड़ा से यह गाड़ी 13427, डाउन दोपहर,1 बजकर 45 मिनट में हावड़ा से खुलेगी. अगरतला-आनंद बिहार तेजस राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन को गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे के अलावा साहिबगंज स्टेशन पर राजमहल के विधायक अनंत ओझा, मालदा डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने साहिबगंज स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया. वहीं साहेबगंज-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने साहिबगंज स्टेशन से रवाना किया.

इस मौके पर मालदा डिविजन के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता, सीनियर डीसीएम समेत अन्य रेलवे अधिकारी मौजूद थे.

नवरात्र के आठवें दिन मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

गावां (गिरिडीह)। शारदीय नवरात्र के अष्टमी पर देवी मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ पहुंची. ऐतिहासिक गावां काली मंडा के कपाट बंद होने के बावजूद मंदिर परिसर में ही पहुंच कर भक्तों ने मां दुर्गा के आठवें स्वरूप की आराधना की. इस दौरान मां दुर्गा के जयकारे से पूरा इलाका गूंजता रहा. इस बीच प्रखंड से लेकर ग्रामीण इलाकों के देवी मंदिरों में पूरे दिन मां दुर्गा के आठवें रुप महागौरी की पूजा अर्चना भक्ति व श्रद्धा के साथ होती रही. नवरात्र के आठवें दिन गुरुवार की सुबह से तमाम दुर्गा मंदिरों में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया. सुबह साढ़े सात बजे तक तमाम दुर्गा मंदिर परिसर में लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई. इस दौरान मां भवानी की जयकारे से पूरा मंदिर परिसर से लेकर आसपास का इलाका गूंजता रहा. नवरात्र में लोगों की भीड़ को देखते हुए प्रखंड के तमाम बड़े दुर्गा मंदिरों में सुरक्षा का प्रबंध दिखा. गावां काली मंडा का पट आज बंद होने बावजूद भक्तों ने पूजा करते दिखे. काली मंडा आयोजक द्वारा शुक्रवार को अष्टमी व नवमी मनाने के लिए आज रात्रि में माँ दुर्गा का पट खोलेंगे. इसके बावजूद मंदिर के प्रांगण से पूरे दिन पूजा अर्चना का दौर चलता रहा. उधर पिहरा दुर्गा मंदिर में भी नवरात्र के आठवें दिन मां दुर्गा की पूजा अर्चना को लोगों का तांता लगा रहा. सुबह से ही मां के दर्शन के लिए लोग पहुंचने लगे थे. दिन चढ़ने के साथ ही श्रद्धालुओं की भीड़ भी बढ़ती चली गई . इस दौरान मां के जयकारा पूरे दिन मंदिर परिसर में गूंजता रहा.

रेलवे के क्षेत्र में साहिबगंज जिला आने वाले दिनों में लिखेगा नया इतिहास : अनन्त ओझा

संवाददाता। साहिबगंज

गुरुवार को अगरतला-आनंद बिहार नई दिल्ली तेजस राजधानी का साहिबगंज स्टेशन पर ठहराव और साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी साहेबगंज स्टेशन से परिचालन के अवसर पर साहिबगंज स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में राजमहल विधायक अनन्त ओझा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश रेलवे क्षेत्र में प्रगति का नया अध्याय को लिखा है. जिस प्रकार से भारतीय रेलवे ने लंबे समय से लंबित मुद्दों के समाधान में बड़ी प्रगति की प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है कि समाज के सभी वर्गों के लिए आरामदायक यात्रा की गारंटी. राष्ट्र वंदे भारत रेलगाड़ियों के आधुनिकीकरण और विस्तार के साथ विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है. राजमहल विधायक अनन्त ओझा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव के प्रति आभार जताते हुए कहा कि जिस प्रकार से साहेबगंज जिले वासियों के दर्द को रेल मंत्री के पास मैं पहुंचाने का काम किया उसका ही परिणाम है कि साहेबगंज स्टेशन पर अगरतला-आनंद बिहार तेजस राजधानी का साहिबगंज स्टेशन पर ठहराव और साहेबगंज स्टेशन से साहेबगंज-हावड़ा इंटरसिटी ट्रेन का परिचालन सम्भव हो पाया है. उन्होंने कहा कि साहेबगंज स्टेशन और राजमहल स्टेशन का पूर्ण विकास का काम अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हो रहा है, जिसका आधारशिला प्रधानमंत्री मोदी ने रखा था. प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में रेल का दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण का काम किया गया. स्वच्छ भारत योजना के तहत सफाई की विशेष व्यवस्था स्टेशन पर हुआ। स्टेशन पर नागरिकों की सुविधा के लिए सभी व्यवस्था किया गया. साहेबगंज स्टेशन और राजमहल स्टेशन का पूर्ण विकास का काम भी जल्द पूरा हो जाएगा. उसका भी लोकार्पण भी जल्द होगा. अनन्त ओझा ने कहा कि साहेबगंज जिले में रेलवे का बहुत जमीन खाली पड़ी है. यहां तक कि साहेबगंज शहर लगभग रेलवे के पास है. राजमहल और उधवा में भी काफी जमीन रेलवे की खाली पड़ी है. इसको देखते हुए साहेबगंज में रेल मंडल कार्यालय स्थापित हो, इसको लेकर प्रयास जारी है. विधानसभा के माध्यम से मेरे द्वारा प्रस्ताव पारित करवा कर रेलवे बोर्ड को भेजा गया है. उन्होंने कहा कि आज साहेबगंज से हावड़ा के लिए साहेबगंज की जनता की लम्बे समय से मांग थी वो पूरा हुआ. साहेबगंज से नई दिल्ली जाने वाली राजधानी एक्सप्रेस का ठहराव की मांग थी वो पूरी हुई. आने वाले दिनों में साहेबगंज को और भी ज्यादा रेलवे के क्षेत्र में मिलेगा. प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में संथाल परगना का तेजी से विकस हो रहा है, उसी क्रम में साहेबगंज मनिहारी गंगा पुल का निर्माण उनके नेतृत्व में चल रहा है. मिर्जाचौकी से फरक्का तक फोरेलन का काम तेजी से चल रहा है. साहेबगंज में बन्दरहगाह का निर्माण हुआ.

दुर्गा पूजा में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी ने किया निरीक्षण

पीरटांड (गिरिडीह)। पीरटांड़ थाना प्रभारी दीपेश कुमाए, खुखरा थाना प्रभारी निरंजन कच्छप, हरलाडीह ओपी प्रभारी दीपक कुमार एवं मधुबन थाना प्रभारी जगन्नाथ पान ने अपने-अपने थाना क्षेत्र के विभिन्न पूजा पंडालों का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा संबंधी बातों की जानकारी ली. निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी ने पूजा समितियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिया. इस दौरान पूजा पंडाल में सीसीटीवी कैमरा लगाने, अग्निशामक यंत्र रखने, पूजा में महिलाओं एवं पुरुषों के लिए अलग व्यवस्था करने सहित कई बातों की जानकारी दी. साथ ही मेला में सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली. थाना प्रभारी ने बताया कि सभी पूजा पंडालों और मेला में सादे लिबास में भी पुलिस कर्मियों की तैनाती की जाएगी. शरारती तत्व एवं मनचलों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. वहीं मौके पर सभी पूजा समिति के सदस्य एवं थाना के जवान उपस्थित थे.

सेक्टर दो में दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन

बोकारो। सेक्टर 2 दुर्गा पूजा समिति का गुरुवार को सप्तमी के दिन विधिवत मेला का और पंडाल का उद्घाटन हुआ. जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह, जेएमएम के जिला अध्यक्ष हीरालाल मांझी, कांग्रेस नेता संजय कुमार सिंह आदि मौजूद थे. अनुपमा सिंह ने मेला और पूजा पंडाल का विधिवत उद्घाटन किया. इससे पूर्व श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति सेक्टर 2 सी के अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी ने उनका पुष्प गुच्छ देकर भव्य स्वागत किया. अनुपमा सिंह सहित अन्य अतिथियों ने पूजा पंडाल में उद्घाटन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए अनुपमा सिंह ने कहा कि मां देवी की आराधना से शक्ति मिलती है. उन्होंने बोकारो वासियों को को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज मां दुर्गा के सातवें और आठवें रूप की पूजा हो रही है. मां का श्रृंगार देखकर मैं अभिभूत हूं. माता रानी बोकारो में इसी तरह आशीर्वाद बनाए रखें. झामुमो जिला अध्यक्ष हीरालाल मांझी ने कहा कि मां भगवती भगवती इसी तरह बोकारो और पूजा कमेटी को आशीर्वाद देते रहे ताकि लोगों को इसी उत्साह से पूजा देखने का मौका मिलता रहे. कांग्रेस नेता संजय सिंह ने कहा कि 40 वर्षों से पूजा कर रहे वर्तमान पूजा कमेटी के अध्यक्ष राजेश्वर सिंह का चले जाना काफी दुखदाई है, लेकिन बोकारो सेक्टर 2 का पूजा हमेशा के लिए बोकारो के लिए गौरव का विषय रहा है, आगे इसी तरह पूजा होते रहे यह माता रानी से कामना करते हैं.

नव पदस्थापित चास एसडीओ प्रांजल ढांडा ने लिया चार्ज

बोकारो। नव पदस्थापित चास अनुमंडल पदाधिकारी प्रांजल ढांडा ने बुधवार रात को अनुमंडल पदाधिकारी चास, बोकारो का पदभार ग्रहण किया. जानकारी हो कि कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा तत्कालीन चास अनुमंडल पदाधिकारी ओम प्रकाश गुप्ता का स्थानांतरण अवर सचिव, योजना एवं विकास विभाग, झारखण्ड, रांची के पद पर कर दिया गया था.

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ नारे के साथ दिलाई शपथ

बोकारो। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ नारे के साथ बोकारो जिला अंतर्गत कस्तूरबा विद्यालय जरीडीह तथा कसमार में बालिकाओं ने शपथ ग्रहण कर बालिकाओं पर होने वाले हिंसा की रोकने का आह्वान किया. जिला समाज कल्याण विभाग बोकारो तथा सहयोगिनी संस्था की संयुक्त पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान कसमार कस्तूरबा विद्यालय की वार्डन सावित्री हेंब्रम ने कहा कि समाज में व्याप्त जेंडर गैप के कारण बालिकाओं का लिंग अनुपात कम है. जिसको ध्यान में रखते हुए हमें बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के संकल्प को पूरा करना होगा. उन्होंने कहा कि बालिकाओं के संवर्धन के लिए कस्तूरबा विद्यालय का संचालन किया जाता है, ताकि उनका भविष्य उज्जवल हो. जरीडीह स्थित कस्तूरबा विद्यालय की वार्डन अनिता कुमारी ने कहा कि बालिका शिक्षा की ओर अग्रसर कस्तूरबा विद्यालय की छात्राएं समाज तथा देश के विकास में योगदान दे रही हैं. वंचित वर्ग की बालिकाओं के शिक्षा तथा उनके समुचित विकास के लिए कस्तूरबा विद्यालय कृत संकल्प है.

छात्र बैंक खातों को अविलंब कराएं अपडेट : उपायुक्त

बोकारो। कल्याण विभाग ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान संबंधित छात्रों द्वारा आवेदन के समय उपलब्ध कराएं गए बैंक खातों में हस्तांतरित किया था. लेकिन,कई छात्रों का बैंक अकाउंट बंद होने, बैंक अकाउंट ब्लॉक-फ्रोजन होने एवं बैंक अकाउंट मैपिंग नहीं होने के कारण छात्रवृत्ति भुगतान फेल हो गया है. उपायुक्त विजया जाधव ने ऐसे सभी छात्रों को अपने बैंक खातों को अविलंब अपडेट करने एवं अधिक जानकारी के लिए समाहरणालय स्थित जिला कल्याण शाखा कार्यालय से संपर्क स्थापित करने को कहा है.

जारंगडीह सीसीएल कॉलोनी में फैला गंदगी का अंबार

कथारा। सीसीएल कथारा क्षेत्र के जारंगडीह परियोजना के ईद गिर्द बसे सीसीएल कॉलोनी में फैली गंदगी सिविल विभाग की पोल खोल रही है और पूजा में भी सफाई ना होना सिविल विभाग के अधिकारियों की अनदेखी व लापरवाही साफ बंया कर रही है. जिससे लोगों की परेशानियां बढ़ गई है. बतातें चलें कि क्षेत्र में फैली गंदगी और पूजा पंडाल के आस पास की सफाई का मामला बेरमो विधायक प्रतिनिधि विल्सन फ्रांसीस ने कथारा महाप्रबंधक संजय कुमार के समक्ष रखे थे. समस्या की जानकारी मिलते ही कथारा महाप्रबंधक जारंगडीह पूजा पंडाल का निरीक्षण करने पहुंचे और सिविल विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाई. साथ ही सफाई करने का निर्देश सुजीत कुमार को दिए, लेकिन उनके आदेशों के बाद जारंगडीह पूजा पंडाल तथा जारंगडीह बाजार की सफाई की गई, लेकिन जारंगडीह सीसीएल कॉलोनी में फैली गंदगी की सफाई में कोताही बरती गई.

एकता की मिसाल है चास प्रखंड के चंदाहा गांव की दुर्गा पूजा, श्रद्धा के साथ होती है पूजा

400 साल से हो रही है दुर्गा पूजा, हिंदू-मुस्लिम एकता है मिसाल

रजत नाथ। बोकारो

चास प्रखंड के चंदाहा पंचायत चंदाहा गांव स्थित दुर्गा मंदिर में 400 साल से दुर्गा पूजा हो रही है, जो हिंदू-मुस्लिम एकता का मिसाल है. चंदाहा में एक ही घर ब्राह्मण परिवार का है. यहां पूजा की शुरुआत तत्कालीन जमींदार लोहाराम राय ने की थी. वे आदगामूलय गांव, आसनसोल पश्चिम बंगाल से आकर यहां बसे थे . उस समय यह इलाका जंगल से गिरा हुआ था और चंदाहा पंचकोट काशीपुर स्टेट के अंतर्गत आता था. काशीपुर के राजा ने देवी देवताओं की पूजा के लिए लोहाराम राय को जमींदार बनाकर जमीन दान में दी थी. लोहाराम राय ने उस समय रायबांध के नाम से एक बड़ा तालाब बनवाया, जो आज वर्तमान में किसानों के लिए लाइफ लाइन बना हुआ है. जंगल, झाड़ी साफ कर, मिट्टी की दीवार, बांस बिचाली के सहारे झोपड़ी बनाकर मां दुर्गा की पूजा शुरू कराई. उस समय से आज तक लोहाराम राय के वंशज ही पूजा करके आ रहे हैं. फिर बाद में राजा ने श्री राय को 60 प्रतिशत जमीन पर प्रजा को बसाने की सलाह दी और प्रजा बस गया. संथालडीह पुरुलिया के पंडित सुभाष चन्द चटर्जी के मार्गदर्शन पर बुधवार की रात से विधिवत पूजा शुरू हुई. पूजा शुरू होते ही चंदाहा सियालजोरी, बाटबिनोर, बुढिबिनोर सहित आसपास के दर्जनों गांव भक्तिमय हो गया.

पूजा करने से मन्नत होती है पूरी

मंदिर के मुख्य पुजारी अवनी कुमार राय उर्फ़ बबलू ठाकुर ने कहा कि विधि विधान व सच्चे मन से मां दुर्गा की यहां आराधना की जाती है. श्रदालुओं की मन्नत मां दुर्गा पूरा करती है. ठाकुर ने कहा कि मां दुर्गा को चढ़ाया गया फूल, प्रसाद नियम पूर्वक ग्रहण करने से संतान की प्राप्ति होती है. पारुवाला देवी ने बताया कि जबसे हमारे वंशज ने मां दुर्गा की पूजा शुरू की है तभी से हमारा परिवार खुशहाल है. उन्होंने कहा कि सभी धर्म के लोग मिल जुल कर यहां पूजा को मनाते थे. इस परम्परा को हम सब कायम रखे हैं. यहां की दुर्गा पूजा क्षेत्र में सद्भावना का एक मिसाल है. सिंदूर खेल के साथ यहां बलि प्रथा भी है. विजयादशमी के दिन विसर्जन के साथ ही पूजा संपन्न हो जायेगा. पूजा को लेकर पंडित सुभाष चंद्र चटर्जी व स्वर्गीय जमींदार लोहा राम राय के वंशज पारु बाला देवी, अवनी राय, दिनेश राय, संजय राय, जयशंकर राय, चांडी राय, कार्तिक राय, राहुल कुमार, उज्जवल राय, शंकर राय, चंदन राय, गीता राय, अर्पण राय, गार्गी राय, चायना राय, काजल राय व ग्रामीण जुटे हुए हैं.

सत्य और अहिंसा का संदेश

पर्व-त्यौहार हमें एकता के सूत्र में बांधने के साथ ही हमारे सामाजिक सौहार्द को मजबूती प्रदान करते हैं. नागरिकों के मन में देशप्रेम व मित्रता का भाव जगाते हैं. हमारे त्यौहार हमारी भारतीय सांस्कृतिक परंपरा व भारतीय सभ्यता के प्रतीक हैं. ये त्यौहार हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं. इन पर्वों व त्यौहारों के माध्यम से हमारी संस्कृति की वास्तविक पहचान होती है. हमारे जीवन में त्योहारों का बड़ा महत्व है. त्यौहार सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना के प्रतीक हैं जो की सभी जन-जीवन में जागृति लाते हैं. हमारे यहां वसुदेव कुटुम्बकम की भावना रही है जो भारतीय संस्कृति की परिचायक है. भारत विविधता में एकता को रेखांकित करता है. कई भाषाएं, वेश-भूषा, धर्म, रीति-रिवाज, त्यौहार हमारे देश की सांस्कृतिक परंपरा को मजबूत बनाते हैं. कई प्रदेशों के अलग-अलग संगीत, नृत्य, नाटिकाएं, साहित्य का जुड़ाव भारत को एकता के सूत्र में बांधे रखता है. भारतीय संस्कृति में त्यौहार केवल उत्सव मनाने के अवसर से कहीं अधिक हैं. वे जीवन के सबसे गहरे और सबसे गूढ़ पहलुओं को व्यक्त करने का माध्यम हैं. प्रत्येक त्यौहार का अपना अनूठा महत्व होता है, जो मूल्यवान शिक्षा, आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि और सांस्कृतिक परंपराएं प्रदान करता है जो पीढियों से चली आ रही हैं. भारत एक विविधतापूर्ण संस्कृति वाला देश है. भारत की संस्कृति छोटी-छोटी अलग-अलग सभ्यताओं के समूह को संदर्भित करती है. कपड़े, त्सोहार, भाषाएं, धर्म, संगीत, नृत्य, वास्तुकला, भोजन और कला सभी भारतीय संस्कृति का हिस्सा हैं. सबसे खास बात यह है कि विभिन्न विदेशी सभ्यताओं को पूरे इतिहास में भारतीय संस्कृति ने प्रभावित किया है.दशहरा को अच्छाई की बुराई पर जीत के बतौर मनाया जाता है. इस संदेश को गहराई से आत्मसात करने की जरूरत है. भारतीय चेतना के विस्तार में इस मूल्य की अहम भूमिका रही है. आज के समय में इस संदेश को गहराई के साथ अपनाने की जरूरत है. सामाजिक गितशीलता किसी भी समाज के विकास में अहम मिका निभाते हैं. मनुष्य ही है, जो विराट प्रकृति के आंगन में सभ्यता के रूप में अपना भौतिक परिवेश और प्रणाली रचता है. मनुष्य ही संस्कृति के रूप में मनोवैज्ञानिक प्रणाली और परिवेश की रचना करता है. त्योहारों की विविधता स्वायत्त अनुशासन का सृजन करती है. संस्कृति भी एक गम्भीर और व्यापक अनुशासन है. त्यौहार मनुष्य को फिर से रचते हैं. यानी उन्हें नया पन का अहसास दिलाते हैं. समाज की मौजूदा चुनौतियों से निपटने के तरीके भी उत्सवों से सीखा जा सकता है. भारतीय समाज की निरंतरता और गतिशीलता में उत्सवों की अहम भूमिका रही है. यही कारण है कि भारतीय समाज हमेशा एक नए पन के साथ दुनिया को अपनी सांस्कृतिक विविधता का अहसास कराता है. भारत ने दुनिया को एकता,अहिंसा और सामाजिकता का संदेश दिया है.

> त्योहार सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना के प्रतीक हैं जो की सभी जन-जीवन में जागृति लाते हैं. हमारे यहां वसुदेव कुटुम्बकम की भावना रही है जो भारतीय संस्कृति की परिचायक है. भारत विविधता में एकता को रेखांकित करता है.

सुभाषित

या श्रीः स्वयं सुकृतिनां भवनेष्वलक्ष्मी पापात्मनां कृतधियां हृदयेषु बुद्धिः।
श्रद्धा सतां कुलजनप्रभवस्य लज्जा तां त्वां नतास्म परिपालय देवि विश्वम्।

जो धर्मात्माओं के गृह में लक्ष्मी के रूप में, दुरात्माओं के यहां निर्धनता के रूप में, शुद्ध अन्तःकरणवाले पुरुषों के हृदय में बुद्धि के रूप में, सज्जनों में श्रद्धा के रूप में तथा कुलीन मनुष्यों में लज्जा के रूप से विराजमान रहती हैं, उन महामाया भगवती दुर्गा को हम प्रणाम करते हैं. देवि ! आप सम्पूर्ण विश्व का पालन कीजिये.

अंतरिक्ष में लंबी छलांग की तैयारी

भारत के गगनयान कार्यक्रम को इसरो की मौजूदा परियोजना प्रबंधन प्रणाली का उपयोग करके संचालित किया जाएगा. इसका लक्ष्य दीर्घकालिक मानव अंतरिक्ष मिशनों के लिए आवश्यक प्रमुख तकनीकों का निर्माण और प्रदर्शन करना है. इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए इसरो ने 2026 तक चल रहे गगनयान कार्यक्रम के तहत चार मिशन पूरे करने की योजना बनाई है.

• देश-काल

मुकुल व्यास

हाल ही में चार महत्वपूर्ण अंतरिक्ष मिशनों को मंजूरी मिलने के बाद भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रम को नया बल मिला है. इन मिशनों का उद्देश्य अंतरिक्ष अनुसंधान और प्रौद्योगिकी में भारत की स्थिति को मजबूत करना है. ये मिशन अंतरिक्ष क्षमताओं को आगे बढ़ाने और वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए देश की प्रतिबद्धता को उजागर करते हैं. मंजूर किए गए मिशनों में चंद्रयान-4, वीनस ऑर्बिटर मिशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण और गगनयान अनुवर्ती कार्यक्रम शामिल हैं. प्रत्येक मिशन की अपनी चुनौतियां हैं. उनकी सफलता उन्नत तकनीक, कुशल विशेषज्ञता और पर्याप्त वित्तीय सहायता पर निर्भर करेगी. उनमें से सबसे प्रमुख चंद्रयान-4 है जो चंद्र अन्वेषण की दिशा में भारत की अगली छलांग है.

चंद्रयान-4 भारत के लिए एक अभूतपूर्व मिशन है, जो चंद्रमा से नमूने एकत्र करने और उन्हें पृथ्वी पर वापस लाने पर ध्यान केंद्रित करता है. 2,104.06 करोड़ रुपये के प्रभावशाली बजट वाला यह मिशन चंद्रयान-3 की सफलता पर आधारित है, जिसने चंद्रमा पर उतरने की भारत की क्षमता को साबित किया. अब चंद्रयान-4 का लक्ष्य चंद्रमा की संरचना और भूगर्भीय इतिहास के बारे में हमारी समझ को गहरा करना है. चंद्रयान-4 का प्राथमिक उद्देश्य चंद्रमा की सतह से मिट्टी और चट्टान के नमूने एकत्र करना और उनका विश्लेषण करना है. ये नमूने चंद्रमा की संरचना और विकास के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करेंगे, जिससे वैज्ञानिकों को इसके निर्माण और अरबों वर्षों में इसे आकार देने वाली प्रक्रियाओं के बारे में बेहतर समझ मिलेगी.

सरकार द्वारा मंजूर किए गए अन्य मिशनों में भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन विशेष रूप से उल्लेखनीय है. भारत ने 2035 तक यह स्टेशन स्थापित करने की योजना बनाई है. पृथ्वी की कक्षा में एक परिक्रमा स्टेशन स्थापित करना क्यों जरूरी है? भारत अपने गगनयान मिशन के तहत तीन अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजना चाहता है. एक बार अंतरिक्ष मानव उड़ानों का सिलसिला शुरू होने के बाद भारत को अंतरिक्ष में एक ऐसे ठौर-ठिकाने की जरूरत पड़ेगी जहां अंतरिक्ष यात्री कुछ समय बिताकर शून्य गुरुत्वाकर्षण की स्थिति में वैज्ञानिक प्रयोग कर सकें. भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) अंतरिक्ष में हमारा अपना ठिकाना होगा. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बीएएस की पहली इकाई के निर्माण को हरी झंडी दे दी है. भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन पृथ्वी से 400 किलोमीटर ऊपर परिक्रमा करेगा. बीएएस को स्वीकृत का निर्णय गगनयान कार्यक्रम के विस्तार का हिस्सा है.

वहीं, गगनयान कार्यक्रम के लिए अतिरिक्त 11,170 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं. इस कार्यक्रम का दायरा बढ़ने के साथ कुल निधि 20,193 करोड़ रुपये हो गई है. इस कार्यक्रम में बीएएस के सफलतापूर्वक निर्माण और संचालन के लिए आवश्यक तकनीकों का परीक्षण और प्रमाण देने के मिशन भी शामिल किए जाएंगे. यह विशाल संरचना एक रिसर्च सेंटर के रूप में कार्य करेगी, जहां भारतीय अंतरिक्ष यात्री और वैज्ञानिक सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण, खगोल विज्ञान और पृथ्वी अवलोकन से संबंधित प्रयोग कर सकते हैं. अंतरिक्ष यात्री 15-20 दिन तक इस स्टेशन में रह सकेंगे.

संशोधित योजना में अब बीएएस के विकास और इसके लिए आवश्यक प्रारंभिक मिशन शामिल हैं. इसमें एक और चालक दल रहित मिशन और गगनयान कार्यक्रम के लिए आवश्यक अतिरिक्त उपकरण जोड़ना भी सम्मिलित है. कार्यक्रम को अपडेट करने का मतलब यह है कि दोनों परियोजनाओं की सुचारु प्रगति के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे. ध्यान रहे कि दिसंबर, 2018 में स्वीकृत गगनयान कार्यक्रम का उद्देश्य मानव को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजने के अलावा भारत के भविष्य के मानव अंतरिक्ष अन्वेषण प्रयासों के लिए आवश्यक बुनियादी तकनीकों को स्थापित करना है.

आज अंतरिक्ष में एडवेंचर करने वाले सभी प्रमुख देश भविष्य के चंद्रमा मिशनों और अन्य दीर्घकालिक मानव अंतरिक्ष मिशनों के लिए आवश्यक क्षमताओं का निर्माण करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास और बड़े निवेश कर रहे हैं. भारत के गगनयान कार्यक्रम को इसरो की मौजूदा परियोजना प्रबंधन प्रणाली का उपयोग करके संचालित किया जाएगा. इसका लक्ष्य दीर्घकालिक मानव अंतरिक्ष मिशनों के लिए आवश्यक प्रमुख तकनीकों का निर्माण और प्रदर्शन करना है. इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए इसरो ने 2026 तक चल रहे गगनयान कार्यक्रम के तहत चार मिशन पूरे करने की योजना बनाई है. इसके अतिरिक्त, यह बीएएस-1 विकसित करेगा और दिसंबर, 2028 तक बीएएस के लिए विभिन्न तकनीकों का परीक्षण और सत्यापन करने के लिए चार और मिशन संचालित करेगा.

उल्लेखनीय है कि बीएएस जैसी अंतरिक्ष सुविधा सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण पर निर्भर क्षेत्रों में वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ाएगी. इसके परिणामस्वरूप नई तकनीकी प्रगति होगी और महत्वपूर्ण अनुसंधान और विकास क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा. मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम में उद्योग की अधिक भागीदारी से आर्थिक गतिविधि को भी बढ़ावा मिलेगा और अंतरिक्ष और इससे संबंधित क्षेत्रों के भीतर विशेष उच्च तकनीक वाले क्षेत्रों में अधिक नौकरियां पैदा होंगी.

बीएएस में एक कॉमन बर्थिंग मैकेनिज्म का उपयोग करके एक साथ जुड़े पांच मॉड्यूल होंगे. स्टेशन का माप 27 मीटर गुणा 20 मीटर होगा और इसका वजन लगभग 52 टन होने की उम्मीद है, जो मूल रूप से नियोजित 25 टन से बहुत अधिक है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | डॉ. मयंक मुरारी

सप्तमातृका का महात्म्य

स्तुति में जनमानस का जागरण देवी के कई रूप हैं. त्रिमहादेवी, पंचदेवी, सात बहिनियां, अष्टमातृका, नवदुर्गा, दशमहाविद्या, द्वादशप्रधानदेवी, षोडश देवी, अष्टादश शक्ति की साधना एवं पूजन की परंपरा हजारों साल से भारतीय जनमानस के केंद्र में रहा है. शतपथ ब्राह्मण में सप्तमातृका का वर्णन है. यह सप्तमातृका ही भारत के गांव गांव में सातों बहिनयां, शीतला माता के रूप में पूजन किया जाता है. महादेवी के इस सप्तमातृका रूप को रुद्र के सात बहनों के रूप में उल्लेख मिलता है. दुर्गा की ये सात शक्तियां ही ब्राहमी, माहेश्वरी, कौमारी, वैष्णवी, बाराही, नरसिंही और ऐंद्री है. देवी के इस सप्तमातृका के रूप का वर्णन विक्रमादित्य के दरबारी साहित्यकार अमर सिंह ने अपने अमर कोष में किया है. उनकी यह कलाकृति हरेक गांवों में मिल जायेगी, जहां गांव की हरेक परिवार कोई भी शुभ अनुष्ठान की शुरूआत माता की पूजन और मांगलिक कर्मकांड से करता है. भारतीय जनमानस जब माता की आराधना में जगजननी भजन का गायन करता है, तब उसमें भगवती के योगिन रूप को अष्टमातृका और नव नव दुर्गा के रूप में स्मरण किया जाता है. वह कई रूप धारण करती है. वह कई शस्त्रों को धारण करती है. परमधारम उनका निवासस्थल है. वही शक्ति है, और वही राधा, सीता, पार्वती, शिव, राम और कृष्ण है. माता करूणामयी है और दुष्टों के लिए संहारकारी भी है. माता दुर्गा ने शक्ति के कई स्वरूप में दुष्टों का संहार किया है. शुंभ निशुंभ से युद्ध करते हुए मां सरस्वती की रक्षा के लिए देवताओं ने अपने सप्तमातृका शक्ति को भेजा था. इसका उल्लेख मातृवात्सल्यविंदानम् में विस्तार से किया गया है. इस युद्ध में देवताओं की सेनापति माता काली बनीं. काली के सात रूपों में भैरवजी को माता के एकमात्र भाई के रूप में पूजन किया जाता है. हरेक गांव के देवस्थान में उनको देवियों के भाई के रूप में स्थान दिया गया है. सप्तमातृका की पूजन में शक्तिपूज का स्थान भैरवजी का है और उनके बिना देवी आराधना का कर्म पूरा नहीं होता है. काली रहस्य में वर्णन किया गया है कि -काली, कपालिनी, कांता, कामदा. कालसुंदरी, कालरात्रि, कालिका च काल भैरवपूजिता..मंदिरों में सप्तमातृका के पूजन के लिए मिट्टी की पिंडी बनायी जाती है. देवी के सप्तमातृका के रूप को पिंडी के माध्यम से व्यक्त किया जाता है. कई स्थानों पर यह पिंडी पत्थर के बनाकर उसमें माता के रूप, आकार आदि को उकेरा जाता है.

क्या कामयाब होगी बिहार में तीसरी धुरी!

• राज्यनामा

वेद प्रकाश

इस बिहार की राजनीति में एक और पार्टी का उदय हुआ है. चुनावी रणनीति और चक्रव्यूह रचने वाले प्रशांत किशोर अब स्वयं अपनी पार्टी बनाकर मैदान में उतरे हैं. सुराज नाम की यह पार्टी एकाएक राजनीति के समर में नहीं उतरी है. प्रशांत किशोर ने इसके लिए लंबी तैयारी की है. पदयात्रा करके बिहार के ओर-छोर को नापा है. बिहार की सियासत के तमाम समीकरणों को अपने तराजू पर तोला है. बहरहाल, इतना तय है कि यह पार्टी अपने कुछ अलग तेवरों के साथ होगी और इसने बिहार की राजनीति में प्रभाव रखने वाली तमाम पार्टियों को इसके बारे में सोचने को विवश किया है.

अभी यह भी साफ नहीं है कि यह पार्टी किसके जनाधार पर सेंध लगा सकती है. कांग्रेस आरजेडी को अपने मुस्लिम मतदाताओं को एकजुट रखने की चिंता है. बीजेपी पिछड़े और सवर्ण मतदाताओं को बिखरने नहीं देना चाहती. सत्ता में बीजेपी के साथ सहभागिता करने वाली जेडीयू को पिछड़ों, अति पिछड़ों पर अपने प्रभाव को कायम रखने की जद्दोजहद है. भारत के सियासी दलों के लिए चुनावी रणनीति तैयार करने वाले प्रशांत किशोर जब अपनी पार्टी लेकर आए हैं, तब कई तरह की कसौटियां उनके सामने भी हैं.

चुनावी रणनीति बनाना और चुनाव के समर में उतरना दो अलग-अलग पहलू हैं. चुनाव के पैंतरों को समझकर राजनीति में सब कुछ हासिल होता तो देश की सियासत को बखूबी समझने वाले राजनीतिक समीक्षक सियासत की पारियां भी खेल रहे होते. लेकिन सियासत का जमीनी संघर्ष बहुत अलग होता है. इसलिए कई सामाजिक आंदोलन करने वाले भी सियासत से जूझते रहने और सफल आंदोलनों के बाद भी खुद सियासत का हिस्सा नहीं बन पाते. साथ ही यह भी समझना होगा कि प्रशांत किशोर ने राजनीति की शुरुआत के लिए उस बिहार को चुना है जहां सियासत हमेशा उलझी हुई रही है. जातीय और क्षेत्र के उलझे समीकरण रहे हैं.

ऐसा नहीं है कि केंद्र या राज्य में स्थापित हुई सियासी पार्टियों को कोई नई पार्टी चुनौती नहीं दे सकती. तेलुगू स्वाभिमान के नारे पर 1982 में एनटी रामाराव ने तेलुगूदेशम की स्थापना की थी. इसने आंध्र प्रदेश में कांग्रेस के वर्चस्व को समाप्त किया था. एनटी रामाराव की राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं थी. लेकिन कुछ ही समय में उनकी स्थापित की हुई पार्टी ने सत्ता हासिल की. आज भी आंध्र प्रदेश में तेलुगूदेशम का परचम लहरा रहा है. वर्ष 2012 में अरविंद केजरीवाल ने जिस आम आदमी पार्टी को स्थापित किया वह एक साल में ही सत्ता में आ गई थी. इस समय भी दिल्ली व पंजाब में आप की सरकार है. लेकिन इन पार्टियों की अगर बिहार में सुराज पार्टी से तुलना करें तो कुछ परिस्थितियों में अंतर दिखता है. निस्संदेह दिल्ली में आप की सफलता में अन्ना हजारे के आंदोलन का प्रताप था. भ्रष्टाचार के खिलाफ अन्ना के आंदोलन का ज्वार ऐसे उठा कि केजरीवाल और उनके साथियों को सियासत का एक प्लेटफार्म मिल गया. ऐसे में अगर बिहार की ओर देखें तो प्रशांत किशोर के सामने पार्टी को सामने रखकर जनता को झकझोरने वाला नया मुद्दा या नारा नहीं दिखता. प्रशांत किशोर सियासी बिसात बिछाने के समीकरणों को तैयार करने के मास्टर हो सकते हैं लेकिन बिहार में बड़ी उथल-पुथल के लिए उन्हें जनता को झकझोरने के लिए किसी बड़े नारे की जरूरत होगी.

> चुनावी रणनीति बनाना और चुनाव के समर में उतरना दो अलग-अलग पहलू हैं. चुनाव के पैंतरों को समझकर राजनीति में सब कुछ हासिल होता तो देश की सियासत को बखूबी समझने वाले राजनीतिक समीक्षक सियासत की पारियां भी खेल रहे होते. लेकिन सियासत का जमीनी संघर्ष बहुत अलग होता है.

बिहार की सियासी पार्टियां और राजनीतिक सूरमा इस बात का आकलन कर रहे हैं कि सुराज उन्हें कहां नुकसान पहुंचा सकती है और कहां सुराज की मौजूदगी उनके हित में हो सकती है. वहीं सुराज की कोशिश यही होगी कि वह बिहार में परिणामों से नई हलचल मचा दे. इसके लिए प्रशांत किशोर कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे.

प्रशांत किशोर की पार्टी निश्चित तौर पर विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है. वह बिहार की सियासत में एक धुरी बनेगी, इसमें संदेह नहीं है. प्रशांत किशोर अपनी पदयात्रा में मिले जनसमर्थन से उत्साह में हैं. बिहार की इस पार्टी को हल्के में लेने की भूल कोई भी दल नहीं कर रहा. खासकर तब जबकि बिहार में महज तीन-चार प्रतिशत वोट इधर-उधर होने से खेल संभव हो जाता है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

इलेक्ट्रोनिक दौड़ में 'कुछ' पिछड़ तो नहीं रहा!

• पर्यावरण

सुनीता नारायण

दुनिया की कार इंडस्ट्री आज ऐसे दौर से गुजर रही है, जिसका सामना उसने पहले कभी नहीं किया. इलेक्ट्रिक वाहन, इंटरनल कम्बस्चन यानी आईसी इंजन वाले वाहन की जगह लेने को तैयार हैं लेकिन इससे कार इंडस्ट्री के दिग्गजों की हालत भी अस्थिर हो रही है. अगर इतनी महत्वपूर्ण इंडस्ट्री, दूसरे देशों के नए महारथियों के साथ प्रतिस्पर्धा से ही इंकार करेगी, तो फिर विकसित देशों के हरित-बदलाव लाने के संकल्प का मतलब क्या रह जाएगा.

दरअसल मैं चीन के बारे में बात कर रही हूं, आज की तारीख में कच्चे माल, बैटरी तकनीक और अत्याधुनिक सस्ती इलेक्ट्रिक कारों के मामले में जिसका दबदबा है. चीन ने यह जानते हुए कि उसकी कार इंडस्ट्री पारंपरिक आईसी वाले इंजन के मामले में कभी प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएगी, जानबूझकर ई-वाहनों में निवेश किया. अब चूंकि दुनिया को जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करना है तो उसमें इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल, इस एजेंडे का हिस्सा है. यूरोपीय संघ ने कारों से कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम करने के लिए कठोर लक्ष्य तय किए हैं, उसने नियम बनाए हैं कि 2035 से केवल जीरो उत्सर्जन वाले वाहन ही बेचे जा सकेंगे.इसका मतलब है कि अगले दस सालों में पूरे यूरोपीय संघ में कोई पेट्रोल या डीजल वाहन नहीं होगा. अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडेन की सरकार ने 2030 तक कुल वाहनों की बिक्री में, पचास फीसदी इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री का लक्ष्य रखा है. जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए हरित - परिवहन की ओर जाने के कदमों ने चीन की कार इंडस्ट्री को अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया है. सवाल यह है कि चीन के दबदबे की हालत में अगर पश्चिमी देशों की कार इंडस्ट्री कमजोर पड़ती है तो क्या होगा.

वाहन इंडस्ट्री, तमाम देशों में परंपरागत रूप से मैन्युफैक्चरिंग और नौकरियों की रीढ़ है. यूरोपीय समिति के आंकडे.के मुताबिक, ऑटोमोटिव इंडस्ट्री यहां 13.8 करोड़ लोगों को रोजगार देती है, यह 26 लाख लोगों को सीधे रोजगार देती है जो निर्माण-क्षेत्र में रोजगार का साढ़े आठ फीसदी हिस्सा है. हालांकि अब यह इंडस्ट्री संकट में है.

सितंबर में जर्मनी की प्रमुख कार कंपनी ने देश में अपने दो मैन्युफैक्चरिंग प्लांट बंद करने का ऐलान किया, जिससे तमाम कर्मचारियों के सामने रोजगार का संकट पैदा हो गया और राजनीतिक हंगामा खड़ा हो गया. पश्चिमी देशों की कार इंडस्ट्री को इलेक्ट्रिक वाहनों के पुर्जों की कीमत के मामले में चीन से प्रतिस्पर्धा करने में मुश्किल आ रही है.

> वाहन इंडस्ट्री, तमाम देशों में परंपरागत रूप से मैन्युफैक्चरिंग और नौकरियों की रीढ़ है. यूरोपीय समिति के आंकडे.के मुताबिक, ऑटोमोटिव इंडस्ट्री यहां 13.8 करोड़ लोगों को रोजगार देती है, यह 26 लाख लोगों को सीधे रोजगार देती है जो निर्माण-क्षेत्र में रोजगार का साढ़े आठ फीसदी हिस्सा है. हालांकि अब यह इंडस्ट्री संकट में है.

यूरोपीय देशों के इलेक्ट्रिक वाहन, पेट्रोल से चलने वाले वाहनों की तुलना में अभी भी महंगे हैं और अब जब ज्यादातर देश हरित-वाहनों पर सब्सिडी और अन्य लाभ वापस लेना चाहते हैं तो कार मालिकों को आयातित वाहनों की ओर बढ़ना पड़ रहा है.

अब, वही एक रास्ता है, जो अमेरिका ने अपनाया और अब यूरोपीए संघ अपना रहा है - चीन में बनने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों और यहां तक कि पुर्जों पर भी, आयात शुल्क बढ़ाना. अमेरिका ने चीन के ई- वाहनों पर सौ फीसदी शुल्क लगाया है, कनाडा ने भी ऐसा ही किया और अब यूरोप इन वाहनों पर दस फीसदी शुल्क बढ़ाने की सोच रहा है.इसके अलावा, अमेरिका ने, जो ई-वाहनों पर ठीकठाक सब्सिडी देता है, शर्त लगाई है कि चीन समेत बाहर के देशों से आने वाले ई-वाहनों पर इंसेंटिव तभी मिलेगा, जब उनके निर्माण में खास खनिजों या बैटरियों का इस्तेमाल न किया गया हो. इसका मतलब यह होगा कि चीनी सहयोगी वाली इंडोनेशियाई कंपनी के निकेल वाले वाहनों को भी सब्सिडी से वंचित किया जा सकता है. सब्सिडी,लोगों को ई-वाहनों की ओर आकर्षित करने के लिए महत्वपूर्ण है. चीन में ई-वाहनों का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर हो रहा है. अधिकारिक आंकड़ें के मुताबिक, जुलाई 2024 में इनकी बिक्री ने आईसी इंजन वाले वाहनों को पीछे छोड़ दिया, जब एक महीने में ही कम से कम 8,53,000 ई - वाहनों की बिक्री हुई.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मीडिया में अन्यत्र

भारतीय राजनीति में उभरते नए दल के मायने

भारतीय राजनीति में कॉर्पोरेट का दखल हाल के दिनों में लगातार बढ़ रहा है. पहले मुख्यधारा की दोनों बड़ी पार्टियों बीजेपी और कांग्रेस को इसने अपनी जद में लिया. उससे जी नहीं भरा तो दूसरी पार्टियों की तरफ रूख करना शुरू कर दिया. हालांकि स्वाधीनता संग्राम के मूल्यों की वजह से कांग्रेस की मजबूरी है कि वो कॉर्पोरेट की गोद में उस तरह से नहीं खेल सकती, जिस तरह से बीजेपी खेलती है.लेकिन फिर भी ये सच है कि मौका मिलते ही कांग्रेस के क्षेत्रीय क्षत्रप कॉर्पोरेट के कैंपस में उसी तरह हाजिरी लगाते हैं जैसे भाजपाई. इसके बाद आई उनकी बारी जो विकल्प की राजनीति की बात कर रहे थे. इसमें सबसे पहला नाम आया 'आम आदमी पार्टी' का. आम आदमी के नाम से शुरू हुई राजनीति ने देश की राजधानी दिल्ली और फिर बाकी प्रदेशों में धन का ऐसा जाल बुना कि उसके झांसे में कई बड़े-बड़े सूरमा आ गए.अब इसी तरह के पूंजीवादी प्रयोग के जरिए बिहार में एक नई पार्टी का गठन किया गया जिसका नाम है जनसुराज. इलेक्शन मैनेजमेंट के जरिए करोड़ों-अरबों कमाने वाले प्रशांत किशोर पार्टी के सर्वे-सर्वा हैं. ज़ाहिर है कभी मोदी तो कभी ममता के बीच झूलने वाले प्रशांत किशोर की कोई विचारधारा नहीं है. और संभवतः वे मानते होंगे कि राजनीति में प्रबंधन के जरिए समीकरण बनाए-बिगाड़े जा सकते हैं. लेकिन खुद को पॉलिटिकल पंडित मानने वाले प्रशांत किशोर ये सियासी ककहरा भी नहीं जानते हैं कि बिना विचारधारा और प्रतिबद्धता के किसी तरह की राजनीति हो ही नहीं सकती.या ये भी हो सकता है कि इस बात को जानते हुए प्रशांत किशोर बिना विचारधारा का एक मॉडल लेकर आए , जो बिहार के संपन्न मिडिल क्लास को सूट करता है.

यानी वो तबका जिसके पास पूंजी और राजनीतिक महत्वाकांक्षा के साथ सामाजिक वर्चस्व भी है, लेकिन सामाजिक न्याय की राजनीति से टकराकर उन्हें बिहार में हर बार मुंह की खानी पड़ती है. इसलिए बहुत मुमकिन है कि जनसुराज बिहार की तीन बड़ी राजनीतिक पार्टियों आरजेडी, बीजेपी और जेडीयू की बीच जगह नहीं तलाश करेगा, बल्कि एक के साथ रहकर बाकी दो को कमजोर करने की कोशिश बाहर से करता रहेगा.इसका प्रमाण लोकसभा चुनाव के दौरान अलग-अलग टीवी चैनलों पर दिए गए प्रशांत किशोर के साक्षात्कार के जरिए लगाया जा सकता है. वह व्यक्ति जिसे देश के राजनीतिक मिजाज की समझ हो, जिसके पास अलग-अलग राज्यों को डेटा हो, जो वोटिंग पैटर्न से वाकिफ हो, वो अकारण बीजेपी के 300 से पार जाने की भविष्यवाणी नहीं करेगा.

(जनचौक)

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

आस्था/श्रद्धा/ निष्ठा

हिंदी पत्रकारिता में जब किसी धार्मिक आयोजन का समाचार लिखना होता है तो आस्था, श्रद्धा और निष्ठा, इन तीनों शब्दों से पाला पड़ता ही है. हम भले ही इनका अर्थ न समझते हों, पर इनका प्रयोग धड़ल्ले से करते चले जाते हैं. प्रयोग भी काफी हद तक सटीक ही होता है. इसके बावजूद यदि हम इन शब्दों को अच्छी तरह जान लें तो इसका प्रयोग हम और भी अच्छे और प्रभावशाली ढंग से कर पायेंगे. तीनों शब्द अर्थ के दृष्टिकोण से भक्ति के बहुत करीब होते हैं. यदि यह प्रश्न किया जाये कि क्या आपको ईश्वर में आस्था है? तो आपका जवाब हां भी हो सकता है और नहीं भी. जहां आस्था है, वहां श्रद्धा भी हो, यह आवश्यक नहीं है. इसलिए कि आस्था और श्रद्धा में सूक्ष्म अंतर है. आस्था का मतलब होता है संशय और संदेह का अभाव. जब संशय और संदेह नहीं रहता तो विश्वास होता है और इसी विश्वास का नाम है आस्था. जहां पर आस्था होती है, वहां पर केवल विश्वास होता है. विश्वास या तो होता है या बिल्कुल भी नहीं होता. श्रद्धा का अर्थ है अहंकार का नहीं होना और आस्था का अर्थ है संशय और संदेह का नहीं होना. अर्थात पूर्ण विश्वास होना. आस्था का अर्थ है पूर्ण विश्वास और श्रद्धा का अर्थ है अहंकार रहित विश्वास. इससे मिलता जुलता तीसरा शब्द है निष्ठा. संस्कृत में विशेषण शब्द है निष्ठ, जो तत्सम के रूप में हिंदी में बहुप्रचलित है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार निष्ठ शब्द का अर्थ है ठहरा हुआ, स्थित, कार्य में लगा हुआ, तत्पर, मन से लगा रहनेवाला, विश्वास करनेवाला, किसी के प्रति श्रद्धा और भक्ति रखनेवाला. इसी से बना शब्द है निष्ठा, जिसका प्रयोग संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप में किया जाता है. इसका मतलब है भक्ति या श्रद्धा का भाव या मनोवृत्ति, गहरा अनुराग या विश्वास, स्थिति ठहराव, निश्चय, आधार, एकाग्रता, तत्परता, दक्षता तथा दृढ़ता.

खीर और खिचड़ी का आनंद लीजिए

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

खीर और खिचड़ी दोनों साथ साथ – ना बाबा ना. खीर और खिचड़ी का कोई साथ नहीं है. खीर के साथ खिचड़ी नहीं खाते और और खिचड़ी के साथ दही खाते हैं, खीर नहीं. खीर हर त्यौहार पर बनती है. खिचड़ी के लिए बस एक ही त्यौहार मुक़र्रर है. मकर संक्रांति का पर्व. इस दिन तिल-गुड और खिचड़ी खाई जाती है, मकर संक्रांति में खिचड़ी का इतना कुछ महात्म्य है कि मकर संक्रांति पर्व को खिचड़ी नाम से ही पुकारा जाने लगा है. पर खिचड़ी किसी अन्य त्यौहार पर नहीं बनाई जाती. खिचड़ी अधिकतर बीमारी-हारी में खाई जाती है. बीमारी में खीर नहीं दी जाती. खीर स्वस्थ लोगों का खाना है. खीर किसी की भी पकाएं (चावल की, लौकी की, गोभी की) लेकिन उसके लिए दूध आवश्यक है. खिचड़ी भले ही उरद की दाल की बनाएं या मूंग की दाल की, उसके लिए दूध बिलकुल गैर ज़रूरी है, चावल आवश्यक है.एक दूसरे से मेल न खाते हुए भी खीर और खिचड़ी, दोनों कम से कम एक बात में समान हैं. कहा यह जाता है कि खिचड़ी के चार यार – घी, दही, पापड, अचार. दूध और चावल की बनी सादा खीर भी खाने में स्वाद पूरा नहीं आता. खीर में मेवा भी पडी हो, मज़ा तभी आता है. इलाइची केसर पिस्ता बादाम-खीर का पूरा स्वाद लेने के लिए ज़रूरी हैं. राजनीति में अभी तक खिचड़ी पकती थी. कैसे चुनाव जीता जाए इसके लिए दलों में गुप-चुप मंत्रणाए होती थीं फिर भी जब एक पार्टी को बहुमत नहीं मिल पाता था, खिचड़ी सरकार बना ली जाती थी. खिचड़ी सरकार की अपनी सीमाएं हैं. ऐसी सरकार में जबतक पटती रहती है, लोग खिचड़ी स्वाद ले ले कर जीमते रहते हैं. अन्यथा खिचड़ी-सरकार पटरी से उतर जाती है. शायद ही कभी खिचड़ी सरकार अपना टर्म पूरा कर पाई हो. खिचड़ी सरकारों को हमेशा बदनामी ही हाथ लगी. शायद इसीलिए राजनीति का रुझान अब खीर की तरफ हो गया है. इसका संकेत केन्द्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा ने कर दिया है. पटना में उन्होंने यादव और कुशवाहा समाज को साथ लाने की वकालत करते हुए कहा की यदि यदुवंशियों का दूध और कुशवाहों का चावल मिल जाए तो खीर बढ़िया बन सकती है. साथ में दलितों,आदि, की पञ्च-मेवा भी मिल जाए तो खीर का स्वाद और भी बढ़ जाए. राजनीति में आप इशारे से बात करें तो लोग समझते नहीं. सीरियस से सीरियस बात को बस उड़ा देते हैं. कुशवाहा जी इशारा कर रहे हैं कि खिचड़ी कब तक पकाते-खाते रहोगे ? खीर खाओ खीर. लेकिन लोग हैं कि समझते ही नहीं. खिचड़ी खाने की लगता है आदत पड़ गई है. पर ऐसे लोगों की भी दुनिया में कमी नहीं है. मैं कई ऐसे लोगों को व्यक्तिगत रूप से जानता हूँ. खीर और खिचड़ी यदि दोनों उनके सामने रख दी जाएं, वे निश्चित रूप से खीर के मुकाबले खिचड़ी को ही वरीयता देंगे. राज-नेताओं को भी खिचड़ी खाने की आदत पड़ गई है. उन्हें वही स्वाद लगती है. खिचड़ी के बाद वे सीधे मलाई खाते हैं.

नवरात्र विशेष

राम नाम का दीप जला है मन के भीतर

न राम केवल किताबों और मंदिरों में हैं और न रावण केवल पुतलों और आख्यानों में. ये दोनों हमारे परिवेश में है, हमारे ही आसपास हमारे ही भीतर हैं. यही कारण है कि विजयदशमी पर हर साल खुद को राम मानते हुए हम रावण वध तो कर देते हैं, पर आसुरी शक्ति खत्म नहीं हो पाती. दरकार है अब हम अपने आसपास के दशानन की पहचान करें. आत्ममंथन करें कि कहीं हमारे मन के किसी कोने में तो रावण नहीं छिपा. साथ ही इस प्रसंग से कुछ सीख लें.

हमारी धार्मिक मान्यताओं और विश्वास की कहानियों में राम और रावण सबसे चर्चित चरित्र हैं. दोनों प्रकांड विद्वान, दोनों महायोद्धा. पर एक को हमने भगवान के रूप में पूजा तो दूसरा आसुरी शक्ति का प्रतीक बना. त्रेता युग में राम ने रावण का वध किया था. उसके बाद से हम विजयादशमी पर प्रत्येक वर्ष रावण वध की परंपरा का निर्वाह करते हैं. पर क्या वाकई आसुरी शक्ति का विनाश अब तक हो पाया है. सच पूछिए तो बिल्कुल नहीं. आज भी रावण हमारे भीतर-बाहर जीवित है. पर यह भी सच है कि मन के किसी कोने में राम भी विराजमान हैं. राम हैं यानि उम्मीद है, आशा है, विश्वास है. इस कारण तमाम बुराइयों के बाद भी एक भीतर बाहर की लड़ाई जारी है. दशहरा एक मौका है भीतर के राम को पहचानने का. एक अवसर है उन तमाम रावणों को बेनकाब परास्त करने का जो हमारी जिंदगी को कहीं न कहीं प्रभावित कर रहे हैं. आइए, विजयदशमी के बहाने राम और रावण की चर्चा करें. राम से सीख तो लें ही, रावण के व्यक्तित्व के बेहतर पहलुओं से भी सीखें.

▪ मृत्यु के साथ वैर का अंत

रावण के वध के बाद श्रीराम विभीषण से कहते हैं कि मृत्यु के साथ ही दुश्मनी का भी अंत हो जाता है. अब तुम रावण का अन्तिम संस्कार विधि-विधान से करने की तैयारी करो. जो वैर था, वह इसके प्राण के साथ निकल गया. अब यह तुम्हारी तरह मेरा भी प्रिय है. अपराध से घृणा करो अपराधी से नहीं-यह विचारधारा ही इन दिनों प्रशंसनीय है. यही तो है राम की सीख जो तमाम दुनिया का आदर्श है. यही राम की पहचान और परिभाषा भी है.

शबरी के वे जूठे बेर

विजयदशमी एक शुभ अवसर है, जब हम राम को याद करते हुए सामाजिक समरसता के लिए पहल करते हैं. हमारे प्रिय राम ने भी तो शबरी के जूठे बेर खाकर कुछ ऐसा ही संदेश दिया था. स्तरीकरण में नीचले पायदान पर खड़े दलित तबके के लिए मन में प्रेम-संवेदना का एक दीप तो जला कर तो देखिए, मन के भीतर के राम मुस्कुराते नजर आएंगे.

▪ बल इंद्रियों में नहीं संयम में है

दस सिर और बीस भुजाओं वाला, लोकजयी, शिवभक्त, स्वर्णनगरी का अधिपति और स्वयं यमराज को भी अपने अधीन कर लेने वाले रावण का सपरिवार नाश होता है. कन्द-मूल-फल आदि का आहार करने वाले, तपस्वी, वनवासी, जटा-वल्कलधारी श्रीराम उसे युद्ध में परास्त करते हैं. भारतीय सनातन जीवन दृष्टि यही संदेश देती है कि बल मात्र इन्द्रियों में निहित नहीं है. यह तो इन्द्रियों के संयम में निहित है. रावण के पास समस्त भोग-ऐश्वर्य विद्यमान हैं और श्रीराम सारे सुख-भोग त्यागकर संयम और तप का जीवन जी रहे हैं. परन्तु जब श्रीराम और रावण का संघर्ष होता है तो भोगों से पुष्ट बल से अधिक ताकतवर तपस्या से अर्जित शक्ति दिखती है.

▪ मानवीय मूल्यों की शक्ति

राक्षसों से लड़ते हुए भी श्रीराम मानवीय मूल्यों की शक्ति प्रदर्शित करते हैं. राम-रावण के युद्ध के दौरान एक ऐसा भी प्रसंग है कि जिसने रावण समेत सभी को आश्चर्यचकित किया. हुआ यूं कि एक दिन युद्धस्थल से महल में जब रावण लौटा तो बेहद थका और दुखी था. मन्दोदरी को आशंका हुई कि आज फिर कोई प्रियजन युद्ध में मारा गया होगा. पूछने पर रावण कहता है कि ऐसा नहीं, मैं तो राम के व्यवहार से विचलित हूं. मुझे जीवनदान देकर उसने शील का बाण मारा है. यह वेदना कहीं अधिक दुखद है. रावण ने आगे बताया कि निःशस्त्र होकर जब वह रथ से नीचे गिर गया तो राम ने उसे मारने की जगह छोड़ दिया. कहा कि हे लंकेश! अभी तुम युद्ध करने में समर्थ नहीं हो और मैं रघुवंशी होकर असमर्थ को नहीं मार सकता, तुम्हें प्राणदान देता हूं. जाओ, स्वस्थ होकर आना तब तुम्हारा वध करूंगा. रावण मन्दोदरी से कहता है कि इस पीड़ा का कोई उपचार मेरे पास नहीं है.

▪ छोटों को भी दें मान

कितनी नेक सलाह दी थी विभीषण ने, भैया! सीता मां को सम्मान पूर्वक विदा कर दें. रावण ने छोटे भाई की सलाह मानी होती तो लंका की रौनक कभी राख नहीं होती. इसलिए सुनें हम सबकी, और हां, छोटों को भी मान दें.

सीख तो दुश्मन से भी मिलती

रावण राजनीति शास्त्र का विद्वान था और भगवान राम भी यह भलीभांति जानते थे. इसलिए जब रावण मृत्यु का इंतजार कर रहा था, राम ने अनुज लक्ष्मण को उनके पास भेजा. इस उद्देश्य से कि वे राजनीति का पाठ पढ़ सके. दुश्मन से भी सीखने का ऐसा ही माद्दा हमारे भीतर भी होना चाहिए. आइए उन सीखों से हम भी रू-ब-रू हों-

- हमेशा उस मंत्री/अधीनस्थ पर भरोसा करें जो आपकी सबसे अधिक आलोचना करता है.
- अपने भाई, सारथी, दरबान और खानसामा से भी वैर मत मोल लीजिए. इनका वैर बहुत भारी पर सकता.
- भले जीत आपकी आदत सी बन गई हो, पर खुद को विजेता मानने की भूल मत करें.
- भगवान पर भरोसा कीजिए. उससे प्यार या गुस्सा जो भी हो, पूरी शिद्दत के साथ, पूरी मजबूती से.
- दुश्मन को हमेशा बड़ा कर आंकिए. उसे कमजोर या छोटा समझना भूल होती है, जैसे हनुमान के मामले में भूल हुई.
- जीत चाहते हैं तो लालच को परे रखिए. लालच हाथ आई जीत को भगा देगा.
- राजा को लोकहितकारी काम करने चाहिए. भलाई का कोई मौका नहीं चूके, इसके लिए सतत प्रयत्नशील रहे.
- किस्मत का पलड़ा भारी होता. इस मुगालते में मत रहिए कि आप किस्मत को हरा सकते. जो भाग्य में बदा है, भोगना होगा.

होगा शोक, भय और दरिद्रता का नाश

आचार्य अजय मिश्रा

विजयदशमी के दिन कुछ खास परंपराओं का निर्वहन किया जाता है. मान्यता है कि इससे खुशहाली के द्वार खुलते हैं और भय-शोक का नाश होता है. आइए, आज ऐसी ही कुछ परंपराओं की चर्चा करें-

शमी पौधे की पूजा

दशहरा शमी के पौधे को घर में लाकर पौधरोपण किया जाता है. लोग शमी के वृक्ष की पूजा करते हैं और इसके पत्ते को परिजनों में वितरित भी करते हैं. ऐसी मान्यता है कि इससे समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं. घर में मां लक्ष्मी का वास होता है. समस्त देवी देवताओं की कृपा बनी रहती है. मान्यता यह भी है कि घर में शमी का पौधा रहता है तो नकारात्मकता टिक नहीं सकती और सकारात्मक माहौल बना रहता है. यह संकट से बचाता है और सभी प्रकार के तंत्र-मंत्र के असर को खत्म करता है.

नीलकंठ पक्षी का दर्शन

दशहरा के दिन नीलकंठ पक्षी का दर्शन शुभ माना जाता है. नीलकंठ के दर्शन शुभ और भाग्य जगाने वाले माने गए हैं. इस परंपरा को महत्व इसी से समझा जा सकता है कि लोग दशहरा के दिन शहर से दूर जंगल, खेतों में जाते हैं और कोशिश करते हैं कि उन्हें नीलकंठ के दर्शन हो जाएं. इससे पूरे साल हर काम में सफलता मिलती है. साथ ही घर में धन-धान्य बढ़ता है. घर में शुभ-मांगलिक आयोजन होते हैं. मान्यता है कि प्रभु श्रीराम ने नीलकंठ पक्षी के दर्शन किए थे और फिर उन्होंने रावण पर विजय प्राप्त की थी.

शस्त्र पूजन

विजयादशमी के दिन शस्त्र पूजा का महत्व कितना है, यह इसी से समझा जा सकता है कि भारतीय सेना भी हर साल दशहरे के दिन शस्त्र पूजा करती है. इस पूजा में सबसे पहले मां दुर्गा की दोनो योगनियां जया और विजया की पूजा होती है फिर अस्त्र-शस्त्रों को पूजा जाता है. इस पूजा का उद्देश्य सीमा की सुरक्षा में देवी का आशीर्वाद प्राप्त करना है. मान्यता है कि इससे शोक, भय और दरिद्रता का नाश होता है. भगवान राम ने भी रावण से युद्ध करने से पहले शस्त्र पूजा की थी.

अपराजिता पूजा

देवी अपराजिता की उपासना के बिना नवरात्र की पूजा अधूरी मानी जाती है. इसलिए विजयादशमी के दिन मां दुर्गा की विदाई से पूर्व अपराजिता के फूल से मां की पूजा कर उनसे अभयदाय मांगा जाता है. इस तरह की आराधना से देवी प्रसन्न होकर विजयी होने का आशीर्वाद प्रदान करती हैं. अपराजिता पुष्प को माता दुर्गा का ही स्वरूप माना गया है और इसके पूजा करने का विशेष महत्व माना गया है. अपराजिता की पूजा के बाद मांएं अपनी बच्चों की कलाई पर अपराजित की बेल लपेटकर हमेशा उनके दीर्घायु होने का आशीर्वाद देती हैं.

पान खाना

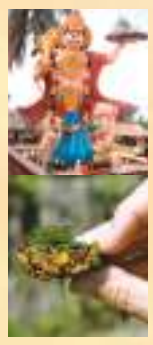

विजयादशमी के दिन पान खाने और हनुमानजी को पान का बीड़ा अर्पित करने की परंपरा रही है. यूं तो पान-सुपारी पूजा का अनिवार्य अंग है और पूरे नवरात्रि के दौरान माता को अर्पित किया जाता है. लेकिन विजयादशमी के दिन विशेषतौर पर पान खाने की परंपरा है. साथ ही दशहरे के दिन हनुमानजी को पान का बीड़ा खिलाना बहुत शुभ माना जाता है. कहते हैं हनुमानजी को बीड़ा बहुत पसंद है. हनुमानजी को बीड़ा अर्पित करने से सभी तरह की मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं और संकट भी दूर हो जाते हैं.

दहन नहीं, यहां होता रावण का पूजन

विजयादशमी रावण वध का पर्व है. आसुरी शक्ति, अंहकारी, पर स्त्री पर नजर रखने वाले क्रोधी रावण का वध कर हम उल्लास मनाते हैं. लेकिन देश के कुछ हिस्से में वही रावण पूजा का अधिकारी है. आइए जानें कि कहां पूजे जाते हैं रावण और नहीं होता रावण वध...

गढ़चिरौली, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के गोंड आदिवासी रावण और उनके पुत्र मेघनाद को देवताओं के रूप में पूजते हैं. गोंड आदिवासियों का मानना है कि वाल्मीकि रामायण में रावण कभी भी राक्षसी नहीं था और ऋषि वाल्मीकि ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया था कि रावण ने कुछ भी गलत नहीं किया या सीता को बदनाम नहीं किया. यह तो तुलसीदास थे जिन्होंने रावण को एक क्रूर और शैतान राजा के रूप में चित्रित किया था.

मंदसौर, मध्यप्रदेश

रामायण के अनुसार, रावण मंदसौर के लोगों का दामाद था. यह उसकी पत्नी मंदोदरी का पैतृक घर था. मंदसौर में लोगों से पूछिए तो एक विद्वान के रूप में उनकी तारीफ करते नहीं थकते. दामाद से लिहाज ऐसा कि यहां की बहुएं रावण की प्रतिमा के सामने घूंघट डालकर जाती हैं. भगवान शिव की भक्ति के लिए यहां उनकी पूजा की जाती है. इस स्थान पर रावण की 35 फुट ऊंची मूर्ति है. यहां के खानपुरा क्षेत्र में रुण्डी नामक स्थान पर रावण की प्रतिमा स्थापित है, जिसके 10 सिर हैं.

जोधपुर, राजस्थान

मान्यता है कि रावण की ससुराल जोधपुर में है. रावण की पत्नी महारानी मंदोदरी जोधपुर के मंडोर के राजा की पुत्री थी. लंका से जब रावण बारात लेकर जोधपुर के मंडोर आए थे, तब उनके साथ बारात में गोदा गोत्र के श्रीमाली ब्राह्मण भी यहां आए थे. शादी के बाद रावण तो मंदोदरी को लेकर लंका लौट गए लेकिन गोदा गोत्र के श्रीमाली ब्राह्मण जोधपुर में ही रह गए. तब से लेकर आज तक वे यहां दशानन की पूजा और आराधना करते हैं. आलम ये है कि यह समाज दशहरे को शोक के रूप में मनाते हैं. रावण दहन भी नहीं देखते. जोधपुर के मेहरानगढ़ फोर्ट की तलहटी में रावण और उसकी पत्नी मंदोदरी का मंदिर बना हुआ हैं.

मांड्या व कोलार, कर्नाटक

फसल उत्सव के दौरान, कर्नाटक में कोलार जिले के लोगों द्वारा रावण की बीस भुजाओं वाली मूर्ति की पूजा की जाती है. कर्नाटक के मांड्या जिले के मालवल्ली तालुका में भी भगवान शिव के प्रति समर्पण का सम्मान करने के लिए हिंदू भक्तों द्वारा रावण के मंदिर में पूजा की जाती है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

रोहित से लेकर नीरज तक सभी खिलाड़ियों ने जताया दुख

रतन टाटा के निधन से गमगीन हुआ खेल जगत

एजेंसी। नयी दिल्ली

देश के जाने-माने उद्योगपति रतन टाटा ने बुधवार को मुंबई के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली. 86 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया. इस खबर ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है. वहीं, खेल के जगत सितारों ने भी इस पर दुख जताना शुरू कर दिया है. बता दें कि, सोमवार को टाटा स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल में भर्ती हुए थे. बाद में उन्होंने ही आईसीयू में भर्ती होने के दावों का खंडन कर दिया था. हालांकि, बुधवार को उन्हें एक बार फिर अस्पताल में भर्ती कराया गया था. डॉक्टरों की टीम की तमाम कोशिशों के बाद भी उन्हें नहीं बचाया जा सका.

रोहित शर्मा : एक ऐसे व्यक्ति जिसका दिल सोने जैसा था. सर, आपको हमेशा एक ऐसे व्यक्ति के रूप में याद किया जाएगा जिसने वास्तव में दूसरों की परवाह की और अपना जीवन दूसरों की बेहतरी के लिए जिया.

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड

बीसीसीआई श्री रतन टाटा जी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करता है और पूरे देश के साथ शोक व्यक्त करता है. विभिन्न क्षेत्रों में उनके अमूल्य योगदान ने भारत के विकास और सफलता की कहानी को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. जुनून, सहानुभूति, दूरदर्शी नेतृत्व, नवाचार और उत्कृष्टता के सिद्धांतों पर आधारित उनकी असाधारण विरासत आने वाले वर्षों में भावी पीढ़ियों को प्रेरित और मार्गदर्शन करती रहेगी.

नीरज चोपड़ा : श्री रतन टाटा जी के निधन के बारे में सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ. वह एक दूरदर्शी व्यक्ति थे, और मैं उनके साथ हुई बातचीत को कभी नहीं भूल पाऊंगा. उन्होंने पूरे देश को प्रेरित किया. मैं प्रार्थना करता हूं कि उनके प्रियजनों को शक्ति मिले. ओम शांति.

मोहम्मद शमी : रतन टाटा सर, आपने अपना पूरा जीवन हमारे देश की प्रगति के लिए समर्पित कर दिया. आपकी विनम्रता, दूरदर्शिता और करुणा हमें हमेशा प्रेरित करती रहेगी.

जय शाह : श्री रतन टाटा जी के निधन से बहुत दुखी हूं. उनके नेतृत्व, ईमानदारी और समाज के प्रति समर्पण ने विरासत के लिए एक उल्लेखनीय मानक स्थापित किया. उनके प्रियजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं.

सूर्यकुमार यादव : एक युग का अंत. दयालुता की प्रतिमूर्ति, सबसे प्रेरणादायक, एक अद्भुत व्यक्ति. सर, आपने बहुत से दिलों को छुआ है. आपका जीवन राष्ट्र के लिए एक आशीर्वाद रहा है. आपकी अंतहीन और बिना शर्त सेवा के लिए धन्यवाद. आपकी विरासत हमेशा जीवित रहेगी.

सुरेश रैना : भारत ने एक सच्चा आदर्श खो दिया है. रतन टाटा सर के दूरदर्शी नेतृत्व, करुणा और परोपकार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने हमारे देश और दुनिया पर एक अमिट छाप छोड़ी है. उनकी विरासत हम सभी को प्रेरित करती रहेगी.

यूसुफ पठान : श्री रतन टाटा जी के निधन पर हार्दिक संवेदनाएं. उनके उल्लेखनीय नेतृत्व, वैश्विक अधिग्रहण और परोपकारी प्रयासों ने लाखों लोगों के जीवन पर स्थायी प्रभाव डाला है. उनकी विरासत हमें हमेशा प्रेरित करती रहेगी.

वीवीएस लक्ष्मण : हमारे देश के महान व्यक्तियों में से एक के रूप में एक युग का अंत, श्री रतन टाटा जी का निधन. उन्हें हमारे देश के लिए उनके अमूल्य योगदान और एक अविश्वसनीय रोल-मॉडल होने के लिए हमेशा याद किया जाएगा. दुनिया भर में उनके सभी शुभचिंतकों और प्रशंसकों के प्रति हार्दिक संवेदना. ओम शांति.

वीरेंद्र सहवाग : हमने भारत के एक सच्चे रतन श्री रतन टाटा जी को खो दिया है. उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा और वे हमारे दिलों में हमेशा जीवित रहेंगे. ओम शांति.

इरफान पठान : श्री रतन टाटा जी के निधन से बहुत दुखी हूं. वे सिर्फ एक बिज़नेस लीडर ही नहीं थे, बल्कि लाखों लोगों के लिए एक सच्ची प्रेरणा थे. भारत के विकास पर उनका समर्पण, ईमानदारी और प्रभाव बेमिसाल है. हमने एक दिग्गज को खो दिया है, लेकिन उनकी विरासत हमेशा अमर रहेगी.

लाल बजरी के बादशाह राफेल नडाल ने किया संन्यास का ऐलान

एजेंसी। नई दिल्ली

- फ्रेंच ओपन को रिकॉर्ड 14 बार जीतने वाले राफेल नडाल का प्रोफेशनल टेनिस करियर थम गया
- एक इमोशनल वीडियो शेयर करते हुए टेनिस को अलविदा कह दिया
- ओलंपिक में उन्होंने आखिरी बार हिस्सा लिया था, उन्होंने लेवर कप से अपना नाम वापस ले लिया था

सर्वकालिक महानतम टेनिस खिलाड़ियों में से एक राफेल नडाल संन्यास का ऐलान कर दिया है. उन्होंने एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए अपने चाहने वालों को रिटायरमेंट की खबर दी. 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने उस खेल को अलविदा कहा, जिसमें उन्होंने अब तक के सबसे पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई थी. उन्हें मौजूदा दौर में स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर और सर्बिया के नोवाक जोकोविच के साथ महान खिलाड़ियों में शामिल किया जाता है.

पिछले महीने नडाल ने लेवर कप 2024 से अपना नाम वापस ले लिया था. यह प्रोफेशनल टेनिस में उनका आखिरी अंतिम इवेंट था. पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद नडाल ने पुष्टि की थी कि 2024 में लेवर कप उनका अगला इवेंट होगा. नडाल ने लेवर कप में 2017 में प्राग, 2019 में जिनेवा और फिर 2022 में लंदन में हिस्सा लिया था, जो उनके दोस्त और महान रोजर फेडरर के करियर के आखिरी मैच भी था. उन्होंने उसमें रोजर फेडरर के साथ जोड़ी बनाकर डबल्स में हिस्सा लिया था.

22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने पहले संकेत दिया था कि 2024 उनके दौरे का आखिरी साल हो सकता है. नडाल का इस सीजन में 12-7 मैच रिकॉर्ड है और उन्होंने आखिरी बार पेरिस ओलंपिक में भाग लिया था, जहां वह दूसरे दौर में नोवाक जोकोविच से हार गए थे.

राफेल नडाल को किंग ऑफ क्ले यानी लाल बजरी का बादशाह क्यों कहते हैं?

दरअसल, उन्होंने फ्रांस में खेली जाने वाले ग्रैंड स्लैम फ्रेंच ओपन को रिकॉर्ड 14 बार जीता. इस टूर्नामेंट को लाल बजरी पर खेला जाता है. यही वजह है कि उन्हें इसका किंग कहा जाता है.

ब्रीफ खबरें

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ग्रीन का खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन का पीठ में लगी चोट के चलते भारत के ख़िलाफ़ होने वाली अहम बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज़ में खेलना संदिग्ध माना जा रहा है. दरअसल, इंग्लैंड दौरे पर ग्रीन को लगी चोट के उपचार के लिए उन्हें सर्जरी से गुज़रना पड़ सकता है. हालांकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की मेडिकल टीम के मुताबिक़ सर्जरी आख़िरी विकल्प है, उससे पहले वह कोशिश कर रहे हैं कि भारत के ख़िलाफ़ होने वाली टेस्ट सीरीज़ से पहले बिना सर्जरी के वह ठीक हो जाएं. इंग्लैंड के ख़िलाफ़ तीसरे वनडे के बाद ही ग्रीन को पीठ में तकलीफ़ हुई थी.

भारतीय टीम अच्छी बल्लेबाजी करती है

नई दिल्ली। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने बुधवार को भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मिली हार के बाद भारतीय टीम के दृष्टिकोण और निष्पादन की प्रशंसा की. बुधवार को दिल्ली में खेले गए दूसरे टी20 मैच में भारत ने बांग्लादेश को 86 रनों से हरा दिया. पोस्ट मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में तस्कीन ने कहा, "भारत ने वाकई बहुत अच्छी बल्लेबाजी की. वे ऐसा सिर्फ भारतीय परिस्थितियों में ही नहीं बल्कि सभी परिस्थितियों में करते हैं. उन्होंने अंत तक अच्छी बल्लेबाजी की.

शाकिब ने चुप्पी के लिए मांगी माफी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के हरफनमौला खिलाड़ी शाकिब अल हसन ने बुधवार को अपना राजनीतिक रुख स्पष्ट कर दिया, जिससे उनके लिए बांग्लादेश में घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विदाई टेस्ट खेलने का रास्ता साफ हो गया, जैसा कि उन्होंने उम्मीद की थी.इससे पहले, युवा और खेल सलाहकार, आसिफ महमूद शोजिब भुयान ने जोर देकर कहा था कि शाकिब को सुरक्षा मांगने से पहले अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी. शेख हसीना के शासन के पतन के दो महीने बाद, उन्होंने आखिरकार छात्र आंदोलन पर अपने रुख पर चुप्पी तोड़ी. पूर्व सांसद ने उस दौरान चुप रहने के लिए माफी मांगी. अपने घर में होने वाले अपने अंतिम टेस्ट मैच में लोगों से समर्थन मांगा.

रूट-ब्रूक की पारी से लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट इतिहास का चौथा सर्वोच्च स्कोर बनाया

एजेंसी। मुल्तान

इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ मुल्तान में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में पहली पारी सात विकेट पर 823 रन बनाकर घोषित की. इंग्लैंड ने इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का चौथा सर्वोच्च बनाया. इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक ने सबसे ज्यादा 317 रन बनाए और उनका साथ जो रूट ने बखूबी निभाया. रूट ने 262 रनों की पारी खेली. रूट और ब्रूक की शानदार पारियों से इंग्लैंड ने टेस्ट में कीर्तिमान रचा और रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी.

पाकिस्तान ने पहली पारी में 556 रन बनाए थे, लेकिन उसकी गेंदबाजी काफी खराब रही और रूट तथा ब्रूक ने शानदार पारी खेल इंग्लैंड को बढ़त दिला दी. पहले टेस्ट के चौथे दिन इंग्लैंड ने पाकिस्तान पर 267 रनों की बढ़त बना ली है. इस दौरान ब्रूक ने अपने करियर का पहला तिहरा शतक जड़ा. ब्रूक एक पारी में 300 से अधिक रन बनाने वाले छठे इंग्लिश बल्लेबाज बन गए.

रूट-ब्रूक ने की इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ी साझेदारी : इंग्लैंड अगर पाकिस्तान के खिलाफ बढ़त लेने में सफल रहा तो उसका सबसे बड़ा श्रेय ब्रूक और रूट की साझेदारी को जाता है. पाकिस्तान के बड़े स्कोर के जवाब में इंग्लैंड ने एक समय अपने तीन विकेट 249 रन पर गंवा दिए थे. लेकिन इसके बाद रूट और ब्रूक ने अपने पैर चट्टान की तरह क्रीज पर जमा लिए.

दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 454 रनों की साझेदारी की. यह टेस्ट में किसी भी विकेट के लिए की गई चौथी सबसे बड़ी और इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है.

ब्रूक इंग्लैंड के लिए तिहरा शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज

ब्रूक ने इसके साथ ही एक खास उपलब्धि अपने नाम कर ली. 34 साल में वह इस प्रारूप में इंग्लैंड के लिए तिहरा शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं. ब्रूक पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए. इससे पहले यह कारनामा 1954 में डेनिस कॉम्पटन ने किया था, जिन्होंने ट्रेंट ब्रिज में 278 रनों की पारी खेली थी. वहीं, इंग्लैंड के लिए 34 साल बाद किसी बल्लेबाज ने टेस्ट में तिहरा शतक जड़ा है. ब्रूक से पहले यह कारनामा इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ग्राहम बूच ने किया था. उन्होंने 1990 में भारत के खिलाफ 333 रन बनाए थे.

310 गेंद, 28 चौके, 3 छक्के... हैरी ब्रूक ने जड़ दिया तिहरा शतक

मुल्तान : इंग्लैंड के हैरी ब्रूक ने पाकिस्तान के खिलाफ मुल्तान के महशूर क्रिकेट मैदान पर तिहरा शतक जड़ते हुए इतिहास रच दिया है. यही वही मैदान है, जहां वीरेंद्र सहवाग ने 2004 में पाकिस्तान के गेंदबाजों को पस्त करते हुए तिहरा शतक जड़ा था और मुल्तान का सुल्तान होने का तमगा हासिल किया था. हैरी ने वीरेंद्र सहवाग के अंदाज में ही सैम अयुब को 144वें ओवर की तीसरी गेंद पर चौका जड़ते हुए तिहरा शतक पूरा किया. वह इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक बनाने वाले छठे बल्लेबाज बन गए हैं. इससे पहले जो रूट 375 गेंदों में 17 चौके के दम पर 262 रन बनाकर आउट हुए.हैरी पाकिस्तान के खिलाफ तिहरा शतक लगाने वाले दुनिया के 5वें बल्लेबाज बन गए हैं. उनसे पहले वेस्टइंडीज के गैरी सोबर्स ने 1958 में नाबाद 365 रन की पारी खेली थी, जबकि 2019 में ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर ने नाबाद 335 रनों की पारी खेली थी.

श्रीलंका के खिलाफ भारत की 'सर्वश्रेष्ठ फील्डर' रहीं राधा यादव

एजेंसी। दुबई

बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव को बुधवार रात दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में महिला टी20 विश्व कप में श्रीलंका पर भारत की बड़ी जीत में उनके शानदार कैच के लिए सर्वश्रेष्ठ फील्डर का पुरस्कार दिया गया. दुबई में बुधवार 9 अक्टूबर को खेले गए ग्रुप ए के इस मुकाबले में टीम इंडिया हर मोर्चे पर अव्वल साबित हुई, जिसमें सबसे अहम थी फील्डिंग. जहां पिछले दो मुकाबलों में भारतीय फील्डर आसान कैच छोड़ रहे थे, वहीं इस मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों के तेवर काफी बदले दिखे. राधा यादव, रेणुका सिंह और विकेटकीपर ऋचा घोष के बेहतरीन कैच ने भारत को एक बड़ी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई. सबसे पहले, बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मात्र तीन विकेट के नुकसान पर 172 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया. इसके बाद, सभी पांच गेंदबाजों ने विकेट लिए और इस दौरान उनका इकॉनमी रेट काफी अच्छा रहा, जबकि फील्डरों ने शानदार कैच लपके. इस तरह भारत ने श्रीलंका को 82 रनों से हराया और 0.560 के नेट रन रेट के साथ ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गई. फील्डिंग कोच मुनीश बाली ने मैदान पर शानदार प्रदर्शन के लिए भारतीय टीम की तारीफ की. बीसीसीआई.टीवी पर पोस्ट किए गए वीडियो में उन्होंने कहा, "शानदार प्रदर्शन...हमने 9 कैच लपके और एक स्टंपिंग की. एक भी गेंद पर कोई गलती नहीं हुई." उन्होंने राधा को मैच की सर्वश्रेष्ठ फील्डर घोषित करने से पहले शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष, रेणुका सिंह ठाकुर और सजना सजीवन की शानदार फील्डिंग की सराहना की. भारत की जीत पर विचार करते हुए मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा, "क्या जीत है. अगले 3-4 दिन हम जितना संभव हो सके, उतना मैदान पर टिके रहेंगे. आपने मैदान पर अपना काम कर दिया है. एक दिन खत्म हो गया... सभी टिक सही रहे. अच्छी टीमें, खराब टीमें, प्रभावशाली टीमें हमेशा अपनी हार को याद रखती हैं, इसे याद रखें."

सिनर, अल्काराज शंघाई मास्टर्स के क्वाफा में

एजेंसी। शंघाई (चीन)

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जानिक सिनर ने बुधवार को एटीपी शंघाई मास्टर्स के चौथे दौर में अमेरिकी बेन शेल्टन को 6-4, 7-6(1) से सीधे सेटों में हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली. शुरुआती सेट में, शेल्टन की आक्रामक शुरुआत का सामना करते हुए, जिन्होंने 2-1 पर दो ब्रेक पॉइंट बनाए, सिनर ने अपनी दृढ़ता दिखाई. नौवें गेम में, इतालवी खिलाड़ी को आखिरकार मैच का पहला ब्रेक पॉइंट हासिल करने का मौका मिला और उसने इसे सफलतापूर्वक 5-4 की बढ़त में बदल दिया. शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार जब दूसरे सेट में निर्णायक टाई-ब्रेक की बात आती है, तो शेल्टन ने सर्विस पर शुरुआती पॉइंट हासिल किया, लेकिन सिनर ने अपने प्रतिद्वंद्वी को बाद में कोई मौका नहीं दिया और महत्वपूर्ण क्षणों में सर्वश्रेष्ठ प्रहार करते हुए लगातार सात पॉइंट जीते. सिनर ने जीत के बाद कहा, "जाहिर है, हम सिर्फ़ एक मैच नहीं जीत सकते. मुझे लगता है कि आज का मैच बहुत कठिन था. पहले और दूसरे सेट में उसके पास मौके थे. मैंने जिस तरह से इस स्थिति को संभाला, उससे मैं खुश हूं. जाहिर है, मैं पिछले साल जिस स्थिति में था, वहां पहुंच गया हूं, लेकिन यह अलग है. इसलिए मैं जिस स्थिति में हूं, वहां पहुंचकर खुश हूं."

23 वर्षीय खिलाड़ी ने इस सीज़न में अब तक खेले गए सभी 14 टूर्नामेंटों में क्वार्टर फ़ाइनल तक का सफ़र तय किया है. अपनी निरंतरता के रहस्य के बारे में, सिनर ने कहा कि वह हर चुनौती को स्वीकार करने की कोशिश करते हैं. उन्होंने कहा, "कोर्ट पर हमेशा बहुत कठिन समय होता है. आपको उनके खिलाफ़ जाने के लिए मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए. मैं यही करने की कोशिश कर रहा हूं." दूसरी तरफ़, कार्लोस अल्काराज़ ने भी गाएल मोंफिल्स को 6-4, 7-5 से हराकर क्वार्टर फ़ाइनल में प्रवेश किया. फ्रेंचमैन ने अगस्त में सिनसिनाटी ओपन में अल्काराज़ को हराया था. चाइना ओपन में खिताब जीतने के बाद अल्काराज़ शंघाई में परिणाम को लेकर आशावादी थे. उन्होंने कहा, "मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और शारीरिक रूप से मुझे ज़्यादा समस्याएं नहीं हैं. मैं हाल ही में शानदार टेनिस खेल रहा हूं, इसलिए मुझे इस टूर्नामेंट में आगे बढ़ने का बहुत भरोसा है." बुधवार को ही नोवाक जोकोविच ने रोमन सफीउलिन पर 6-3, 6-2 से आसान जीत हासिल की और शंघाई मास्टर्स के अपने 10वें क्वार्टर फ़ाइनल में पहुंच गए.

रिचर्ड गास्के रौलां-गैरो के बाद संन्यास लेंगे

नई दिल्ली। पूर्व नंबर 7 टेनिस खिलाड़ी रिचर्ड गास्के ने अगले साल रौलां-गैरो के बाद संन्यास लेने की अपनी योजना का खुलासा किया है, जो कि क्ले कोर्ट मेजर है. गास्के ने 16 एटीपी टूर खिताब जीते हैं, जिनमें से सबसे हाल ही में पिछले साल ऑकलैंड में जीता था. उन्होंने शीर्ष 10 प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ 36 जीत दर्ज की हैं और 2007 और 2013 में दो बार एटीपी फाइनल में भाग लिया है. फ्रांसीसी खिलाड़ी विंबलडन (2007 और 2015) और यूएस ओपन (2013) में सेमीफाइनलिस्ट थे. गास्के ने फ्रांसीसी राष्ट्रीय खेल दैनिक एल''इक्विप के साथ एक साक्षात्कार में कहा, "मुझे लगता है कि मेरे लिए ऐसा करना सबसे अच्छा पल है. ऐसा करना सबसे अच्छा टूर्नामेंट है. यह शानदार है, हमारे पास फ्रांसीसी होने के नाते इस तरह के अविश्वसनीय स्थानों पर रुकने का मौका है.

भारत की जीत से पाकिस्तान को लगा झटका

एजेंसी। नयी दिल्ली

सेफा की राह हुई कठिन

श्रीलंका के खिलाफ जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तान के लिए मुश्किलें पैदा कर दी हैं. भारत बनाम श्रीलंका मैच से पहले ग्रुप ए की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रहने वाली फातिमा सना की टीम अब तीसरे पायदान पर खिसक गई है. उनकी जगह हरमनप्रीत कौर की टीम ने ले ली है. ग्रुप ए के समीकरणों में किस तरह भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंच सकती है.

दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत 82 रनों से जीत के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया. इस मैच से पहले उनका नेट रनरेट चिंता का विषय बना हुआ था. हालांकि, श्रीलंका के खिलाफ जीत के साथ उनका नेट रनरेट अब 0.576 का हो गया है और उनके खाते में चार अंक हो गए हैं. शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया की टीम है जिनका नेट रनरेट ग्रुप की अन्य टीमों के मुकाबलों काफी बेहतर है. लगातार दो मैचों में दो जीत के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम का नेट रनरेट 2.524 का है और उनके खाते में चार अंक हैं.

भारत की इस जीत ने पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ा दी हैं. दरअसल, दोनों ग्रुपों की अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीमें ही सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करती हैं. अब भारत को अपना अंतिम मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना है. यह मैच 13 अक्तूबर को दुबई में ही खेला जाएगा. अगर भारत इस मैच में जीत हासिल करने में कामयाब होता है तो उनकी स्थिति अंक तालिका में मजबूत हो जाएगी बशर्ते उन्हें यह मैच बड़े अंत से जीतना होगा.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के अलावा भारत को उम्मीद करनी होगी कि न्यूजीलैंड और पाकिस्तान दोनों अपने बचे हुए दो मैचों में से कम से कम एक मैच हार जाएं. तब भारत नेट रनरेट पर निर्भर हुए बिना अंकों के आधार पर क्वालिफाई कर जाएगा. ऑस्ट्रेलिया के अपने बचे हुए दोनों मैच हारने की स्थिति में भी भारत अंकों के आधार पर सेमीफाइनल में पहुंच सकता है. उस स्थिति में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान में से केवल एक ही टीम छह अंक हासिल कर सकती है. अगर भारत अपने आखिरी लीग मैच में ऑस्ट्रेलिया को हरा देता है तो ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच छह अंकों के साथ त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है.

हॉकी इंडिया लीग 2024-25 सात साल बाद एचआईएल नये रूप के साथ कर रही वापसी, तीन दिन तक चलेगी खिलाड़ियों की नीलामी

नीलामी में 1000 से ज़्यादा महिला-पुरुष हॉकी खिलाड़ी शामिल होंगे

शुभम किशोर। रांची

2024-25 सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक होने वाली है, जिसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं के साथ वैश्विक सितारों सहित 1000 से ज़्यादा खिलाड़ी शामिल होंगे. सात साल के अंतराल के बाद, एचआईएल एक विस्तारित प्रारूप के साथ वापसी कर रहा है जिसमें पुरुषों और पहली बार एक विशेष महिला लीग दोनों शामिल हैं, जो एक साथ चलेंगी. पुरुषों के लिए हॉकी इंडिया लीग फिर से शुरू हो रही है और महिला लीग का उद्घाटन सत्र इस सीज़न में शुरू होने वाला है.

तीन दिन चलेगा खिलाड़ियों की नीलामी : पुरुषों की नीलामी 13 और 14 अक्टूबर को होगी, जबकि महिलाओं की ऐतिहासिक नीलामी 15 अक्टूबर को होगी. 400 से ज़्यादा घरेलू और 150 से ज़्यादा विदेशी पुरुष खिलाड़ियों के साथ-साथ 250 घरेलू और 70 विदेशी महिला खिलाड़ियों की नीलामी होगी. खिलाड़ियों को तीन बेस प्राइस कैटेगरी में बांटा गया है: 2,00,000 रुपये, 5,00,000 रुपये और 10,00,000 रुपये, जो उनके द्वारा खुद के लिए चुने गए मूल्य पर आधारित है. 2,00,000 रुपये की श्रेणी में 600 से ज़्यादा खिलाड़ी, 5,00,000 रुपये की श्रेणी में 250 से ज़्यादा खिलाड़ी और 10,00,000 रुपये की श्रेणी में 250 से ज़्यादा खिलाड़ी शामिल हैं. पुरुषों की नीलामी की शुरुआत पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारत की टीम से होगी, जिसमें कप्तान हरमनप्रीत सिंह, उप कप्तान हार्दिक सिंह और मनप्रीत सिंह तथा मंदीप सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं. उत्साह को और बढ़ाते हुए, रूपिंदर पाल सिंह, बीरेंद्र लाकड़ा और धरमवीर सिंह जैसे पूर्व भारतीय हॉकी दिग्गजों ने भी पंजीकरण कराया है, जिससे इस बहुप्रतीक्षित आयोजन के लिए मंच तैयार हो गया है. आर्थर वैन डोरेन, अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स, गोंजालो पेइलाट, जिप जानसेन, थिएरी ब्रिंकमैन और दयान कैसिएम जैसे अंतरराष्ट्रीय हॉकी आइकन पुरुषों की लीग में वैश्विक प्रतिभा को जोड़ेंगे.

सभी टीम में 24 खिलाड़ी होंगे : प्रत्येक टीम में 24 खिलाड़ी होंगे, जिनमें 16 भारतीय खिलाड़ी (4 जूनियर खिलाड़ियों के अनिवार्य समावेश के साथ) और 8 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे, जो स्थानीय और वैश्विक प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के एचआईएल के दृष्टिकोण को दर्शाता है. खिलाड़ियों को तीन बेस प्राइस कैटेगरी में बांटा गया है: 2,00,000 रुपये, 5,00,000 रुपये और 10,00,000 रुपये, जो उनके द्वारा खुद के लिए चुने गए मूल्य पर आधारित है. 2,00,000 रुपये की श्रेणी में 600 से ज़्यादा खिलाड़ी, 5,00,000 रुपये की श्रेणी में 250 से ज़्यादा खिलाड़ी और 10,00,000 रुपये की श्रेणी में 250 से ज़्यादा खिलाड़ी शामिल हैं.

महिला खिलाड़ियों की भी होगी नीलामी

नीलामी की शुरुआत अनुभवी गोलकीपर सविता, कप्तान सलीमा टेटे, उभरती हुई स्टार और ड्रैग-फ्लिकर दीपिका, सबसे अधिक मैच खेलने वाली भारतीय महिला खिलाड़ी वंदना कटारिया और लालरेम्सियामी सहित शीर्ष खिलाड़ियों से होगी. योगिता बाली, लिलिमा मिंज और नमिता टोप्पो जैसी पूर्व भारतीय खिलाड़ियों ने भी नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है. डेल्फिना मेरिनो, चार्लोट स्टेपेनहॉर्स्ट, मारिया ग्रेनाटो, राचेल लिंच और नाइक लोरेंज सहित अंतर्राष्ट्रीय महिला खिलाड़ी बोली लगाने की जंग का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं, जिससे पहली बार आयोजित होने वाली एचआईएल महिला लीग में और रोमांच जुड़ जाएगा.

28 दिसंबर को राउरकेला में भव्य उद्घाटन

एचआईएल 2024-25 की शुरुआत 28 दिसंबर को ओडिशा के राउरकेला में भव्य उद्घाटन समारोह के साथ होगी. मैच दो प्रतिष्ठित स्थलों - रांची में मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम और राउरकेला में बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे. महिलाओं का लीग फाइनल 26 जनवरी, 2025 को रांची में होगा, जबकि पुरुषों का फाइनल एक फरवरी, 2025 को राउरकेला में होगा. हर मैच में विजेता सुनिश्चित करने के लिए, लीग ने उन सभी मैचों के लिए शूटआउट की शुरुआत की है जो बराबरी पर समाप्त होते हैं.

ब्रीफ खबरें

नदी में डूबने से 14 साल की किशोरी की मौत

गोपालगंज । जिले के ऊंचका गांव थाना क्षेत्र के इटवा पुल के पास दाहा नदी में डूबने से एक 14 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई. पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया है. वही इस घटना के बाद मृतका के मां का रो रो कर बुरा हाल है. मृतका की पहचान मोतिहारी जिले के घोड़ासहन थाना क्षेत्र के महादेवा टोला गांव निवासी जगनारायण कुशवाहा की 14 वर्षीय बेटी रिंकी कुमारी के रूप में की गई. मृतका रिंकी कुमारी अपनी मां के साथ दुर्गा मंदिर में पूजा करने आई थी.

पाटलिपुत्र-सहरसा के बीच शुरू होगी ट्रेन

पटना। आगामी पर्व-त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ और उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे ने हाजीपुर-शाहपुर पटोरी-बरौनी-मानसी के मार्ग पर पाटलिपुत्र और सहरसा के बीच विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है. यह विशेष ट्रेन सेवा 16 अक्टूबर से शुरू होकर 27 दिसंबर तक चलेगी. इस विशेष ट्रेन होगा और इसका परिचालन पाटलिपुत्र-एसएमभीबी, बेंगलुरू एक्सप्रेस के रेक द्वारा किया जाएगा. इस स्पेशल ट्रेन में विभिन्न श्रेणियों के कोच होंगे, जिनमें एक प्रथम एसी श्रेणी, दो द्वितीय एसी श्रेणी, छह तृतीय एसी श्रेणी, एक तृतीय एसी इकोनोमी श्रेणी, छह स्लीपर श्रेणी और तीन जनरल श्रेणी के कोच शामिल हैं.

साइबर फ्रॉड मामले में तीन को किया गिरफ्तार

बांका । बांका में साइबर अपराधियों द्वारा अवैध निकासी कर लेने को लेकर बांका थाना क्षेत्र के तेलिया गांव निवासी जहीर अंसारी के द्वारा साइबर थाना में 6 जून को लिखित आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराया था .कांड 11/24 दर्ज होने के बाद पुलिस अधीक्षक बांका के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक सह थाना अध्यक्ष साइबर थाना बांका विनोद कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया. जिसके तहत साइबर अनुसंधान के क्रम में बैंक के खाते से कटे सभी अवैध राशियों का विशेष अवलोकन कर उनके ट्रांजैक्शन मोड की जांच की गई.

पटना में अब पोस्टर वार, सियासत शुरू

तेजस्वी को टोंटी चोर तो लालू को बताया चारा चोर

संवाददाता ।पटना

राजधानी पटना में गुरुवार को पोस्टर के जरिए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर हमला किया गया है. सड़कों पर जो पोस्टर लगा है उसमें तेजस्वी यादव को लेकर लिखा गया, 'टोंटी चोर, फेलस्वी यादव' जबकि लालू यादव को लेकर लिखा गया है, 'चारा चोर'. इस पोस्टर को किसने लगवाया है यह नहीं लिखा गया है. पोस्टर पर तेजस्वी यादव और लालू का कार्टून बनाया गया है. इस पोस्टर के बाद सियासत शुरू हो गई है. इस पूरे विवाद के बाद दुबई से पटना लौटे तेजस्वी यादव ने कानूनी कार्रवाई की चेतावनी पहले ही दी है. तेजस्वी यादव ने इस मुद्दे पर सवाल खड़ा करने वालों पर लीगल एक्शन लेने की बात कही है. जब उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से इससे जुड़ा सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा पूरा मामला प्रशासन देखेगा. भवन निर्माण विभाग एक-एक चीजों को देखेगा.

वहीं, बीजेपी के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने कहा कि यह पोस्टर सही मायने में आरजेडी के चरित्र को दर्शाता है. बिहार की जनता के द्वारा लगाया गया यह पोस्टर दर्शा रहा है कि लालू प्रसाद ने किस प्रकार से चारा चुराया था. तेजस्वी ने कैसे सरकारी आवास को खाली करते समय सरकारी संपत्ति नल-टोंटी, एसी को चुराने का काम किया, वो दर्शा रहा है. दानिश ने कहा कि इस पोस्टर के माध्यम से बिहार की जनता इस बात को स्पष्ट मान रही है, स्पष्ट देख रही है कि किस प्रकार से एक राजनीतिक दल के लोग जब उनके पिता शासन में थे तो चारा को चुराने का काम किया. जब उनके बेटे को मौका मिला सरकारी बंगले में रहने का तो सरकारी संपत्ति को लूटने का काम किया.

उधर, इस पोस्टर पर राजद की ओर से भी प्रतिक्रिया दी गई है. राजद के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि तेजस्वी यादव की बढ़ती लोकप्रियता से विरोधी पूरी तरह से हताश और निराश हैं. तेजस्वी की छवि को खराब करने का प्रयास किया जा रहा है.

मामला बोधगया प्रखंड की मोरा मर्दाना पंचायत के मंझौली गांव का

गया में डायरिया से 3 मौत, 50 से ज्यादा लोग हुए बीमार, भर्ती

- डायरिया से 10 वर्षीय बच्चे मिथुन कुमार, कंचन देवी की सात वर्षीय पुत्री गौरी और नरेश यादव की पत्नी की मौत हो गयी

संवाददाता ।गया

गया में दो दिनों में तीन लोगों की डायरिया से मौत हो गई है. इनमें दो बच्चे और एक महिला शामिल है. मामला बोधगया प्रखंड की मोरा मर्दाना पंचायत के मंझौली गांव का है. इस घटना के बाद बीते बुधवार को मेडिकल टीम गांव पहुंची. डायरिया के प्रकोप की खबर सामने आने के बाद पूरे गांव में दहशत है. बताया जाता है कि अभी भी 50 से अधिक ग्रामीण डायरिया की चपेट में हैं. उल्टी और दस्त की शिकायत पर ग्रामीण बोधगया, करमौनी और गया के निजी अस्पतालों में जाकर अपना इलाज करा रहे हैं.

डायरिया की जानकारी मिलने के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से डॉक्टरों और मेडिकल की टीम गांव में भेजी गई है. जो लोग गांव में बीमार हैं उनका इलाज किया जा रहा है. बताया जा रहा है कि गांव में एक भोज में खाना खाने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी. पहले कुछ बच्चे बीमार हुए और इसके बाद बड़े लोगों को भी उल्टी एवं दस्त की शिकायत होने लगी. ग्रामीण अंबिका यादव ने बताया कि डायरिया से एक 10 वर्षीय बच्चे मिथुन कुमार, कंचन देवी की 7 वर्षीय पुत्री गौरी और नरेश यादव की पत्नी की मौत डायरिया हुई है.

गांव छोड़कर भाग रहे हैं ग्रामीण

सिविल सर्जन को डायरिया की जानकारी नहीं

बोधगया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि डायरिया के प्रकोप की सूचना के बाद गांव में दो एंबुलेंस और डॉक्टर के साथ मेडिकल टीम को भेजा गया. गांव में पहुंचे डॉ. अरविंद कुमार गुप्ता ने बताया कि ग्रामीणों को ओआरएस आदि दिया जा रहा है. उधर गया के सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने बताया कि उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है. जानकारी ली जा रही है. डायरिया के प्रकोप से ग्रामीण गांव छोड़कर किसी दूसरे जगह अपने रिश्तेदार के यहां जाकर रह रहे हैं. गांव के कई घरों के दरवाजे पर ताला लटका है. सन्नाटा पसरा है.

महाष्टमी के दिन सीएम नीतीश कुमार पहुंचे माता शीतला मंदिर

पटना । शारदीय नवरात्र के महा अष्टमी के दिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना के अगम कुआं स्थित माता शीतला मंदिर पहुंचे. वहां उन्होंने मंदिर में पूजा अर्चना की और बिहार के अमन सुख शांति की दुआ मांगी. मुख्यमंत्री के मंदिर पहुंचने से पहले ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे. सुबह से ही आम लोगों के मंदिर के प्रवेश में रोक लगा दी गई थी. बता दें कि शारदीय नवरात्र के आज महाष्टमी का दिन है प्रत्येक वर्ष महा अष्टमी के दिन अगम कुआं स्थित शीतला मंदिर में सुबह से ही पूजा करने वाले श्रद्धालुओं की काफी भीड़ जुटती है. इसे लेकर मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया था.

सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे : चारों तरफ साफ- सफाई की व्यवस्था की गई थी. मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे. कड़ी सुरक्षा के बीच मुख्यमंत्री गुरुवार को शीतला मंदिर पहुंचे. वहां पहुंचते ही मंदिर के पुजारी एवं प्रबंधन समिति के लोगों ने सीएम का भव्य स्वागत किया. मुख्यमंत्री को अंग वस्त्र देकर चुनरी देकर एवं मंदिर से संबंधित फोटो फ्रेम देकर उन्हें सम्मानित किया.

पटना-गया रेलखंड पर दुर्घटनाग्रस्त होने से बची इस्लामपुर-हटिया एक्स.

संवाददाता ।पटना

रेलगाड़ी संख्या 18623 इस्लामपुर-हटिया एक्सप्रेस ट्रेन बीती देर रात करीब 12.15 बजे पटना-गया रेलखंड के बेलागंज-नेयामतपुर रेलवे स्टेशन के बीच पिलर संख्या 75/05 के पास दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बच गई. इस संबंध में जहानाबाद रेल थाना अध्यक्ष दीप नारायण यादव ने बताया कि बुधवार की देर रात करीब सवा बारह बजे यह घटना हुई है. उन्होंने बताया कि अज्ञात लोगों द्वारा रेल पटरी में बिछाए गये सीमेंट ब्लॉक्स स्लीपर को उठाकर रेल लाइन पर रख दिया गया था. हालांकि, ड्राइवर ने उसे देख लिया और इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोका लेकिन ट्रेन रुकते-रुकते इंजन स्लीपर में जा टकराया. इस दौरान रेल यात्रियों के बीच अफरातफरी मच गई. थानाध्यक्ष ने बताया कि रेल पटरी से स्लीपर हटाकर रेल परिचालन शुरू कराया गया. इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ स्थानीय थाना बेलागंज में एफआईआर दर्ज कराई गई गयी है. इधर, घटना की छानबीन करते हुए रेल पुलिस की टीम भी लगातार छापेमारी कर रही है.

कारोबार

रियल एस्टेट सेक्टर में निवेश बढ़ा

नयी दिल्ली । भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में प्राइवेट इक्विटी निवेश 2024 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में 9 प्रतिशत बढ़कर 2.2 अरब डॉलर हो गया है. यह पिछले साल समान तिमाही में हुए निवेश से दोगुना है. वैश्विक रियल एस्टेट कंसल्टिंग फर्म सैविल्स इंडिया की ओर से जारी की गई रिपोर्ट्स में कहा गया कि देश में रियल एस्टेट में जनवरी से सितंबर 2024 की अवधि में 3.9 अरब डॉलर का निवेश प्राइवेट इक्विटी की ओर से किया गया है. यह 2023 में हुए कुल निवेश से अधिक है.

टीसीएस को 11,909 करोड़ का मुनाफा

नयी दिल्ली । भारत की सबसे वैल्यूएबल आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड (टीसीएस) ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। जुलाई-सितंबर तिमाही में टीसीएस का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर करीब 5% बढ़कर 11,909 करोड़ रहा. एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 11,342 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था। वहीं, क्यू2एफवाई25 में सालाना आधार पर कंपनी का ऑपरेशंस से रेवेन्यू 8% बढ़कर 64,259 करोड़ रुपए हो गया है.

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ी

नयी दिल्ली । देश में इंटरनेट ग्राहकों की संख्या चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि में तिमाही आधार पर 1.59 फीसदी बढ़कर 96.96 करोड़ पहुंच गई. जनवरी-मार्च तिमाही में देश में 95.44 करोड़ इंटरनेट ग्राहक थे. कुल 96.96 करोड़ ग्राहकों में 4.20 करोड़ लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं, जबकि वायरलेस इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 92.75 करोड़ पहुंच गई है. ट्राई की ओर से 'इंडिया टेलीकॉम सर्विसेज परफॉर्मेंस इंडिकेटर' रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान मोबाइल सेवाओं के लिए हर ग्राहक से दूरसंचार कंपनियों को होने वाली कमाई सालाना आधार पर 8.11 फीसदी बढ़कर 157.45 रुपये पहुंच गई है.

भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की संपत्ति 1 ट्रिलियन डॉलर के पार, गौतम अडानी दूसरे नंबर पर : फोर्ब्स

एजेंसी ।नयी दिल्ली

भारत के 100 सबसे अमीर व्यक्तियों की संपत्ति बढ़कर एक ट्रिलियन डॉलर को पार कर गयी है. बीते वर्ष के मुकाबले इस साल देश के शीर्ष 100 अमीर लोगों में से 80 प्रतिशत की संपत्ति में बढ़त देखने को मिली है. फोर्ब्स की ओर से गुरुवार को जारी की गयी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी. फोर्ब्स की भारत के 100 शीर्ष अरबपतियों की लिस्ट के मुताबिक, इस साल देश के शीर्ष कारोबारियों की संपत्ति बढ़कर 1.1 ट्रिलियन डॉलर हो गयी है. यह 2019 के आंकड़े से दोगुने से भी अधिक है. रिपोर्ट में बताया गया, इस दौरान दिग्गज कारोबारी गौतम अदानी की संपत्ति में बड़ा उछाल देखने को मिला है और वह शॉर्ट-सेलर फर्म की रिपोर्ट से हुए नुकसान के बाद मजबूती से उबरे हैं. इस साथ उन्होंने अपने बेटों और भतीजों की नियुक्ति भी कंपनियों में शीर्ष पदों पर की है.

विनोद अदानी की संपत्ति 48 अरब डॉलर है : रिपोर्ट में कहा गया कि उनके भाई विनोद अदानी की संपत्ति 48 अरब डॉलर है. इसे मिलाकर पूरे परिवार की संपत्ति 116 अरब डॉलर होती है, जो उन्हें दूसरे नंबर पर बनाए रखने के लिए पर्याप्त है. रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने और नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के कारण शेयर बाजार में आयी तेजी से भारत के शीर्ष सबसे अमीर लोगों की संपत्ति में पिछले 12 महीने में 40 प्रतिशत या 316 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है. सावित्री जिंदल जो कि ओपी जिंदल ग्रुप की चेयरपर्सन हैं. वह इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं. पिछले साल इस लिस्ट में आठ महिलाएं थी, जिनकी संख्या अब बढ़कर नौ हो गयी है. महिमा दतला, जो कि एक निजी वैक्सीन निर्माता बायोलॉजिकल ई को नियंत्रित करती हैं, फोर्ब्स की सूची में चार नए लोगों में से एक हैं.

दिलीप सांघवी 32.4 बिलियन डॉलर के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गये

अन्य तीन लोगों में जेनेरिक दवाओं और फार्मा सामग्री के निर्माता कंपनी हेटेरो लैब्स के संस्थापक बी. पार्थ सारथी रेड्डी, परिधान निर्माता शाही एक्सपोर्ट्स के हरीश आहूजा और प्रीमियर एनर्जीज के संस्थापक और अध्यक्ष सुरेंद्र सलूजा, जो सौर पैनल और मॉड्यूल बनाते हैं. सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज के संस्थापक दिलीप सांघवी 32.4 बिलियन डॉलर के साथ तीन स्थान की छलांग लगाकर पांचवें स्थान पर पहुंच गये और टोरेंट ग्रुप के सुधीर और समीर मेहता की संपत्ति दोगुनी से अधिक बढ़कर 16.3 बिलियन डॉलर हो गयी. निखिल कामथ (38) जिन्होंने अपने बड़े भाई नितिन (45) के साथ मिलकर ऑनलाइन ब्रोकरेज जेरोधा की स्थापना की है.

जीएसटी एमनेस्टी स्कीम 1 नवंबर से

कम ब्याज और पेनल्टी देकर होगा केस का निपटारा

एजेंसी ।नयी दिल्ली

केंद्र सरकार ने जीएसटी एमनेस्टी स्कीम को नोटिफाई कर दिया है. ये स्कीम 1 नवंबर से खुल जाएगा. टैक्सपेयर्स इस स्कीम के तहत तुलनात्मक तौर पर कम इंटरेस्ट और पेनल्टी चुका कर अपने पेंडिंग मामलों का निपटारा कर सकते हैं. जीएसटी एमनेस्टी स्कीम का फायदा वे सभी टैक्सपेयर्स उठा सकेंगे, जिनके 1 जुलाई 2017 से लेकर 31 मार्च 2020 तक के टैक्स के मामले पेंडिंग पड़े हुए हैं. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई में बजट पेश करते वक्त अपने बजट भाषण में ही जीएसटी एमनेस्टी स्कीम का ऐलान किया था. बताया जा रहा है कि ऐसे टैक्सपेयर्स, जिन्हें सेक्शन 73 नोटिस का आर्डर मिला है, वे इस स्कीम का फायदा उठा सकते हैं. हालांकि जिन टैक्सपेयर्स को फ्रॉड के मामलों में नोटिस दिया गया है, उन्हें इसका फायदा नहीं मिल सकेगा.

पेज वन का शेष

सब शरीक-ए-जुर्म हैं...

उनकी यह उपलब्धि मीडिया की सुर्खियां भी बनी थीं. यह तमाशा परवान चढ़ा सियासत के चर्चित जहांपनाह आलमगीर आलम के जमाने में, सवा तीन सौ लोग बहाल कर लिये गये. ये नियुक्तियां कैसे हुईं, इसका विवरण आयोग की रिपोर्ट में तो है ही, मीडिया ने भी उस समय इसे उछाला था. नियुक्ति एजेंट थे. रेट फिक्स था. सबको मालूम था. नेताओं, विधायकों की सिफारिशें भी मानी गई थीं. कंबल ओढ़ कर घी पीने का यह सत्कर्म राज्य की सबसे बड़ी पंचायत में हुआ. सब मगन थे. किसी ने यह नहीं सोचा कि इतनी छोटी विधानसभा में आखिर इतने अधिकारियों-कर्मचारियों की क्या जरूरत है और यदि जरूरत है तो नियुक्ति का पारदर्शी तरीका क्यों नहीं अपनाया गया ?

2007 में यह मामला विधानसभा में उठा तो एक जांच समिति बना दी गई. सुबूत मांगे गये तो सीडी भी दी गई. लेकिन समिति की रिपार्ट नामंजूर कर दी गई और दूसरी समिति बना दी गई जिसने रिपार्ट ही नहीं दी. झारखंड में कार्यपालिका के महारथियों ने तो भ्रष्टाचार के कई कीर्तिमान गढ़े ही हैं, विधायिका के सिरमौरों ने भी कमाल किया है. एक ही दिन में सैकड़ों अभ्यर्थियों के साक्षात्कार ले लिये गये. एक अन्य विधानसभा अध्यक्ष शशांक शेखर भोक्ता ने नियम- कायदे को ताक पर रखकर पैरवी पुत्रों को प्रमोशन भी दे दिया. अधिकार की मादकता सभी ने छक कर पी. लोक लाज, शर्म-हया भी धोकर पीया. इन्हें गुमान था कि सदन के मुखिया के नाते उन्हें कोई छू नहीं सकता. लेकिन अब इनके कारनामों की जांच होगी. जांच कब तक पूरी होगी, उसमें कौन दोषी पाया जाएगा और उसे क्या सजा मिलेगी, इसके लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा. यह पूरा मामला शैतान की आंत की तरह उलझा हुआ है. इसे सुलझाना आसान नहीं होगा. वह भी तब जब कदम-कदम पर अड़ंगे लगाये जाएंगे. दो दशक से ज्यादा समय तो यों ही निकल गया है. अब भी हमारी विधानसभा कह रही है कि वह कार्रवाई कर रही है. ठीक वैसे ही जैसे विधायकों की अपात्रता के आरोप में करती है. वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है, लेकिन बाबूलाल मरांडी अपात्र हैं या पात्र, फैसला नहीं आया है. पिछली विधानसभा के स्पीकर ने भी आधा दर्जन विधायकों पर फैसला तब दिया जब सदन चला चली की बेला में था. ये लोग कोर्ट में मामलों के लंबित रहने पर भाषण झाड़ते हैं, लेकिन अपनी अदालत में शीघ्र फैसला देना मुनासिब नहीं समझते हैं. विधानसभा नियुक्ति घोटाले में कार्रवाई को अपने चिरपरिचित ढर्रे से ही लंबित रखना चाहती थी. इसीलिए विशेषाधिकार का सवाल खड़ा किया जा रहा है. लेकिन महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन के बाद जब विधानसभा अध्यक्ष दलबदल के आरोपी विधायकों पर शीघ्र फैसला नहीं दे रहे थे, तब सुप्रीम कोर्ट ने स्वयं समय सीमा तय कर दी, जिसे स्पीकर को मानना पड़ा. यहां तो मामला खुल्लमखुल्ला भ्रष्टाचार का है. इसलिए सुप्रीम कोर्ट जाना है तो शौक से जाइए. राज्य को आर्थिक चपत लगाइए. लेकिन सुप्रीम कोर्ट भला क्यों चाहेगा कि विधानसभा में घोर अनियमितता की जांच ही न हो. जिस राज्य के मुख्यमंत्री, मंत्री भ्रष्ट हों, अधिकारी भ्रष्ट हों, विधायिका पर भ्रष्टाचार के आरोप हों, उस राज्य के विकास की नित कसमें खायी जायें, तो झारखंडियों का कलेजा चाक हो जाता है. लेकिन इसके जिम्मेदार भी हम ही हैं. आखिर हम ही तो इन्हें चुनते हैं और ये अधिकारियों के साथ मिलकर हमारा भविष्य लूटते-खसोटते हैं.

भारत में हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग में 15 बिलियन डॉलर के अवसर

नई दिल्ली । भारत द्वारा एंड-टू-एंड इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के स्थानीय विनिर्माण पर जोर दिया जा रहा है. इस बीच, एक नई रिपोर्ट के अनुसार, ताइवानी कंपनियों के लिए प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी), इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में 15 अरब डॉलर के बड़े अवसर मौजूद हैं. फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की रिपोर्ट के अनुसार, इलेक्ट्रिक मोटर, सीसीटीवी और स्मार्ट हेल्थकेयर (फिटनेस ट्रैकर, स्मार्टवॉच, हृदय गति मॉनिटर) जैसे अन्य क्षेत्र भी ताइवान के लिए आशाजनक हैं. भारत में ताइवान के लिए इन क्षेत्रों में 60 बिलियन डॉलर का लक्षित बाजार है. ताइवान इंडस्ट्री इन क्षेत्रों में घरेलू बाजार के साथ निर्यात के लिए भी निवेश कर सकती है.

चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग पर सख्ती, ठोका जुर्माना

नई दिल्ली । मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने ब्रोकरेज फर्म चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग पर निर्धारित नियमों का पालन नहीं करने के आरोप में 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है. सेबी के आदेश के मुताबिक चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग ने एक्सचेंज को ऑथराइज्ड पर्सन (एपी) से जुड़े क्लाइंट्स की सही जानकारी नहीं दी. ब्रोकरेज के ऑथराइज्ड पर्सन और क्लाइंट के बीच तीन मामलों में एपी सर्विसेज के लिए फंड की लेनदेन हुई. इस दौरान एपी टर्मिनल्स का इस्तेमाल अनऑथराइज्ड लोगों द्वारा किया गया.

बाजार बैंकिंग शेयरों में खरीदारी के चलते तेजी के साथ बंद हुए सेंसेक्स-निफ्टी

आईटी, फार्मा और एफएमसीजी शेयरों में गिरावट

एजेंसी ।मुंबई

गुरुवार के कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ है. बैंकिंग, एनर्जी शेयरों में खरीदारी के चलते ये तेजी रही है. हालांकि आईटी, फार्मा और एफएमसीजी शेयरों में गिरावट ने बाजार को ऊपरी लेवल से नीचे गिरा दिया. मिडकैप स्टॉक्स ने भी निराश किया है. गुरुवार का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 144 अंकों के उछाल के साथ 81,611 अंकों पर बंद हुआ है. जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 24,998 अंकों पर बंद हुआ है. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 21 स्टॉक्स तेजी के साथ और 9 गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 23 तेजी के साथ और 27 गिरकर बंद हुए. तेजी वाले शेयरों में कोटक महिंद्रा बैंक 3.90 फीसदी, जेएसडब्ल्यु स्टील 1.82 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 1.63 फीसदी, पावर ग्रिड 1.58 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.43 फीसदी, मारुति 1.34 फीसदी, एनटीपीसी 1.33 फीसदी, एक्सिस बैंक 1.20 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.06 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.71 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ.

जबकि टेक महिंद्रा 2.82 फीसदी, सन फार्मा 1.90 फीसदी, इंफोसिस 1.68 फीसदी, टाइटन 1 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.97 फीसदी और टीसीएस 0.64 फीसदी गिरकर बंद हुआ है.

गुरुवार के कारोबार में बैंकिंग, ऑटो, मेटल्स, एनर्जी, इंफ्रा शेयर तेजी के साथ बंद हुए. जबकि आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, रियल एस्टेट, मीडिया, कंज्यूम ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस स्टॉक्स गिरकर बंद हुए. मिडकैप स्टॉक्स में गिरावट के चलते निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 166 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ है तो निफ्टी का स्मॉलकैप इंडेक्स मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ है. वहीं बाजार के मार्केट कैप फ्लैट 462.22 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है. रतन टाटा के निधन के बीत शेयर बाजार में टाटा समूह के शेयरों में बड़ी गतिविधि रही. 24 लिस्टेड कंपनियों में 16 तेजी के साथ जबकि 8 गिरकर बंद हुए. टाटा इंवेस्टमेंट, टाटा केमिकल्स, टाटा कॉफी, टाटा मेटालिक्स, टाटा टेलीसर्विसेज का स्टॉक तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि वोल्टास, ट्रेंट, टाइटन जैसे शेयर में गिरावट रही.

सादगी की मिसाल रतन टाटा को एक विजनरी लीडर, परोपकारी, राष्ट्र निर्माता और वैश्विक कारोबारी के रूप में याद करेगी दुनिया

उद्योग जगत के 'रत्न' रतन टाटा के साथ एक युग का अंत

लगातार न्यूज नेटवर्क

उद्योग जगत के 'रत्न' रतन टाटा नहीं रहे. उनका बुधवार देर रात 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया. इसके साथ ही एक युग का अंत हो गया. शोक में डूबे देश और दुनिया सादगी की मिसाल और दिखावे से दूर रहने वाले रतन टाटा को एक विजनरी लीडर, परोपकारी, राष्ट्र निर्माता और वैश्विक कारोबारी के रूप में याद कर रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए ने उनके योगदान और उनके द्वारा भारतीय उद्योग को दी गई दिशा की सराहना की. डॉ. सिंह ने कहा कि वह केवल एक व्यावसायिक आइकन नहीं थे, बल्कि उनकी दृष्टि और मानवता उनके जीवन में स्थापित कई चैरिटी कार्यों में झलकती है. रतन टाटा ने कई ऐसे फैसले लिए जिनका सीधा असर असर भारतीयों के जीवन पर पड़ा. वहीं टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कहा कि रतन टाटा के नेतृत्व ने यह सुनिश्चित किया कि समूह की वृद्धि तीव्र गति से जारी रहे. साथ ही वह अपनी नैतिक कसौटी पर भी खरा उतरे. उन्होंने एक बयान में कहा कि टाटा समूह के लिए, रतन टाटा एक अध्यक्ष से कहीं अधिक थे. मेरे लिए, वे एक मार्गदर्शक और मित्र थे. उन्होंने उदाहरण प्रस्तुत कर हमें प्रेरणा दी. उत्कृष्टता, अखंडता और नवाचार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ, टाटा समूह ने उनके नेतृत्व में अपने वैश्विक पदचिह्न का विस्तार किया. वे हमेशा अपने नैतिक मानदंडों के प्रति सच्चे रहे. रतन टाटा भले ही अब हम सब के बीच नहीं रहे, लेकिन वे अपने पीछे एक बड़ी विरासत छोड़ गए हैं, जो हमें और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी.

ग्रुप कायापलट के साथ ऐसे किया विस्तार : देश के शीर्ष कारोबारी रतन टाटा का जन्म 28 दिसंबर,1937 को मुंबई में हुआ था. रतन टाटा ने शुरुआती पढ़ाई मुंबई से करने के बाद 1962 में कॉर्नेल विश्वविद्यालय से वास्तुकला में स्नातक की डिग्री प्राप्त की. इसके बाद वह एक युवा कार्यकारी के रूप में टाटा समूह में शामिल हुए थे. 1962 के अंत में भारत आने से पहले उन्होंने लॉस एंजिल्स में जोन्स और एमोंस के साथ कुछ समय तक काम किया और फिर टाटा स्टील के शॉप फ्लोर पर काम किया. विभिन्न कंपनियों में सेवा देने के बाद, उन्हें 1971 में नेशनल रेडियो एंड इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी का प्रभारी निदेशक नियुक्त किया गया और बाद में 1975 में उन्होंने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम पूरा किया.1981 में उन्हें समूह की दूसरी होल्डिंग कंपनी टाटा इंडस्ट्रीज का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जहां उन्होंने ग्रुप में कई अहम बदलाव किए और नई टेक्नोलॉजी वाले बिजनेस पर फोकस किया. अपने विनम्र व्यवहार और मजबूत व्यावसायिक कौशल के लिए प्रसिद्ध रतन टाटा ने 1991 से 28 दिसंबर, 2012 को अपनी सेवानिवृत्ति तक टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया.

बेजुबानों को लेकर भी फिक्रमंद रहते थे : बेजुबानों को लेकर भी रतन टाटा फिक्रमंद रहते थे. यही वजह है कि टाटा ट्रस्ट्स स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल खोला गया. 1 जुलाई को उद्योगपति रतन टाटा ने मुंबई में अपनी पसंदीदा परियोजना टाटा ट्रस्ट्स स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल का शुभारंभ किया. अस्पताल के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर इस रोमांचक खबर को साझा किया गया था. रतन टाटा देशवासियों को समय-समय पर अपनी जिम्मेदारी का भी अहसास कराते रहते थे. लोकसभा चुनाव के दौरान मुंबईवासियों से अपील की कि लोकतंत्र के इस महापर्व में शामिल हों. 18 मई के एक्स पोस्ट में लिखा था, 'सोमवार को मुंबई में मतदान का दिन है. मैं सभी मुंबई वासियों से आग्रह करता हूं कि वे घर से बाहर निकलें और जिम्मेदारी से मतदान करें.' एक अन्य पोस्ट में जानवरों के प्रति उनका असीम प्रेम देखने को मिला. बेजुबान की तस्वीर शेयर कर लिखा, 'अब जबकि मानसून आ गया है, बहुत सी आवारा बिल्लियां और कुत्ते हमारी कारों के नीचे शरण लेते हैं. आवारा जानवरों को चोट लगने से बचाने के लिए, कार को चालू करने और तेज करने से पहले उसके नीचे जांच करना जरूरी है. अगर हम अपने वाहनों के नीचे उनकी मौजूदगी के बारे में नहीं जानते हैं, तो वे गंभीर रूप से घायल हो सकते हैं, विकलांग हो सकते हैं और यहां तक कि मारे भी जा सकते हैं. अगर हम इस मौसम में बारिश के दौरान उन्हें अस्थायी आश्रय दे सकें, तो यह दिल को छू लेने वाला होगा. कोरोना महामारी के दौरान की अगर हम बात करें तो जब देश के लोग मुश्किल समय में थे, लोग सड़कों पर भूखे मरने को मजबूर थे, तब रतन टाटा ने आगे आकर लोगों की मदद की और 1500 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की. इस मुश्किल समय में वह अपने कर्मचारियों के साथ-साथ पूरे देश के लिए खड़े रहे थे.

देश व समाज के प्रति था जिम्मेदारी का गजब भाव

रतन टाटा ने नमक से एयरलाइंस तक में भारत को आत्मनिर्भर बनाया. समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव कूट-कूट कर भरा था. यह बात उनके सोशल पोस्ट से भी जाहिर होती है. टाटा ने अपने इन पोस्ट में देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को अत्यधिक गंभीरता से प्रस्तुत किया. रतन टाटा जब इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती थे, तब भी वह लोगों के बारे में सोच रहे थे, उन्होंने एक्स पर अपने अंतिम पोस्ट में लिखा था, 'मैं अपने स्वास्थ्य के बारे में हाल ही में फैली अफवाहों से अवगत हूं और सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि ये दावे निराधार हैं. मैं अच्छे मूड में हूं और अनुरोध करता हूं कि जनता और मीडिया गलत सूचना फैलाने से बचें.'

टाटा संस के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा का बुधवार देर रात मुंबई में 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया. छात्राओं ने उनके चित्र के सामने कैंडल जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी.

सौम्य और दयालु रतन टाटा ने 'भारत ब्रांड' को विश्व पटल पर ले जाने में निभाई अहम भूमिका

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के डायरेक्टर जनरल, चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि बड़े कद के बावजूद उनका सौम्य और दयालु स्वभाव प्रेरणादायक और दुर्लभ था. बनर्जी ने आगे कहा कि सीआईआई में उनकी सलाह हमेशा व्यावहारिक थी और उन्हें भारतीय बिजनेस की क्षमता पर भरोसा था. उन्होंने हमेशा इस बात पर जोर दिया कि कैसे भारतीय कंपनियां एक मजबूत राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका निभा सकती है. लगभग दो दशकों तक सीआईआई की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य के रूप में रतन टाटा इंडस्ट्री चैंबर के लिए एक मार्गदर्शक बने रहे. उन्होंने वास्तव में भारतीय उद्योग के लिए आगे का रास्ता बनाया और वैश्विक स्तर पर पहुंचाया. सीआईआई, एक महान लीडर के निधन पर टाटा ग्रुप के साथ है और गहरा शोक व्यक्त करता है. एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने कहा कि रतन टाटा ने टाटा ग्रुप के कारोबार को दुनिया के विभिन्न देशों में फैलाने के साथ भारत ब्रांड को भी विश्व पटल पर विभिन्न सेक्टरों जैसे आईटी, ऑटोमोबाइल, स्टील और हॉस्पिटैलिटी में ले जाने का काम किया है. सूद ने आगे कहा कि उनका जीवन भारत के उद्यमियों के लिए वैश्विक स्तर पर सोचने और आगे बढ़ने, एक बेदाग प्रतिष्ठा और कॉर्पोरेट प्रशासन के बहुत उच्च मानक को बनाए रखने के लिए एक प्रेरणा है. कई स्टार्टप्स को आगे बढ़ाने का श्रेय भी रतन टाटा को दिया जाता है. ईईपीसी इंडिया के अध्यक्ष अरुण कुमार गरोडिया ने कहा कि रतन टाटा अपने पीछे एक समृद्ध विरासत छोड़ गए हैं, जो कि आने वाले समय में नई पीढ़ी को प्रेरणा देने का काम करेगी.

पहले प्यार ने छोड़ा हाथ, रतन टाटा के विवाह न करने की वजह रही खास

भारतीय उद्योग के जगत में रतन टाटा व्यावसायिक दृष्टिकोण और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के लिए जाने जाते हैं. हालांकि, उनकी निजी जिंदगी का एक पहलू जो अक्सर चर्चा का विषय रहा है और वह है उनका अविवाहित रहना. साल 1937 में 28 दिसंबर को रतन टाटा का जन्म पारसी परिवार में हुआ था. उनके दादा जमशेदजी टाटा ने टाटा ग्रुप की नींव रखी थी, जिसे रतन टाटा ने आगे बढ़ाने का संकल्प लिया. रतन टाटा की शुरुआती शिक्षा मुंबई में हुई. इसके बाद वो अमेरिका चले गए, यहां उन्होंने आर्किटेक्चर की पढ़ाई की. फिर मैनेजमेंट की पढ़ाई के लिए हार्वर्ड बिजनेस स्कूल का रुख किया. उनके शिक्षित और सक्षम होने का गुण उनके करियर में भी झलकता है. 1962 में रतन टाटा ने टाटा समूह में काम करना शुरू किया. बाद में, वह टाटा ग्रुप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने लगे. साल 1991 में उन्होंने टाटा समूह के अध्यक्ष का पद संभाला और अपने नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया. देश की मशहूर शख्सियत, नामी परिवार, अथाह पैसा फिर भी रतन टाटा अविवाहित रहे तो आखिर वजह क्या है? इससे जुड़े सवाल कई बार और बार बार पूछे जाते रहे. तो हकीकत ये है कि रतन टाटा को प्यार हुआ था. एक बार नहीं चार बार. लॉस एंजिल्स में मिली लड़की से तो बात शादी तक पहुंच गई थी लेकिन वो हो न सका और प्यार अधूरा रह गया. एक इंटरव्यू में रतन टाटा ने बताया था कि लॉस एंजिल्स स्थित एक आर्किटेक्चर फर्म में काम करने के दौरान एक लड़की से वह मिले और देखते ही देखते उन्हें प्यार हो गया. उस लड़की के साथ शादी करके टाटा सेटल होना चाहते थे, लेकिन इसी बीच उन्हें अपनी बीमार दादी की देखभाल के लिए भारत आना पड़ा और फिर वह वापस नहीं जा सके. इस दौरान सोचा कि वो लड़की भारत आ जाए लेकिन तभी भारत-चीन के बीच जंग छिड़ गई और उस प्रेमिका के माता पिता ने भारत नहीं भेजा. नतजीतन रिश्ता टूट गया. ऐसा टूटा कि फिर कभी जुड़ नहीं पाया. टाटा का नाम सिमी ग्रेवाल संग भी जुड़ा. सिमी के टॉक शो में टाटा ने ऐसा ही कुछ कहा भी था. बताया था, कैसे वह एक बार उनके साथ समुद्र तट पर टहल रहे थे और उस पल की शांति ने उन्हें काम से जुड़ी टेंशन से मुक्त कर दिया था. खुद ग्रेवाल ने भी एक मीडिया समूह से अपने संबंधों का खुलासा किया था. खैर ब्रेक अप्स के बाद भी रतन टाटा ने उद्योग जगत में तहलका मचाए रखा. समाज सेवा को प्राथमिकता दी. टाटा ट्रस्ट के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, और ग्रामीण विकास में योगदान जारी रखा. उन्होंने अपने करियर और समाज सेवा को प्राथमिकता दी. उनकी जिंदगी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा यह है कि उन्होंने व्यक्तिगत संबंधों की बजाय अपने व्यवसाय और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दी. उनका मानना था कि व्यक्तिगत रिश्तों से अधिक महत्वपूर्ण है समाज की सेवा करना. रतन टाटा ने अपनी ऊर्जा और समय को उन प्रोजेक्ट्स में लगाना उचित समझा, जो समाज के लिए लाभकारी हो.

शोक में डूबा उद्योग जगत, सुंदर पिचाई बोले हमेशा भारत की बेहतरी के लिए किया काम

दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा के निधन ने उद्योग जगत को बड़ा नुकसान पहुंचाया है. गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई से लेकर महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा तक, प्रमुख कारोबारी नेताओं ने रतन टाटा के निधन पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं. रतन टाटा के साथ अपनी आखिरी मुलाकात को याद करते हुए सुंदर पिचाई ने कहा कि टाटा ग्रुप के चेयरमैन 'भारत को बेहतर बनाने के बारे में गहराई से सोचते थे'. गूगल के सीईओ ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'रतन टाटा के साथ गूगल में मेरी आखिरी मुलाकात में हमने वेमो (गूगल की सेल्फ ड्राइविंग कार कंपनी) की प्रगति के बारे में बात की. उनको सुनना प्रेरणादायक था. वह एक असाधारण व्यवसाय और परोपकारी विरासत छोड़ गए हैं. भारत में आधुनिक व्यवसाय नेतृत्व को मार्गदर्शन देने और विकसित करने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. वह भारत की बेहतरी को लेकर संजीदा थे. उनके प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना और रतन टाटा जी की आत्मा को शांति मिले.' महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने कहा कि वे 'रतन टाटा की इस अनुपस्थिति को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं.' उन्होंने ने एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा 'भारत की अर्थव्यवस्था ऐतिहासिक छलांग लगाने के कगार पर खड़ी है. रतन टाटा के जीवन और काम का हमारी इस स्थिति में बहुत बड़ा योगदान है. इसलिए, इस समय उनका मार्गदर्शन अमूल्य होता.'

बड़ी उपलब्धियों में से एक दुनिया की सबसे सस्ती कार की शुरुआत

टाटा संस के अध्यक्ष के पद पर अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने कंपनी को विविधीकरण और वैश्वीकरण की ओर निर्देशित किया. उनके नेतृत्व में समूह ने इस्पात, ऑटोमोबाइल, सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विस्तार किया. टाटा की बड़ी उपलब्धियों में से एक 2008 में टाटा नैनो की शुरुआत थी. दुनिया की सबसे सस्ती कार के रूप में लाई गई, नैनो का उद्देश्य भारत के बढ़ते मध्यम वर्ग के लिए सुरक्षित और किफायती परिवहन प्रदान करना था. उनके नेतृत्व में टाटा ग्रुप का राजस्व 100 बिलियन डॉलर (2011-2012) से अधिक हो गया था. भारत सरकार ने 2008 में टाटा को अपने दूसरे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार, पद्म विभूषण से सम्मानित किया. उन्हें कई अन्य पुरस्कार, सम्मान, कई भारतीय और वैश्विक विश्वविद्यालयों से मानद डॉक्टरेट और अन्य सम्मान भी मिले. रतन टाटा ने अपने जीवनकाल में अलग-अलग समय पर टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा पावर, टाटा ग्लोबल बेवरेजेज, टाटा केमिकल्स, इंडियन होटल्स और टाटा टेलीसर्विसेज सहित प्रमुख टाटा कंपनियों के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था. वे भारत और विदेशों में विभिन्न संगठनों से भी जुड़े रहे और मित्सुबिशी कॉरपोरेशन और जेपी मॉर्गन चेस के अंतरराष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड में काम किया. टाटा 2012 में टाटा संस के अध्यक्ष के रूप में अपने पद से सेवानिवृत्त हुए, लेकिन विभिन्न परोपकारी और व्यावसायिक उपक्रमों में सक्रिय रहे. उनके परोपकारी कार्यों को कई पुरस्कारों के माध्यम से मान्यता मिली, जिनमें पद्म भूषण और पद्म विभूषण शामिल हैं, जो भारत के दूसरे और तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान हैं. सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने अपने अंतिम समय तक सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाया. इस दौरान उन्होंने कई नए स्टार्टअप और शिक्षण संस्थानों को प्रोत्साहित किया.

साहस व योगदान को मनमोहन सिंह ने किया याद

रतन टाटा के निधन से देश भर में शोक की लहर है. उनके निधन पर राजनीति से लेकर उद्योग जगत और फिल्म जगत के दिग्गजों ने शोक व्यक्त किया है. पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने ने टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन को पत्र लिखकर रतन टाटा के निधन पर अपनी गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त की. मनमोहन सिंह ने लिखा- 'रतन टाटा के निधन से अत्यंत दुखी हूं. वह भारतीय उद्योग के एक महान नेता थे. वह केवल एक व्यावसायिक आइकन नहीं थे, बल्कि उनकी दृष्टि और मानवता उनके जीवन में स्थापित कई चैरिटी कार्यों में झलकती है.' उन्होंने आगे कहा कि वह सच्चाई कहने का साहस रखते थे. उनमें सत्ता में बैठे लोगों से सच बोलने का साहस था. मुझे उनके साथ कई मौकों पर बहुत करीब से काम करने के पल याद हैं. मैं इस दुखद अवसर पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं. उनकी आत्मा को शांति मिले. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी रतन टाटा के निधन पर संवेदनाएं व्यक्त की. पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मुझे रतन टाटा के साथ अनगिनत बातचीत याद आ रहे हैं. जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था तो मैं उनसे अक्सर मिलता था. जब मैं दिल्ली आया तो यह बातचीत जारी रही. उनके निधन से बेहद दुख हुआ. इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के साथ हैं.

गाजा के स्कूल पर हवाई हमले में 28 मरे

एजेंसी। गाजा/बगदाद

फ़िलिस्तीन रेड क्रेसेंट ने कहा है कि इजराइल के हवाई हमले में सेंट्रल ग़ाज़ा के दीर अल-बलाह में स्थित स्कूल पर हमले में 28 लोगों की मौत हो गई. वहीं इजराइल डिफेंस फ़ोर्स यानी आईडीएफ़ ने ग़ाज़ा में स्कूल पर किए गए हवाई हमले पर गुरुवार को बयान जारी किया. इजराइल डिफेंस फ़ोर्स ने कहा कि दीर अल-बलाह में स्थित कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से ऑपरेट कर रहे आतंकवादियों पर सटीक हमला किया है. कमांड एंड एंड कंट्रोल सेंटर का इस्तेमाल आतंकवादी आईडीएफ सैनिकों पर हमलों करने के लिए करते हैं.

इजराइली सेना कहती रही है कि स्कूलों का इस्तेमाल हमास कर रहा है.

इसके अलावा इजराइल लेबनान की राजधानी बेरूत समेत दक्षिण लेबनान में हमला कर रहा है. इसमें पांच स्वास्थ्यकर्मियों की मौत हो गई. इसके जवाब में हिज़बुल्लाह ने भी इजराइल पर रॉकेट पर हमला किया. इसी बीच, शिया मिलिशिया समूह इस्लामिक रेजिस्टेंस इन इराक ने इजरायल के दक्षिणी बंदरगाह शहर ईलाट में एक 'महत्वपूर्ण' स्थल पर ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली है. समूह ने बुधवार रात कहा कि यह हमला 'फिलिस्तीन और लेबनान वासियों के समर्थन में' किया गया. साथ ही कहा कि उन्होंने संकल्प लिया है कि वो 'दुश्मन के गढ़ों' को निशाना बनाते रहेंगे.

उमर अब्दुल्लाह नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक दल के नेता चुने गये

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फ़ारूक़ अब्दुल्लाह ने गुरुवार को बताया कि उमर अब्दुल्लाह को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुन लिया गया है. फ़ारूक़ अब्दुल्लाह ने मुख्यमंत्री चुनने और गठबंधन में शामिल दलों के साथ बैठक करने को लेकर न्यूज़ एजेंसी पीटीआई से कहा, रकल बैठक होगी. सीएम पद को लेकर भी जल्द ही दावेदारी पेश होगी. वहीं उमर अब्दुल्लाह ने कहा, नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक दल की बैठक हुई. मैं दिल की गहराई से शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझ पर भरोसा किया और एक मौका दिया कि मैं राजभवन जाकर हुकूमत बनाने का दावा पेश करूं.

सदी के सबसे बड़े मिल्टन तूफ़ान से फ्लोरिडा में अब तक चार की मौते, 30 लाख घर अंधेरे में, पानी भी नहीं

सदी के सबसे बड़े अमेरिका में मिल्टन तूफ़ान के फ़्लोरिडा में दस्तक देने से 30 लाख से अधिक घरों और दुकानों की बिजली गायब हो गई. राज्य के सेंट लूसिया में चार लोगों की मौत हो गई. फ्लोरिडा के सेंट पीटर्सबर्ग में पीने का पानी नहीं आ रहा है. अधिकारियों को मिल्टन तूफ़ान से मची तबाही के बाद पानी की सप्लाई को रोकना पड़ा है. टैम्पा के पूर्व में 35 लोगों का रेस्क्यू किया गया है. अधिकारियों ने लोगों की सलाह दी कि वो दूषित पानी से दूर रहें.

सर्वेक्षण 2020-21 में 41.8 प्रतिशत था, 2022-23 में 59.8 प्रतिशत हुआ इंटरनेट का इस्तेमाल करने वालों का आंकड़ा

तेजी से डिजिटल हो रहा भारत, दो वर्षों में बदली देश की तस्वीर

एजेंसी। नयी दिल्ली

मोबाइल टेलीफोन की कम दरें (लो-कॉस्ट मोबाइल टेलीफोनी) भारत को डिजिटल बनाने की राह पर लाने में मददगार रही हैं. वर्ष 2022-23 में 15 वर्ष से ज्यादा उम्र के 85 प्रतिशत लोग मोबाइल फोन कनेक्शन का इस्तेमाल कर रहे थे. मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वालों का यह आंकड़ा ठीक दो वर्ष पहले 2022-21 में 70.2 प्रतिशत था. सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा रिलीज किए गए एक सर्वेक्षण से यह जानकारी सामने आई है. भारत में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या में भी दो वर्षों में काफी सुधार देखा गया है.

15-25 वर्ष के 82 प्रतिशत ग्रामीण युवा इंटरनेट का करते हैं इस्तेमाल

ग्रामीण क्षेत्रों में 15 से 25 वर्ष की आयु के 82 प्रतिशत से अधिक युवा इंटरनेट का उपयोग करते हैं. वहीं, शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा लगभग 92 प्रतिशत है. इसमें यह भी पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में 15-24 वर्ष के 95.7 प्रतिशत लोग मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 97 प्रतिशत से थोड़ा कम है.

9.9 प्रतिशत करते हैं कंप्यूटर (पीसी लैपटॉप, डेस्कटॉप) का इस्तेमाल

कंप्यूटर (डेस्कटॉप, पीसी, लैपटॉप) का इस्तेमाल 9.9 प्रतिशत लोग करते हैं. ग्रामीण क्षेत्रों में 4.2 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 21.6 प्रतिशत लोग कंप्यूटर का इस्तेमाल करते हैं. 15-24 वर्ष की आयु के 96.9 प्रतिशत व्यक्ति सरल कथनों को समझ कर पढ़ने और लिखने में सक्षम हैं तथा सरल अंकगणितीय गणनाएं करने में भी सक्षम हैं.

सर्वेक्षण में सामने आई जानकारी बताती है कि 2020-21 में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वालों का आंकड़ा 41.8 प्रतिशत था. वहीं, 2022-23 में यह बढ़कर 59.8 प्रतिशत हो गया. इनमें 15-29 आयु वर्ग के लोग 84.2 प्रतिशत से भी ज्यादा हैं. सर्वेक्षण में सामने आई जानकारी के अनुसार, 15 वर्ष से अधिक उम्र की 78.7 प्रतिशत महिलाएं एक्टिव मोबाइल कनेक्शन का इस्तेमाल कर रही हैं. ठीक दो वर्ष पहले इस उम्र वर्ग की केवल 56.7 प्रतिशत महिलाएं ही मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर पा रही थी. वहीं, 2020-21 में 83.2 प्रतिशत पुरुष ही मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर पा रहे थे. ठीक दो वर्ष बाद 2022-23 में मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वाले पुरुषों का यह आंकड़ा 91.4 प्रतिशत पहुंच गया.

इस नए सर्वेक्षण के अनुसार, हर 5 में से 2 व्यक्ति बैंकिंग लेन-देन करने में सक्षम है. वहीं, 43.4 प्रतिशत लोग अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल ईमेल भेजने में कर सकते हैं. लगभग 94 प्रतिशत आबादी के पास उनके निवास स्थान से दो किलोमीटर के भीतर बारहमासी सड़कों तक पहुंच थी और शहरी क्षेत्रों में 93.7 प्रतिशत लोगों के पास 500 मीटर के भीतर परिवहन सेवा उपलब्ध थी. स्वच्छता और पेयजल की उपलब्धता में दो वर्ष पहले की तुलना में सुधार हुआ है और यह लगभग पूर्ण हो गई है. शहरी क्षेत्रों में जेब से किया जाने वाला खर्च घटकर 1,446 रुपये और ग्रामीण क्षेत्रों में 950 रुपये रह गया, जिससे स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में भी सुधार का संकेत मिलता है.

लाओस में पीएम मोदी का ग्रैंड वेलकम और हिंदी में अभिवादन

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को 21वें आसियान-भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए लाओस पहुंचे. जहां राजधानी वियनतियाने पहुंचने पर भारतीयों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया.

पीएम मोदी का स्वागत करने के लिए वियनतियाने के होटल डबल ट्री में बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के लोग पहले से मौजूद रहे. इस दौरान एक खास नजारा भी देखने को मिला. दरअसल, होटल डबल ट्री में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करते हुए भारतीयों और लाओस समुदाय के लोगों ने गायत्री मंत्र का पाठ किया. इसका वीडियो भी सामने आया है. वीडियो में देखा जा सकता है कि पीएम मोदी के सामने भारतीय समुदाय के लोग हाथ में तिरंगा लिए हुए गायत्री मंत्र का जाप कर रहे हैं. इस दौरान पीएम मोदी भी उनके सामने हाथ जोड़कर गायत्री मंत्र का जाप करते हैं. पीएम मोदी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इस वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं. एक अन्य वीडियो में लाओस समुदाय के लोगों ने वियनतियाने के होटल डबल ट्री में पीएम मोदी का हिंदी में अभिवादन करते हुए ग्रैंड वेलकम किया.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)